केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- लालू-राबड़ी राहुल के पास, विकास का कोई एजेंडा नहीं - 7

केंद्रीय बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा-आरबीआई सावधानी से बढ़ रहा आगे - 10

एक डिग्री सेल्सियस के 10वें हिस्से के बराबर तापमान बढ़ना भी अब घातक - 11

भारत ए मजबूत स्थिति में, दक्षिण अफ्रीका ए पर 112 रनों की बढ़त बनाई - 12

आज का मौसम

27.0⁰ अधिकतम तापमान

12.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.29

सूर्यास्त 05.23

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष तृतीया 07:32 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 8 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 349, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर बोला हमला, कहा-1937 में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के कई अंश हटाए गए

विभाजनकारी मानसिकता अब भी चुनौती

- राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत कर प्रधानमंत्री ने कीं टिप्पणियां

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था जिसने विभाजन के बीज बोये और इस प्रकार की विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए अब भी चुनौती है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत करते हुए ये बात कही। मोदी ने इस अवसर पर यहां इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

मोदी ने कहा, वंदे मातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आवाज बन गया। इसने हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त किया। दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम के महत्वपूर्ण छंदों को... उसकी आत्मा के एक हिस्से को निकाल दिया गया। आज की पीढ़ी को यह जानने की जरूरत है कि राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ, यह विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए आज भी एक चुनौती है। प्रधानमंत्री ने 'वंदे मातरम' को हर युग में प्रासंगिक बताया और 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, जब दुश्मन ने आतंकवाद का इस्तेमाल करके हमारी सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया तो दुनिया ने देखा कि नए भारत ने मानवता की सेवा में कमला और विमला की भावना को साकार किया। भारत दुर्गा का रूप धारण करना भी जानता है। भारत की संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को आधिकारिक तौर पर वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया, जिससे इसे स्थायी महत्व प्राप्त हुआ। विभिन्न विवरणों के अनुसार, वंदे मातरम के एक संक्षिप्त संस्करण को, जिसमें मूल छह छंदों में से केवल पहले दो को रखा गया था, 1937 में कांग्रेस द्वारा राष्ट्रीय गीत के रूप में चुना गया था। तब मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, आचार्य नरेंद्र देव और रवींद्रनाथ टैगोर की एक समिति ने इसे अपनाने की सिफारिश की थी। प्रधानमंत्री के भाषण से पहले दिन में भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में अपने सांप्रदायिक एजेंडे को खुलकर आगे बढ़ाते हुए 1937 में 'वंदे मातरम' के केवल संक्षिप्त संस्करण को पार्टी के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया था। नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने वंदे मातरम के उन छंदों को धार्मिक आधार पर जानबूझकर हटा दिया जिनमें देवी मां दुर्गा की स्तुति की गई थी।

कर्तव्यों के प्रति आग्रही बनने का मंत्र है वंदे मातरम : योगी

- कहा, वंदे मातरम किसी जाति उपासना विधि या व्यक्ति का महिमा मंडन नहीं करता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि यह हमारे कर्तव्यों के प्रति जागरूक और आग्रही बनने का प्रेरक मंत्र है। यह किसी जाति, उपासना पद्धति या व्यक्ति का महिमामंडन नहीं करता, बल्कि नागरिकों को स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र माता के प्रति समर्पण का भाव सिखाता है। जब नागरिक अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ता है, तभी वह सच्चे अर्थों में वंदे मातरम् का गान कर रहा होता है। मुख्यमंत्री लोक भवन में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने इस अवसर पर मुख्य सचिव एसपी गोयल सहित शीर्ष अधिकारियों के साथ राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया और 'स्वदेशी का संकल्प' लिया। राष्ट्रगीत के रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय को नमन करते हुए प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब शिक्षक अपने विद्यार्थियों में संस्कारों का बीजारोपण करता है। जब जवान सीमाओं पर विपरीत परिस्थितियों में भी डटा रहता है, और जब किसान धरती की उर्वरता बढ़ाकर अन्न उत्पादन करता है, तो यह सब वंदे मातरम् की भावना का ही मूर्त रूप है। यही भाव राष्ट्रभक्ति को कर्म में बदलता है। विदेशी शासन की यातनाओं और दमन के बावजूद स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम् के उद्घोष से स्वाधीनता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। यह गीत भारत की भक्ति और शक्ति का सामूहिक प्रतीक बन गया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने अपने उपन्यास आनंद मठ में उस युग की भूख, अकाल और अभाव से जूझती जनता की वेदना को स्वर दिया, जिसने आगे चलकर राष्ट्र जागरण का रूप लिया।

वंदे मातरम कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी।

काशी पहुंचे प्रधानमंत्री आज चार नई वंदे भारत को दिखाएंगे हरी झंडी

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोदी का किया भव्य स्वागत
- काफिले पर जगह-जगह लोगों ने की फूलों की वर्षा

वाराणसी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार की शाम अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। वह शनिवार 8 नवंबर को यहां से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। शाम करीब पांच बजे प्रधानमंत्री का विशेष विमान लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे बाबतपुर पर उतरा। वहां से बरेका पहुंचने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत किया।

प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से बीएलडब्ल्यू स्थित गेस्ट हाउस के लिए रवाना हुए। उनका काफिला बाबतपुर से हरहुआ होते हुए गिलट बाजार, जेपी मेहता, फुलवरिया फ्लाईओवर होते हुए बरेका पहुंचा। रास्ते में कई जगह स्थानीय लोगों सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने भी वाहन से हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। मोदी के स्वागत में काशीवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मोदी 8 नवंबर को वाराणसी से देश को चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात देंगे। इनमें सबसे प्रमुख ट्रेन वाराणसी से खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस होगी, जो काशीवासियों और पूर्वांचल के लिए एक बेहतरीन सेवा मानी जा रही है। प्रधानमंत्री इन ट्रेनों को बनारस (पूर्व मंडुवाडीह) रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन अन्य वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें लखनऊ से सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस, फिरोजपुर से दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस, एर्नाकुलम से बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, मोदी इस अवसर पर बनारस स्टेशन पर मौजूद गणमान्य लोगों से संवाद भी कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री का स्वागत करते सीएम योगी।

ब्रीफ न्यूज

भूमि घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा को झटका

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मानेसर भूमि घोटाला मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उनकी याचिका खारिज कर दी, जिससे पंचकूला स्थित केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत में अब आरोप तय करने की प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है। उच्च न्यायालय से राहत न मिलने के बाद अब सीबीआई की विशेष अदालत हुड्डा और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करेगी और मुकदमे की औपचारिक कार्यवाही शुरू होगी।

कई बैंकों में चोरी का सरगना गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कई बैंकों को निशाना बनाने वाले कुख्यात 'मामू गिरोह' के सरगना कमरुल उर्फ मामू 51 को गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि उत्तर प्रदेश का निवासी आरोपी वारदात को अंजाम देने से पहले फल विक्रेता का वेश धारण कर लक्षित ठिकानों की टोह लेता था। पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) हर्ष इंदौरा ने बताया कि दिन में वह एक साधारण फल विक्रेता के वेश में चुपचाप बैंक परिसर का निरीक्षण करता था, कर्मचारियों की दिनचर्या पर नजर रखता था और सुरक्षा खामियों का पता लगाता था।

एबीवीपी नेताओं और नगर निगम अधिकारियों में हाथापाई, हंगामा

- विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे थे एबीवीपी नेता, नगर आयुक्त के सामने अधिकारियों-कर्मचारियों से छात्रों की तीखी नोक-झोंक
- छात्रों ने निगम कार्यालय के बाहर शुरू किया धरना, निगम कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए, सफाई व्यवस्था की ठप

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : नगर निगम परिसर शुक्रवार को अखाड़ा बन गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के पदाधिकारियों और नगर निगम अधिकारियों तथा कर्मचारियों के बीच हुई तीखी नोक-झोंक के चलते हंगामा खड़ा हो गया। छात्र विभिन्न समस्याओं को लेकर नगर निगम कार्यालय पहुंचे थे। अधिकारियों से वार्ता के दौरान टकराव हो गया, जो देखते-देखते हाथापाई में बदल गई।

अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एबीवीपी नेताओं ने निगम दफ्तर के बाहर धरना शुरू कर दिया। जवाबी मोर्चा खोलते हुए नगर निगम कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान करते हुए सफाई व्यवस्था ठप कर दी। करीब डेढ़ घंटे तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा। एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री अवनि यादव के नेतृत्व में शुक्रवार दोपहर में एबीवीपी कार्यकर्ता नगर आयुक्त कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते पहुंचे, लेकिन नगर आयुक्त कार्यालय में मौजूद नहीं थे। कार्यालय के बाहर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी ने कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कार्यकर्ता नगर आयुक्त मुर्दाबाद, निगम अधिकारी भ्रष्ट हैं जैसे तमाम नारे लगाते रहे। जानकारी जब अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय को हुई तो वह भी एक्सईएन राजीव संग कार्यकर्ताओं के पास पहुंचे, लेकिन उनसे तीखी नोकझोंक हो गई। थोड़ी ही देर में नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य भी कार्यालय पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने उन्हें कार्यालय के बाहर ही रोक लिया, लेकिन वह कार्यालय के अंदर चले गए।

पांच मिनट के बाद कार्यकर्ताओं को अंदर बुलाया तो कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि गुरुवार को संगठन के कार्यक्रम के लिए जीआईसी ऑडिटोरियम सभाकर की बुकिंग कराई थी, लेकिन समय से पहले ही यहां बिजली बंद कर दी गई। बातचीत के दौरान माहौल गरम हो गया और दोनों पक्ष एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगे। इसी बीच निगम अधिकारी भी बिफर गए और हाथापाई की नौबत आ गई।

नगर निगम कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष ठाकुर मिशनपाल सिंह भी कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति संभालने की कोशिश की, मगर उनके बीच भी तनातनी बढ़ गई।

छात्र नेताओं व कर्मचारियों को समझाती पुलिस।

तकनीकी खामी से 800 उड़ानें विलंबित

- दिल्ली में हवाई अड्डे पर हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी से यात्री परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर शुक्रवार को अफरातफरी मच गई क्योंकि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण लगभग 800 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में देर हुई। हवाई अड्डे पर सभी विमानन कंपनियों की उड़ानों के परिचालन प्रभावित हुए हैं और अधिकारी खामी को ठीक करने के लिए लगे हैं।

इंडिगो, एअर इंडिया, स्पाइसजेट और अकासा एयर जैसी विमानन कंपनियों ने शुक्रवार को कहा कि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर उनकी उड़ानों में देरी हो रही है। राष्ट्रीय राजधानी का इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) प्रतिदिन 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन करता है और देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सुबह 10 बजकर आठ मिनट पर 'एक्स' पर कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी हो रही है, क्योंकि 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' में तकनीकी खामी आ गई है, जो हवाई यातायात नियंत्रण डेटा को सहयोग देता है।

दो दिनों से रुक-रुक कर आ रही थी समस्या : सूत्रों ने बताया कि पिछले दो दिनों में हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में रुक-रुक कर समस्याएं आ रही थीं और तकनीकी समस्या का सुबह करीब 5.45 बजे से प्रणाली पर काफी असर पड़ने लगा। दिल्ली हवाई अड्डे का संचालन दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) करता है। डायल ने दोपहर एक बजकर 42 मिनट पर 'एक्स' पर पोस्ट किया दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी एयरलाइन के परिचालन में फिलहाल देरी हो रही है। संबंधित प्रशासन इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान निकालने के लिए काम कर रहे हैं।

भारत में हॉकी के 100 वर्ष

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू हॉकी में हाथ आजमाते हुए, साथ में हैं केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया व अन्य। 1925 में ग्वालियर में भारतीय हॉकी महासंघ का गठन हुआ था।

चेक बाउंस पर अभिनेत्री अमीषा पटेल तलब

मुरादाबाद: अतिरिक्त न्यायालय मुरादाबाद ने अभिनेत्री अमीषा पटेल को चेक बाउंस के एक मामले में तलब किया है। शुक्रवार को परिवादी पवन कुमार वर्मा ने अपने आरोप लगाया कि अमीषा ने देनदारी चुकाने के लिए दो लाख का चेक जारी किया था, जो पर्याप्त धनराशि न होने के कारण बैंक द्वारा 01 जनवरी 2025 को अनादरित कर दिया गया था।

अगले वर्ष मैं भारत आ सकता हूं, मोदी महान व्यक्ति : ट्रंप

- नई दिल्ली क्वाड शिखर सम्मेलन की करेगा मेजबानी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले वर्ष भारत की यात्रा कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री को एक अच्छा व्यक्ति और मित्र बताते हुए कहा कि मोदी चाहते हैं कि वह भारत आएं।

ट्रंप ने ओवल ऑफिस में गुरुवार को एक सवाल पर कहा, वह (प्रधानमंत्री मोदी) मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं... वह चाहते हैं कि मैं वहां आऊं। भारत नई दिल्ली में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के नेता भाग लेंगे। बहरहाल, भारत में होने वाले सम्मेलन की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि भारत ने रूस से खरीदारी बंद कर दी है।

उत्तर कुंजी प्रकाशन करने की नीति का खुलासा करे एनबीई

नीट-पीजी मामला

- शीर्ष कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड को दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-परास्नातक (नीट-पीजी) की उत्तर कुंजी प्रकाशित करने संबंधी अपनी नीति का खुलासा करने का निर्देश दिया। पीठ ने एनबीई के अधिवक्ता से हलफनामा दाखिल कर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा।

कोर्ट राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर से संबंधित विभिन्न मुद्दों को उठाने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। इसमें पारदर्शिता के तौर पर उत्तर कुंजी का खुलासा किये जाने की बात भी शामिल है। सुनवाई के दौरान एनबीई के अधिवक्ता ने दलील दी कि कोचिंग संस्थान ये याचिकाएं इसलिए दायर कर रहे हैं क्योंकि वे प्रश्न पुस्तिकाओं की उत्तर कुंजी हासिल करना चाहते हैं। अधिवक्ता ने तर्क दिया कि इससे परीक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने 26 सितंबर को नीट-पीजी 2025 की उत्तर कुंजी प्रकाशित करने की मांग वाली याचिकाओं पर केंद्र और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड को नोटिस जारी किए थे। न्यायालय ने 29 अप्रैल को पारदर्शिता के लिए 'मूल अंक', उत्तर कुंजियों और सामान्यीकरण सूत्र के प्रकाशन का निर्देश दिया।

सुप्रीम फैसला | उच्चतम न्यायालय ने कुत्तों के काटने की घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोत्तरी पर जारी किए आदेश

स्कूल-अस्पताल से आवारा कुत्तों और हाईवे से जानवरों को हटाएं

- उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों को सार्वजनिक रूप से भोजन कराने पर भी रोक लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कुत्तों के काटने की घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोत्तरी को देखते हुए आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल, सार्वजनिक खेल परिसर, बस स्टैंड, डिपो और रेलवे स्टेशनों पर बाड़ लगाने का आदेश दिया है। साथ ही, हाईवे से आवारा जानवर हटाने का भी आदेश दिया है।

न्यायालय ने मामले का दायरा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से आगे बढ़ाकर इसे पूरे भारत में लागू कर दिया है।

आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, पशुपालन विभाग के सचिवों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों के सचिवों को पक्षकार बनाया गया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने शुक्रवार को स्वतः संज्ञान लेकर आवारा कुत्तों के मामले में यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने कहा कि स्थानीय निकायों को यह सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण करना चाहिए कि ऐसे परिसरों में आवारा कुत्तों का कोई निवास स्थान न हो।

उच्चतम न्यायालय की पीठ ने आवारा कुत्तों को सार्वजनिक रूप से भोजन कराने पर भी रोक लगाई और उनके लिए भोजन स्थल बनाने का निर्देश दिया। पीठ ने यह भी कहा कि वह इस मुद्दे पर एक राष्ट्रीय नीति बनाने के लिए उच्च न्यायालयों में लंबित इसी तरह की याचिकाओं को उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करेगी। न्यायालय ने आदेश दिया कि संबंधित स्थानीय स्व-सरकारी संस्थानों की ज़िम्मेदारी होगी कि वे ऐसे संस्थानों-क्षेत्रों से आवारा कुत्तों को उठाएं और पशु जन्म नियंत्रण नियमों के अनुसार टीकाकरण और नसबंदी के बाद उन्हें निर्दिष्ट कुत्ता आश्रयों में पहुंचाएं।

न्यायालय ने सड़कों और राजमार्गों से आवारा मवेशियों और अन्य जानवरों को हटाने के निर्देश भी दिए। पीठ ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अधिकारियों को सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को तुरंत हटाकर कुत्ता आश्रय स्थलों में भेजे जाने का आदेश दिया। ये निर्देश नोएडा, गुरुग्राम और गाजियाबाद पर भी लागू होंगे।

पत्नी की याचिका पर शमी को नोटिस

शीर्ष कोर्ट ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी को उनसे अलग रह रही पत्नी हसीन जहां द्वारा दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किया। नोटिस में पत्नी और उनकी नाबालिग बेटी को दिए गए अंतरिम भरण-पोषण को बढ़ाने की मांग की गई है। उच्च न्यायालय ने शमी द्वारा अपनी पत्नी के लिए प्रति माह 1.50 लाख रुपये और उनकी बेटी के लिए प्रति माह 2.50 लाख का अंतरिम भरण-पोषण बढ़ा दिया था जबकि क्रिकेटर को आठ मासिक किस्तों में बकाया चुकाने की अनुमति दी थी।

दोष सिद्धि छिपाई, रद्द होगा चुनाव

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि नामांकन पत्र में दोष सिद्धि का खुलासा न करने पर निर्वाचित उम्मीदवार को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। पीठ ने मप्र के भीकनगांव नप की पूर्व पार्षद पूनम की अपील पर यह आदेश पारित किया। पूनम को इसलिए पद से हटा दिया गया था क्योंकि चुनाव के लिए नामांकन में अपनी दोष सिद्धि का खुलासा नहीं किया था। उन्हें चेक बाउंस के एक मामले में दोषी ठहराया गया और एक साल की कैद की सजा सुनाई गई थी।

न्यूज ब्रीफ

निलंबित चल रहे दो पीसीएस अफसर बहाल

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने हरदोई के चर्चित भू-आवंटन प्रकरण में निलंबित चल रहे दो पीसीएस अफसरों में स्वाति शुक्ला और डॉ. प्रतीत त्रिपाठी को राहत देते हुए बहाल कर दिया है। कार्मिक विभाग के प्रमुख सचिव आईएएस एम. देवराज की ओर से जारी आदेश में दोनों अधिकारियों को निलंबन से मुक्त करते हुए कहा गया है कि उनकी नई तैनाती का आदेश शीघ्र जारी किया जाएगा। यह बहाली लगभग 14 महीनों बाद हुई है। दोनों अफसरों को सितम्बर 2024 में हरदोई में भूमिहीनों की अनदेखी कर 71 अपात्र व्यक्तियों को लगभग 150 बीघा सरकारी भूमि के पट्टे बांटने के आरोप में निलंबित किया गया था।

छात्रों को मुफ्त मिलेंगे खेल उपकरण

अमृत विचार, लखनऊ : देश के स्कूली खिलाड़ियों को अब मुफ्त में विश्वस्तरीय खेल सामग्री मिलेगी। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) ने खेल उपकरण निर्माता कंपनी वेक्टर एक्स (साकर इंटरनेशनल) के साथ दो वर्ष के लिए समझौता किया है। यह करार एसजीएफआई अध्यक्ष एवं कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार और कंपनी के प्रबंध निदेशक विकास गुप्ता के बीच हुआ। समझौते के तहत वेक्टर एक्स आगामी दो वर्षों तक फुटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल और बास्केटबॉल खेलों के उपकरण मुफ्त उपलब्ध कराएगा, जबकि डनलप टेनिस व स्क्वैश के लिए बॉल पार्टनर रहेगा।

मुठभेड़ में इनामी पशु तस्कर ढेर

अमृत विचार, लखनऊ : आजमगढ़ के रौनापार थानाक्षेत्र के जोकहरा गांव में छोटी सरयू नदी के पास शुक्रवार सुबह एसटीएफ, स्वाट टीम और सिधारी पुलिस की संयुक्त टीम की पशु तस्करों से मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ से फायरिंग हुई। जिसमें 50 हजार रुपये का इनामी पशु तस्कर वाकिफ को गोली लगी। गंभीर हालत में अस्पताल लेकर गये। जहां उसकी मौत हो गई। वहीं, मौका देख वाकिफ के तीन साथी फरार हो गये। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

भदोही के सपा विधायक दंपती को राहत

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने घरेलू सहायिका को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में भदोही के समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग उर्फ जाहिद जमाल बेग और उनकी पत्नी सीमा बेग के खिलाफ चल रहे सत्र परीक्षण की कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने विधायक दंपती की ओर से दाखिल उस याचिका पर सुनवाई करते हुए अंतरिम आदेश पारित किया, जिसमें उन्होंने बलपूर्वक कार्रवाई से संरक्षण और अपने मामले को पत्नी की लंबित याचिका के साथ जोड़ने की मांग की थी। याची के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि विधायक को बिना पर्याप्त जांच के झूठा फंसाया गया है।

अराजकता फैलाना कांग्रेस और राजद का जन्मसिद्ध अधिकार

बिहार में एनडीए के समर्थन में आयोजित जनसभाओं में बोले मुख्यमंत्री योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बिहार में जनसभाओं की श्रृंखला के दौरान कांग्रेस और राजद पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि अराजकता फैलाना इन दलों का जन्मसिद्ध अधिकार है। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आयोजित रैलियों में उमड़े अपार जनसैलाब के बीच योगी ने एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनता से मतदान की अपील की।

योगी ने पहली रैली में रक्सौल से भाजपा प्रत्याशी प्रमोद कुमार सिन्हा और नरकटियागंज से जदयू प्रत्याशी विशाल कुमार, दूसरी रैली में लौरिया से भाजपा प्रत्याशी व भोजपुरी कलाकार विनय बिहारी और तीसरी रैली में ढाका से एनडीए प्रत्याशी पवन कुमार जायसवाल के पक्ष में की। उन्होंने कहा कि बिहार में यह चुनाव सुशासन बनाम जंगलराज का है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग लालटेन की केरोसिन बेचकर बिहार को अंधेरे में झोंकते थे, अब वही जनता का राशन हजम करने आए हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले चारा खा गए, अब राशन खाने निकले हैं। यह वही दल हैं, जिन्होंने 1990 से 2005 तक बिहार को जातीय संघर्ष, अपहरण, नरसंहार और लूटपाट के अंधकार में धकेला। उन्होंने कहा कि आज बिहार की जनता विकास और विरासत के साथ खड़ी है, इसलिए अब राजद-कांग्रेस की राजनीति नहीं चलेगी।

बिहार में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री योगी को गदा भेंट कर अभिनंदन करते पार्टी नेता।

- कहा- जो लोग पहले चारा खा गए अब राशन खाने निकले हैं

योगी ने कहा कि बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि अब बुलडोजर बाबा का सुशासन ही चलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जब माफिया की छाती पर बुलडोजर चलता है तो उनके आका भी थर-थर कांपते हैं। महागठबंधन वालों में हिम्मत नहीं कि अपराधियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई कर सकें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद के शासन में बिहार अपहरण उद्योग का गढ़ बन गया था। व्यापारी, चिकित्सक, इंजीनियर, बेटियां कोई सुरक्षित नहीं था। तत्कालीन सरकार अपराधियों के सामने नतमस्तक होकर मध्यस्थता की बात करती थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में सुनवाई 12 दिसंबर को

प्रयागराज, एजेंसी: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में शुक्रवार को सुनवाई के बाद अगली तिथि 12 दिसंबर तय की। न्यायमूर्ति अविनाश सक्सेना ने दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद अगली तिथि तय की। इस मामले की पूर्व में सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र अब इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में बैठ रहे हैं, इस मामले को न्यायमूर्ति सक्सेना के लिए नामित कर दिया गया है।

न्यायमूर्ति अविनाश सक्सेना ने शुक्रवार को दस्तावेजों का सत्यापन किया और दोनों पक्षों के वकीलों को लंबित आवेदनों पर अपने जवाब दाखिल करने को कहा। साथ ही उन्होंने उन मामलों में लिखित जवाब दाखिल करने का अंतिम मौका दिया, जहां लिखित जवाब दाखिल नहीं किया गया है। इससे पूर्व, 16 अक्टूबर को अदालत ने कहा था कि यह रिकॉर्ड स्थूल है। पक्षकार सभी लंबित आवेदनों में आपत्तियां दाखिल कर सकते हैं ताकि इन आवेदनों पर जल्द निर्णय किया जा सके। कार्यालय को सामान्य नियम (दीवानी) के मुताबिक फाइल को पुनः व्यवस्थित कर उसे क्रमवार रखने का निर्देश दिया जाता है।

प्रधानमंत्री के दून दौरे से पहले दो बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- दोनों महिलाएं घुसपैठ कर दिल्ली से देहरादून पहुंचीं, शादी भी कर ली

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 9 नवंबर को प्रस्तावित देहरादून दौरे से पहले शुक्रवार को राजधानी के पटेल नगर कोतवाली क्षेत्र से पुलिस ने दो बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर राजधानी में सघन सर्च अभियान चल रहा है। इस क्रम में पटेल नगर कोतवाली पुलिस और एलआईयू को संस्कृति लोक कॉलोनी में दो संदिग्ध महिलाएं मिलीं। गहन पूछताछ में दोनों महिलाओं के मोबाइल फोन में बांग्लादेशी पहचान पत्र मिले। इनकी पहचान स्वाति उपाध्याय उर्फ मरियम पुत्री सिद्दीक अकोन मूल निवासी ग्राम सोन बुनिया, बरगुना सदर, जिला बरगुना, बांग्लादेश और शिवली अख्तर उर्फ जॉली उर्फ सना पुत्री जसमुद्दीन मूल निवासी ग्राम जिन्नत अली, हाजीबारी, पोस्ट ऑफिस रसूलपुर, थाना देवीदर, जिला कुमिल्ला, बांग्लादेश के रूप में की गई। दोनों महिलाओं ने पूछताछ में बताया कि वे अलग-अलग समय में भारत में घुसपैठ कर दिल्ली में एक-दूसरे से मिलीं, जहां से दोनों देहरादून पहुंची। स्वाति ने भारतीय नागरिक टैक्सी चालक धर्मवीर को फंसाकर शादी की, जिससे उसकी एक साल की पुत्री है। वहीं, शिवली ने सहारनपुर के कारपेंटर सलमान से निकाह किया, जिससे उसका 10 माह का पुत्र है। एसएसपी ने बताया कि इन दोनों बांग्लादेशी महिलाओं को नियमानुसार बांग्लादेश डिपोर्ट करने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

14 बांग्लादेशी नागरिक अब तक हो चुके गिरफ्तार

एसएसपी के अनुसार, मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर शुरू हुए ऑपरेशन कालनेमि में अभी तक सात बांग्लादेशी नागरिक राजधानी में अवैध रूप से रहते मिलने पर गिरफ्तार कर डिपोर्ट किए जा चुके हैं जबकि 7 अन्य बांग्लादेशियों को अभियोग दर्ज कर जेल भेजा जा चुका है। हरिद्वार से भी बांग्लादेशी नागरिक पकड़े जा चुके हैं।

ओसामा, जवाहरी व मसूद अजहर थे बिलाल के आदर्श

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सहारनपुर निवासी बिलाल खान के मंसूबे खतरनाक थे। वह आतंकी संगठन अलकायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूएएस) का सक्रिय सदस्य है। वह पाकिस्तान के 4 हजार नंबरों से लगातार संपर्क में था। वहीं, ओसामा, अल जवाहरी व मसूद अजहर को अपना आदर्श मानता था। ऑपरेशन सिंदूर में मारे गये आतंकियों को बिलाल खान ने शहीद बताया। यह जानकारी लोक भवन में आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार ने दी।

आईजी कानून-व्यवस्था के मुताबिक बिलाल सहारनपुर का रहने वाला है। उसे 15 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने 4 नवंबर से 9 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर की थी। रिमांड में पूछताछ के दौरान पाकिस्तान से सीधा संपर्क और अलकायदा से रिश्ते का खुलासा हुआ। उन्होंने बताया कि आरोपी के मोबाइल से मिली जानकारी में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आये हैं। इसकी कारण उसे 9 दिन की रिमांड पर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट का सक्रिय सदस्य था। बिलाल द्वारा अपने पाकिस्तानी हैंडलर के माद्यम से उस ऑर्गेनाइजेशन से ज्वाइन करने के बाद सामने आई। यह लगातार पाकिस्तानी हैंडलर से बात करता और उनके माध्यम से एक्यूएस की गतिविधि अंजाम देने के लिए निर्देश मिलते थे।

अपने चैनल से युवकों को करता था मोटिवेट

आईजी कानून-व्यवस्था के मुताबिक बिलाल अलकायदा के आतंकी ओसामा बिन लादेन अल जवाहरी और जैश-ए-मोहम्मद के चीफ मौलाना मसूद अजहर को अपना आदर्श मानता था। उनके भाषण को मोटिवेट होकर प्रसारित करता था। इसने इसके लिए एक अलग से चैनल बना रखा था। उसी पर यह एक्यूएस के द्वारा भेजे गए वीडियो और ऑडियो को शेयर करता था।

दुबई के बाद कंबोडिया से जुड़े बनभूलपुरा के तार

हल्द्वानी, अमृत विचार : नैनीताल का बनभूलपुरा क्षेत्र "जामताड़ा" बनता जा रहा है। दुबई के बाद अब बनभूलपुरा के तार कंबोडिया से भी जुड़ चुके हैं। हाल ही में हुई दो लोगों को गिरफ्तारी के बाद इसका खुलासा हुआ है।

ये दोनों शातिर कंबोडिया में बैठे साइबर क्रिमिनल के संपर्क में थे और उन्हीं क्रिमिनल्स के इशारे पर शहर में पैडलर की तरह काम कर रहे थे। फिलहाल, दोनों हरियाणा की फरीदाबाद पुलिस की गिरफ्त में हैं। माना जा रहा है कि इस मामले में अभी बनभूलपुरा से कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। बता दें कि बीती अक्टूबर को फरीदाबाद पुलिस ने बनभूलपुरा में गली नंबर पांच आजादनगर निवासी अयाज पुत्र मो.नासिर और लाइन नंबर तीन आजादनगर निवासी मो.आरिश पुत्र मुशर्रत उर्फ पहलवान की गिरफ्तारी की थी।

इस्लामनगर में युवक को खंभे से बांधकर पेट्रोल डालकर लगाई आग

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : कस्बा इस्लामनगर में तीन लोगों ने मस्जिद में नमाज पढ़कर आ रहे एक युवक को शुक्रवार को जिंदा जलाने का प्रयास किया। उसे खंभे से बांधा और पेट्रोल डालकर आग लगा दी। युवक गंभीर रूप से झुलस गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवक ने तीन लोगों पर आरोप लगाए। बताया कि उसका तीनों लोगों से गुरुवार को विवाद हुआ था। पुलिस ने जांच की। इस दौरान पुलिस को युवक के पेट्रोल पंप से बोतल में पेट्रोल लेने का वीडियो मिला है। पुलिस की जांच में पेट्रोल डालकर आग लगाना संदिग्ध प्रतीत हुआ है।

- पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी फुटेज जांच में मामला बताया संदिग्ध

आग से झुलसा महबूब।

इस्लामनगर के मोहल्ला तारिक नगला मुस्तफाबाद निवासी महबूब (20) पुत्र सत्तार खान शुक्रवार सुबह लगभग 9 बजे सहसवान मार्ग स्थित मस्जिद पर नमाज पढ़ने गए थे। कुछ देर के बाद वह वापस अपने घर लौटकर जा रहे थे। रास्ते में कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। युवक से कहासुनी करने लगे। देखते ही देखते मामला बढ़ गया। महबूब के अनुसार युवकों ने उसे पकड़कर खंभे से बांध दिया और पेट्रोल डालकर आग लगा दी। खंभे से बंधी रस्सी जलने के बाद वह खुद मौके से भागा। झुलसी हुई हालत में अपने घर पहुंचा। परिजन युवक को इस्लामनगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। चिकित्सक ने उसकी हालत गंभीर बताई। परिजनों ने युवक को चंदौसी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को मस्जिद में बैठने की जगह को लेकर महबूब का कुछ लोगों से विवाद हुआ था। उसी रंजिश के चलते शुक्रवार को उन लोगों ने महबूब के साथ घटना की। पुलिस ने कस्बा के पास पेट्रोल पंप जाकर जानकारी की। वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। जिसमें महबूब एक बोतल में पेट्रोल लेता नजर आया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

तेंदुए ने घर के बाहर खेल रही बालिका पर किया हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: धौरहरा वन रेंज के तहत थाना ईसानगर क्षेत्र के गांव लखनीपुर में गुरुवार की शाम उस समय अफरा तफरी मच गई जब तेंदुए ने घर के बाहर खेल रही 10 साल की बालिका पर हमला कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल बालिका को सीएचसी ले जाया गया। जहां से डॉक्टर ने हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया है। जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

ग्राम पंचायत मिलिक के मजरा लखनीपुर निवासी कधंई की 10 वर्षीय पुत्री नीतू गुरुवार शाम लगभग आठ बजे घर के बाहर खेल रही थी। तभी तेंदुए ने उस पर हमला कर दिया। नीतू के शोर मचाने पर परिवार और गांव के कुछ लोग मौके की ओर दौड़े और शोर शराबा मचाया। तब तेंदुआ बालिका को छोड़कर खेतों की तरफ भाग निकला।

वंदे मातरम् का हुआ सामूहिक गायन

लखनऊ, अमृत विचार : 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को राजधानी लखनऊ राष्ट्रभक्ति के स्वर से गूंज उठी। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित सामूहिक वंदे मातरम् गायन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने भाग लिया, साथ ही स्वदेशी का संकल्प भी दोहराया। प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने मां भारती को नमन करते हुए कहा कि -वंदे मातरम् राष्ट्र की नवचेतना का गान है और आत्मनिर्भर भारत का प्रेरक महामंत्र है। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयम्बक त्रिपाठी ने वंदे मातरम् की 150 वर्ष की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्रेरक यात्रा को साझा किया, जबकि प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने कार्यक्रम का संचालन किया।

वैमनस्यता फैलाने के आरोप से आजम बरी

विधि संवाददाता, लखनऊ

- एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने साक्ष्य के अभाव में सुनाया फैसला

अमृत विचार : सरकारी लेटर पैड एवं मुहर का गलत इस्तेमाल कर वैमनस्यता फैलाने और अपमानित करने के मामले में आरोपी बनाए गए यूपी के पूर्व मंत्री आज़म ख़ान को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने विधिक बिंदुओं एवं साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।

विशेष अदालत ने आजम खान को बरी करते हुए अपने विस्तृत निर्णय में कहा है कि बचाव पक्ष का यह कथन स्वीकार करने योग्य है कि कथित घटना वर्ष 2014 की बताई जाती है। लेकिन इस घटना को लेकर वादी अल्लामा अमीर नकवी द्वारा वर्ष 2019 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

कोर्ट ने पाया कि वादी अल्लामा अमीर नकवी ने जिरह के दौरान स्वीकार किया कि उनकी इस प्रकरण में कोई मानहानि नहीं हुई। कोर्ट ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 199 की व्याख्या करते हुए कहा है की प्रावधानों के अनुसार कोई पीड़ित व्यक्ति ही परिवाद दाखिल कर सकता है। अन्यथा ऐसा परिवाद तभी दूसरा व्यक्ति दाखिल करेगा जबकि संबंधित व्यक्ति पागल हो अथवा उसकी आयु 18 वर्ष से कम हो। कोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा है कि कथित प्रेस रिलीज को वादी द्वारा विवेचक को दिया जाना कहा गया है। परंतु कथित प्रेस विज्ञप्ति न तो पत्रावली पर है और न ही उसका केस डायरी में कोई हवाला है। कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि आरोपी आजम खान के विरुद्ध लगाए गए आरोप सिद्ध नहीं पाए जाते हैं, लिहाजा वह आरोपों से बरी किए जाने योग्य है। पत्रावली के अनुसार आजम खान के खिलाफ इस मामले की रिपोर्ट हजरतगंज थाने में 1 फरवरी 2019 वादी अल्लामा जमीर नकवी ने दर्ज कराई थी जिसमें कहा गया कि घटना वर्ष 2014 की है, लेकिन सरकार के प्रभाव के चलते वादी की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई, जिस पर वादी ने अल्पसंख्यक आयोग को शिकायत भेज कर आरोप लगाया कि आजम खान सरकारी लेटर हेड एवं सरकारी मुहर का दुरुपयोग करके भाजपा, आरएसएस एवं मौलाना सैयद कल्बे जव्वाद नकवी को बदनाम कर आघात पहुंचा रहे हैं।

जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर विवाद में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

संभल, अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को संभल की शाही जामा मस्जिद बनाम श्री हरिहर मंदिर विवाद की सुनवाई एक बार फिर नहीं हो सकी। तय तिथि होने के बावजूद केस लिस्टिंग न होने के चलते सुनवाई टल गई। इससे पूर्व मस्जिद कमेटी की ओर से दाखिल याचिका पर हिंदू पक्ष को नोटिस जारी किया गया था। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ द्वारा की जा रही है।

मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने शाही जामा मस्जिद-हरिहर मंदिर विवाद में चंदौसी सिविल सीनियर डिवीजन कोर्ट द्वारा कराए सर्वेक्षण को बरकरार रखा था और मस्जिद कमेटी की याचिका खारिज कर दी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यह फैसला 18 मई को सुनाया गया था। इसके बाद मस्जिद कमेटी ने 1 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की, जिसे 5 अगस्त को रजिस्टर्ड किया गया।

सार्वजनिक सूचना

मेरे पक्षकार श्रीराम फाइनेन्स लिमिटेड बरेली द्वारा महजबी बेगम पत्नी वकील अहमद निवासी मो. अंसारी फतेहगंज पश्चिमी बरेली को ऋण सम्पत्ति पर दिया जा रहा है। संपत्ति स्थित वाकै ग्राम स्वाले नगर नवदिया परगना तहसील बरेली। बैनामा श्रीमती सादिया परवीन पत्नी श्री शरीफ अली विक्रेता/क्रेता महजबी बेगम पत्नी श्री कफील अहमद श्री क्रेता/विक्रेता सादिया परवीन पत्नी श्री शरीफ अली जिसकी रजिस्ट्री नं. 1076 दिनांक 22.02.2017 बही नं. 1 जिल्द संख्या 9134 पृष्ठ 1 से 30 है हदूद पूर्व में रास्ता 18 फिट चौड़ा, पश्चिम में प्लाट नं. 56 खरीदकर्ता रेशमा रहमान, उत्तर में प्लाट नं. 53 व 54, दक्षिण में प्लाट नं. 51 खरीदकर्ता मुर्शरफ हुसैन क्रय पत्र 25.10.2025 में कहीं खो गया है। जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दिनांक 7.11.2025 थाना फतेहगंज पश्चिमी में करा दी गई है। किसी को यह विक्रय पत्र मिले या किसी बैंक में रखे हो तो 7 दिन के भीतर सूचित करें।

संजीव कुमार एडवोकेट
चैम्बर नियम बंगलिया बिल्डिंग, बरेली।
मो.नं. 9412149165

कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा-पीलीभीत

पत्रांक: मैमो/न.पं.गु.भि./2025-26 — दिनांक: 06.11.2025

नोटिस

(अन्तर्गत धारा-143, नगर पालिका अधिनियम 1916)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरण के अनुसार कॉलम-04 में अंकित व्यक्ति के द्वारा किये गये रजिस्टर्ड दानपात्र के द्वारा हस्तांतरण के आधार पर कॉलम-05 में उल्लेखित व्यक्ति ने अपना नाम गृहकर पंजिका में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में प्रार्थना-पत्र दिया है, यदि कॉलम संख्या-05 में अंकित व्यक्ति अपने नाम को गृहकर पंजिका में अंकित किये जाने में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 01 माह के अन्दर नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा में लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। उल्लिखित समय-सीमा के अनदर किसी प्रकार की आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में प्रस्तावित नाम को नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा के गृहकर रजिस्टर में गृहकर वसूली के उद्देश्य से दर्ज कर लिया जायेगा।

क्र.	सम्पत्ति का विवरण	हस्तांतरण हेतु प्रस्तावित सम्पत्ति का वार्ड का नाम व पता	रजिस्टर्ड बैनामाकर्ता वसीयतनामाकर्ता/ दानकर्ता का नाम व पता	प्रस्तावित व्यक्ति का नाम जो उस व्यक्ति को गृहकर हेतु दर्ज किय जाना	हस्तांतरण का आधार
01	02	03	04	05	06
	गाटा सं.- 138 मि. रकवा- 120.45 वर्गमी.	वार्ड नं0-02, नगर पंचायत गुलडिया भिण्डारा तहसील- अमरिया जिला-पीलीभीत	श्रीमती पूनम रानी पत्नी स्व. श्री अशोक कुमार नि.- गुलड़िया भिण्डारा डाकखाना- मझोला तहसील- अमरिया जिला- पीलीभीत	श्री विशाल कुमार पुत्र स्व. श्री अशोक कुमार नि.- गुलड़िया भिण्डारा डाकखाना-मझोला तहसील-अमरिया जिल-पीलीभीत	रजिस्टर्ड दानानामा

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा पीलीभीत — अध्यक्ष, नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा पीलीभीत

वअदालत श्रीमान परगनाधिकारी महोदय, मुकाम पूरनपुर-पीलीभीत
मु.नं.- टी202512560305448
फूलमती आदि बनाम हजारी आदि
धारा-24 उ.प्र. राजस्व संहिता-2006
ग्राम- गैरतपुर जप्ती, पर. तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत

बनाम प्रतिवादी:- 1. हजारी पुत्र स्व. रूपन नि.ग्राम सुआबोझ पर.तह. पूरनपुर- पीलीभीत 2. रामचरन पुत्र जवाहर नि. ग्राम गैरतपुर जप्ती पर.तह. पूरनपुर-पीलीभीत 3. रामरतन पुत्र दुर्गा प्रसाद नि. ग्राम गैरतपुर जप्ती तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत 4. हरीशंकर पुत्र दुर्गा प्रसाद नि. ग्राम गैरतपुर जप्ती पर. तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत 5. फूलचन्द पुत्र जोधा नि. ग्राम सुआबोझ पर.तह. पूरनपुर जिला पीलीभीत 6. गांव सभा द्वारा ग्राम प्रधान, ग्राम पं. गैरतपुर जप्ती पर.तह. पूरनपुर-पीलीभीत

वाजे हो कि आपके खिलाफ नालिश दफा 24 उ.प्र. राजस्व संहिता दायर की हैं आप व तारीख 17.11.2025 को ववक्त 10 बजे दिन असालतन या अन्य कोई शख्स वाकिफ हाल मुकदमा हो उक्त तारीख पर अपनी जवाबदेही पेश करें यह लाजिम है कि उसी दिन अपने जुमला गवाहों की व जो दस्तावेज जिसकी शहादत पर आप व ताईद अपना जवाब व इस्तदवाल करना चाहते हो पेश करो अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो उसकी गैर हाजिरी में आपके मसमूअ फैसला होगा। दिनांक 06 माह 11 सन् 2025 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

आदेशानुसार
श्रीमान परगनाधिकारी महोदय,
मुकाम पूरनपुर-पीलीभीत

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, पी0एम0जी0एस0वाई0 वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली
पता : 108, सिविल लाईन्स बरेली

पत्रांक सं0 :4774 / यू0पी0 63 / 12आर (प्र0प0) / 2025 — दिनांक : 03.11.2025

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

निविदा सूचना शुद्धि पत्र पीरियाडिक रिन्यूवल कार्यों के लिए

अधीक्षण अभियन्ता, पी0एम0जी0एस0वाई0 वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के पूर्व निविदा सूचना संख्या-4523 / यू0पी0 63 / 12आर0(प्र0प0) / 25 दिनांक 14.10.2025 में निर्धारित निविदा प्रक्रिया की तिथियों को अपरिहार्य कारणों से निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है-

1- ऑनलाइन आमंत्रण (Invitation for Bids) जारी होने की तिथि: 22.11.2025 दोपहर 12:00 बजे से
2- प्री-बिड बैठक की तिथि एवं समय: 28.11.2025 अपराह्न 03:00 बजे (ऑनलाइन)
3- निविदा वेबसाइट पर बोली प्रस्तुत करने की प्रारम्भ तिथि एवं समय: 01.12.2025 दोपहर 12:00 बजे से
4- निविदा दस्तावेज की उपलब्धता एवं प्रस्तुत करने का माध्यम: निविदा दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध है तथा इसे केवल वेबसाइट www.pmgsytendersup.gov.in पर ऑनलाइन माध्यम से ही प्रस्तुत किया जाएगा।
5- ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय: 31.12.2025 दोपहर 12:00 बजे तक
6- तकनीकी निविदाओं के खोलने की तिथि एवं समय (Through e-Procurement): 31.12.2025 दोपहर 01:30 बजे
7- निविदाकर्ता का पंजीकरण: निविदाकर्ता को उपर्युक्त वेबसाइट पर *निःशुल्क पंजीकरण* कराना आवश्यक है।
8- डिजिटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र (DSC): निविदा प्रस्तुत करने हेतु निविदाकर्ता के पास किसी *प्रमाणित प्राधिकरण (Certifying Authority)* द्वारा जारी वैध *डिजिटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र* होना अनिवार्य है।
9- एडेंडम/कोरिजेंडम जारी करने का अधिकार: नियोजक (Employer) को *आई.टी.बी. धारा-10* के अनुसार ऑनलाइन माध्यम से *एडेंडम/कोरिजेंडम* जारी करने का पूर्ण अधिकार होगा। यह किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जाएगा। अतः सभी संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट www.pmgsytendersup.gov.in

निविदा की शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

UP - 239950 **दिनांक:** 06/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

रथिन सिन्हा, अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0-2(प्र0प0) लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर — (मेघ प्रकाश) अधीक्षण अभियन्ता, पीएमजीएसवाई वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

कार्यालय ग्राम पंचायत बाजपेई वि.खं. लखीमपुर -खीरी

पत्रांक- मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2025- 26

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बाजपेई में वर्ष 2025-26 मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य कराए जाने हेतु कार्य सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिनका आयकर/वाणिज्य कर विभाग में पंजी त हो,से मोहर बंद निविदा दिनांक 08.11.2025 से 15.11.2025 को अपरान्ह 2:00 बजे तक डाक द्वारा अथवा ग्राम पंचायत बाजपेई के पंचायत कार्यालय के निविदा पेटिका में आमंत्रित की जाती है, प्राप्त हुई निविदा पंचायत कार्यालय में 15.11.2025 अपरान्ह 4.00 बजे खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन की अनुमानित लागत
1	श्रीचन्द्र के मकान से फुद्दी के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	9,98,290.00
2	शनि देव के मंदिर से राम लखन के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	9,58,150.00

कौशल किशोर वर्मा (प्रधान) — प्रजोत कुमार (सचिव)

कार्यालय मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, बरेली

अल्पकालीन ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्रांक : 269/मु.अभि./नि.वि./2025-26 — दिनांक 07.11.25

ई-निविदा सूचना शासनादेश सं.-3890/नौ -5 -149सा/2019 नगर विकास अनुभाग-05 उ.प्र. शासन लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर, 2019 के अनुपालन में ठेकेदारों से निर्माण कार्यो हेतु निविदायें टू बिड पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदाएं अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी। ई-निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई - प्रक्योरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की बेवसाइट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है।

अस्थायी शैल्टर होम हेतु पुनः ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं.-01 से 04 तक)	
ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	10.11.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	10.11.2025 - (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	17.11.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	17.11.2025 - (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

कार्यो का विवरण, नियम व शर्ते नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, बरेली

प्रगति के पथ पर वंदे भारत की रफ्तार!

4 नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन

- बनारस – खजुराहो
- लखनऊ – सहारनपुर
- फिरोजपुर – दिल्ली
- एरणाकुलम – बेंगलुरु

का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

द्वारा

मुख्य विशेषताएं

- 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंचने में 140 सेकंड का समय
- बेहतर हीट वेंटिलेशन और समान वितरण के लिए एयर कंडीशनिंग डक्ट
- कवच (ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली) से लैस
- आनंदपूर्ण, आरामदायक, शांत और सुरक्षित सफ़र
- टच–फ्री सुविधाओं वाले बायो वैक्यूम शौचालय
- दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालयों की व्यवस्था एवं ब्रेल लिपि में सूचनाएं
- प्रत्येक कोच में इंफोटेनमेंट सिस्टम
- सभी कोचों में अग्निशमन सुरक्षा के बेहतर उपाय
- सभी कोचों में आपातकालीन लाइटिंग, इमरजेंसी विंडो और टॉक बैक यूनिट

लाभ

क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा | यात्रा समय में कमी | यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक और कुशल यात्रा विकल्प | क्षेत्रीय विकास, पर्यटन और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा

गरिमामयी उपस्थिति

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

अश्विनी वैष्णव
केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

शनिवार, 08 नवम्बर, 2025 | प्रातः 08:00 बजे | बनारस, उत्तर प्रदेश

भारतीय रेल

DD NEWS डीडी न्यूज पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें | www.indianrailways.gov.in | हमें फॉलो करें /Railminindia

न्यूज ब्रीफ

छात्रा से छेड़छाड़ आरोपी गिरफ्तार

बिशारतगंज, अमृत विचार : कक्षा पांच की एक छात्र से गांव के ही 70 वर्षीय वृद्ध किराना दुकानदार ने छेड़छाड़ की। छात्रा के पिता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना क्षेत्र के एक गांव में कक्षा 5 की 11 वर्षीय छात्रा गांव के ही स्कूल में पढ़ती है। शुक्रवार दोपहर इंटरवेल में छात्रा पड़ोस की परचून की दुकान पर खाने की वस्तु लेने गई थी। इसी बीच 70 वर्षीय दुकानदार ने छात्रा से छेड़छाड़ कर दी। छात्रा किसी तरह छूटकर रोते हुए घर पहुंची और पिता को घटना की जानकारी दी। पिता ने डायल 112 पर कॉल करके पुलिस बुला ली। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कनेक्शन काटा तो टीम का किया विरोध

मीरगंज, अमृत विचार : विद्युत टीम ने शुक्रवार को मोहल्ला शेखूपुरा में डिश कनेक्शन व बकाया वसूली अभियान चलाया। जब टीम बकाया पर उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट रही थी, तभी लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख टीम को कार्रवाई रोकनी पड़ी और बैरंग लौट आई। टीम में टीजी-2 वाहिद हुसैन, लाइनमैन महेश कुमार, रियाज अहमद, शकील, दिनेश कुमार और शिव प्रकाश जोशी शामिल थे। एसडीओ सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि उपभोक्ताओं को बकाया बिल जमा करना होगा। अन्यथा की स्थिति में कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जाएगी।

छह मोडिफाइड साइलेंसर बरामद

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : थाना प्रभारी अभिषेक कुमार की अगुवाई में टीम ने चेकिंग अभियान चलाकर 16 दुकानों का सत्यापन किया। इस दौरान छह मोडिफाइड साइलेंसर बरामद किए गए। जब दुकानदारों से इस संबंध में पूछताछ की गई तो वे कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके। कुछ ने शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया। पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है।

घर में घुसकर किया हमला छत से ईंट-पत्थर बरसाए

महिला, बच्ची समेत आधा दर्जन लोग गंभीर घायल, दी तहरीर

संवाददाता, नवाबगंज

थाने में शिकायत करने पहुंचे पीड़ित पक्ष के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : रंजिशन दबंगों ने घर में घुसकर एक परिवार पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। विरोध करने पर लाठी डंडों से पीटा। महिला, बच्ची समेत आधा दर्जन लोग गंभीर घायल हो गए। आरोप है कि दबंगों ने छत से ईंट पत्थर भी बरसाए। पीड़ित परिवार ने थाना पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा है। मामले में आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कस्बे के मोहल्ला कहारान निवासी पूजा पत्नी निखिल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार दोपहर अपराह्न तीन बजे वह घर पर खाना खा रही थीं। तभी पड़ोस में रहने वाले कई लोग बांका और लाठी डंडे लेकर उनके घर में घुस आए। विरोध करने पर आरोपियों ने उसकी देवरानी तुलसी व उसपर हमला कर दिया।

● दबंगों ने एक दिन पहले पीड़िता की ननद से की थी अभद्रता

वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ीं। शोर सुनकर सास राजो देवी, ननद पूजा और पति निखिल बचाने पहुंचे। आरोपियों ने उन लोगों पर भी हमला कर दिया। निखिल के सिर पर बांका से वार कर लहूलुहान कर दिया गया। इतना ही नहीं, हमलावरों ने छत से उनके घर में ईंट पत्थर पर फेंके। जिससे घर में मौजूद दो वर्षीय बच्ची घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने किसी तरह उन्हें बचाया। बताया कि गुरुवार रात आरोपियों ने घर में घुसकर उनकी ननद के साथ बदसलूकी की थी। विरोध करने पर मारपीट हुई थी। आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी गई थी। इस बात से आरोपी उनसे रंजिश मानने लगे और अगले दिन फिर हमला कर दिया। मामले में पुलिस ने कई लोगों से पूछताछ की। कोतवाल अरुन कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अवैध आयुध भंडारण में दो नामजद, एक को जेल

मीरगंज, अमृत विचार : पुलिस ने अवैध विस्फोटक सामग्री रखने के मामले में दो आरोपियों को नामजद किया है, जबकि एक आरोपी को जेल भेजा है।

दरअसल, सीओ अजय कुमार को गुरुवार को सूचना मिली कि कस्बा की ओर जाने वाले ढाल मार्ग पर आबादी के बीच एक दुकान में भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखी गई है। सीओ ने एसडीएम आलोक कुमार और थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह के साथ छापामार कार्रवाई की। टीम भारी मात्रा में गंधक व पोटास समेत अन्य विस्फोटक रसायनिक पदार्थ मिले। यह सामग्री पटाखा निर्माण में इस्तेमाल की जाती थी। करीब तीन कुंतल से अधिक विध्वंसकारी विस्फोटकों का आयुध भंडार बरामद हुआ। जांच में अवैध भंडारण करने वाले अजीम निवासी मोहल्ला सूफी टोला फरार है। जबकि पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी अजीम निवासी सूफी टोला कस्बा व दुकान मालिक वीरेंद्र वन मोहल्ला शिवपुरी को आयुध अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए नामजद किया है। वीरेंद्र वन को जेल भेज दिया गया है।

बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे दो अस्पताल सील

संवाददाता मानपुर/शीशगढ़

● डिप्टी सीएमओ ने बंजरिया और बहेड़ी में की कार्रवाई

अमृत विचार : डिप्टी सीएमओ की अगुवाई में टीम ने दो स्थानों पर छापेमारी कर बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे दो अस्पतालों को सील कर दिया। इस कार्रवाई से झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मच गया। कई दुकानों को शटर गिराकर खिसक लिए।

स्वास्थ्य विभाग को क्षेत्र में बिना रजिस्ट्रेशन के हॉस्पिटल चलने की सूचना मिली थी। इसपर डिप्टी सीएमओ डॉ. अमित के नेतृत्व में टीम ने शुक्रवार को गांव बंजरिया में गुड लाइफ नाम से चल रहे अस्पताल पर छापामारी। अस्पताल संचालक से रजिस्ट्रेशन संबंधी दस्तावेज मांगे, मगर वह नहीं दिखा सका। रजिस्ट्रेशन न होने पर डिप्टी सीएमओ ने अस्पताल सील कर दिया। इसके अलावा डिप्टी सीएमओ ने बहेड़ी में अस्पतालों को चेक किया। इस दौरान उजाला अस्पताल पहुंचने पर स्टाफ से पंजीयन समेत अन्य

बंजरिया में अस्पताल को सील किया गया।

दस्तावेज मांगे, लेकिन नहीं दिखा सके। इस पर उन्होंने अस्पताल को सील कर दिया। डिप्टी सीएमओ के अनुसार अस्पतालों को चेक किया रहा है। जहां कमियां मिल रही हैं या नियमों का पालन नहीं हो रहा है, वहां कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इसके अलावा शिकायतों पर भी जांच की जा रही है। आरोपों की पुष्टि होने पर संबंधित अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई हो रही है।

चैटिंग के विवाद पर चाकू से हमला दो लोग घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : इंस्ट्राग्राम पर चैटिंग को लेकर ठिरिया खेतल गांव के दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। चाकूबाजी में एक पक्ष के दो लोग घायल हो गए।

गांव ठिरिया खेतल के दो पक्षों के बीच इंस्टाग्राम पर चैटिंग को लेकर विवाद हो गया। दोनों कस्बा में एक दूसरे के आमने सामने आ गए। दोनों पक्षों में चाकू बाजी हो गई। आरोप है कि एक पक्ष के युवक ने दूसरे पक्ष के दो युवकों पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे दोनों घायल हो गए। सूचना पर डायल 112 और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस तीनों को हिरासत में लेकर थाना ले आई। पूछताछ में दोनों ने इंस्टाग्राम पर चैटिंग का मामला बताया। पुलिस घायलों को मेडिकल के लिए भेज दिया। हालांकि, दोनों पक्षों में किसी की ओर तहरीर नहीं दी गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार ने बताया कि मामले में अभी तहरीर नहीं मिली है। मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

कई गोवंश खुले में मिले, मंत्री ने जताई नाराजगी

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार :पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को ग्राम हरेली की गोशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान कई खामियां मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए।

एक गोवंश घायल अवस्था में था, जिसे रामगंगा अस्पताल भिजवाया गया। कुछ गोवंश खुले में बंधे मिले। इसपर तिरपाल डालने के निर्देश दिए। कुछ घंटे पहले ही मंत्री के आने के

गोशाला का निरीक्षण करते पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह। ● अमृत विचार

कार्यक्रम की जानकारी मिली तो अधिकारियों में खलबली मच गई। मंत्री के आने से पहले ही तमाम अधिकारी गांव पहुंच गए। गोशाला में हरा चारा न होने पर मंत्री बिफर गए। उन्होंने हरा चारे का प्रबंध करने के

● धर्मपाल सिंह ने हरेली में गोशाला का निरीक्षण किया

निर्देश दिए। ग्राम प्रधान मौके पर नहीं मिले और उनका फोन भी बंद था। इसपर खंड विकास अधिकारी व ग्राम पंचायत सचिव से नाराजगी जताई। एडीओ व सचिव के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही। एसडीएम, खंड विकास अधिकारी, थाना प्रभारी संतोष सिंह, गोरक्षक जितेंद्र यादव, पवन राज मिश्रा, कामराज मिश्रा मौजूद रहे।

गोशाला में दो मृत पशु का वीडियो वायरल

आंवला, अमृत विचार : रामनगर के गांव रम्पुरा भोपतनगर की गोशाला का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दिखाया गया है कि गोशाला के चारों ओर बैरिकेडिंग नहीं है। वीडियो में दो मृत गोवंश भी दिखाई दे रहे हैं। इस मामले पर अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अनुपम शंखधार ने विरोध जताया है। उन्होंने अफसरों से शिकायत करने की बात कही है। अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

नवीनीकरण के एक माह बाद ही टूटने लगी सड़क

क्योलड़िया, अमृत विचार : नवीनीकरण के एक माह बाद ही क्योलड़िया से रुकुमपुर जाने वाली सड़क टूटने लगी है।

एक माह पहले क्योलड़िया से रुकुमपुर मार्ग की सड़क का नवीनीकरण किया गया था। इसपर 88 लाख रुपये खर्च हुए थे। सड़क का नवीनीकरण मंडी समिति की ओर से करवाया गया था। समाजसेवी

मरम्मत के बाद उखड़ने लगी है सड़क।

विश्व देव राठौर ने एसडीएम से शिकायत करते हुए सड़क को ठीक करवाने की मांग की है।

अमृत विचार
Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR.NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

डॉ. हासिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

100 मीटर दौड़ में सुरभि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

सम्मानित हुए बच्चे, साथ में अतिथि व शिक्षक। ● अमृत विचार

कैंट, अमृत विचार : ब्लॉक क्यारा में शुक्रवार को न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन जल्लापुर रामदयाल स्थित प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में हुआ। जिसका शुभारंभ बीईओ पूरन सिंह ने किया गया।

बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में बारीनगला की छात्रा सुरभि ने प्रथम, नवीनगर की जीना ने द्वितीय, मानपुर की रूबी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ में बारीनगला की उषा ने प्रथम, बभिया की कुसुम ने द्वितीय, क्यारा के उन्नत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर दौड़ में मानपुर की रोशनी ने प्रथम, नवीनगर की पूनम ने द्वितीय, क्यारा के उन्नत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 600 मीटर दौड़ में नवीनगर की पूनम प्रथम, मानपुर की सखी द्वितीय, बभिया की मीनाक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। लंबी कूद में मानपुर की रोशनी ने प्रथम, बभिया की सीमा ने द्वितीय, क्यारा की गुनगुन ने तृतीय स्थान हासिल किया। ऊंची कूद में क्यारा की मानसी ने प्रथम, नवीनगर की अनम ने द्वितीय, लखौरा की ममता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में सुरेश कुमार, महावीर प्रसाद, विश्वकर्मा, विनोद कुमार, सुंदरलाल सागर, भारत,.मनोहर लाल, संजीव सिंह, पुष्पेंद्र, रिंकी, विजय सिंह कश्यप,विशाल अग्रवाल, रेनू गुप्ता, प्रीति, सुची गुप्ता, बलवीर, रितु, आभा सक्सेना, सपना, औसाफ मलिक, नीरू जायसवाल, नवीन जैन, शैलेश सिंह, कल्पना का सहयोग रहा।

विजेताओं को सम्मानित किया

अलीगंज/ बिशारतगंज, अमृत विचार : ग्राम बेहटा बुजुर्ग स्थित स्टेडियम में शुक्रवार को ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसका शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह ने किया। प्राथमिक वर्ग में 50 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय मंडोर के चमन ने, 100 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय जोगीठेर के अमित ने, 200 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय गैनी के आमिर खान ने और 400 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय कंधरपुर के हरीश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में 100 मीटर एवं 200 मीटर दौड़ में यूपीएस कंधरपुर के प्रमोद, 400 मीटर दौड़ में यूपीएस बहादुरपुर, 600 मीटर दौड़ में हाफिजगंज के अवधेश प्रथम स्थान पर रहे। कबड्डी बालक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय रहगावां प्रथम, प्राथमिक विद्यालय मंडोरा द्वितीय,खो-खो बालक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय मंडोरा प्रथम स्थान पर रहा। खंड शिक्षा अधिकारी सुनील शर्मा ने विजेता छात्रों को सम्मानित किया। अमित शर्मा, सुखवीर सिंह, पूनम कुमारी, रूपेंद्र सिंह, बनवारी लाल राठौर, अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, राकेश उपाध्याय, रचना सिंह, तेजपाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

गांजा के साथ महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

भोजीपुरा, अमृत विचार : पुलिस ने 1 किलो 50 ग्राम गांजा के साथ एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक प्रवीन सोलंकी के नेतृत्व में गठित टीम ने सूचना पर भूड़ा अंडरपास के पास खाली पड़े ढाबे से दो आरोपियों को पकड़ा। अभियुक्तों की पहचान इस्लाम निवासी सैदपुर चन्नीलाल थाना भोजीपुरा और रेशम पत्नी फरहान निवासी जलालगंज थाना देवचरा बरेली के रूप में हुई। दोनों के पास से गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार रेशमा पति फरहान के कहने पर गांजा लाकर ट्रक चालकों को बेचती थी। वहीं, टीम ने 870 ग्राम गांजा और इलेक्ट्रानिक कांटे के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान फरीम निवासी ग्राम जलालगंज, जिला बरेली के रूप में हुई है।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर स्कूलों में मना उत्सव

कार्यालय संवाददाता, बरेली

स्कूल में कार्यक्रम में बोलते वक्ता।

अमृत विचार : वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जिले भर में स्कूल-कॉलेजों में उत्सव मनाया गया।

मीरगंज : राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में प्राचार्य प्रो. एस. के. सिंह व वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. विजय बहादुर सिंह बिष्ट के निर्देशन में 'वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष' पूर्ण होने पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। पहले-सत्र में वंदे मातरम्' का गायन किया गया। दूसरे सत्र में संगोष्ठी व परिचर्चा का आयोजन किया गया। संचालन डॉ. रत्नाकर दुबे व डॉ. संदीप कुमार तिवारी ने किया। डॉ.सचिन कुमार गिरि, डॉ. ममता रंजन, सहायक आचार्य डॉ. आतिफ खान, डॉ.विनय सिंह चौहान, डॉ. शिवप्रताप सिंह, बीके प्रधान, वीरेंद्र शर्मा, विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

भुता : प्राथमिक विद्यालय सिमरा बहोर नगला में आयोजित कार्यक्रम में इंचार्ज प्रधानाध्यापिका डॉ. सरिता गंगवार ने वंदे मातरम् गीत के बारे में बच्चों को जानकारी दी।

पुलिस कर्मियों ने वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया

देवरनियां, अमृत विचार : वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को कोतवाली थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी के निर्देशन में कार्यक्रम हुआ। पुलिसकर्मियों ने वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया। एसएसआई नवदीप सिंह, रिछा चौकी इंचार्ज सुरेन्द्र सिंह, एसआई मुकेश कुमार, जितेन्द्र सिंह, राहुल आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

बाइक मैकेनिकों ने किया प्रदर्शन, इंस्पेक्टर को सौंपा ज्ञापन

आंवला, अमृत विचार : मोडिफाइड बाइक साइलेंसर के खिलाफ पुलिस अभियान चला रही है। बाइक मैकेनिकों का आरोप है कि पुलिस उन्हें परेशान कर रही है। इस संबंध में उन्होंने शुक्रवार को तहसील में प्रदर्शन कर एसडीएम को संबोधित ज्ञापन इंस्पेक्टर कुंवरबहादुर सिंह को सौंपा। मैकेनिकों ने कहा कि वास्तविक दोषी बाइक मालिकों पर कार्रवाई हो, न कि मैकेनिकों को परेशान किया जाए। चेयरमैन सैय्यद आबिद अली ने मैकेनिकों को समझाकर शांत कराया। इंस्पेक्टर कुंवर बहादुर सिंह ने मैकेनिकों से मोडिफाइड साइलेंसर न लगाने की अपील की। रामनिवास, शानू खां, उमेश, सूरजपाल, मु. मुजाहिद, शोएब खां, सिकंदर, जहीर, नरेश मौर्य, नन्हे, अमर मौर्य, सत्यपाल, शिवम मौर्य, दानिश अली, तेजपाल, अतुल सिंह, विकास, राजीव कुमार, विपिन, अंकुश सिंह मौजूद रहे।

पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम जुड़वाएं

आंवला, अमृत विचार : मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 (एसआईआर) के तहत शुक्रवार को कस्बे के एक बरात घर में कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़वाएं। बैठक में मतदाता जागरूकता बढ़ाने और जनसंपर्क पर बल दिया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप, जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, जिला महामंत्री राम निवास मौर्या, ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह समेत तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

400 व 200 मीटर दौड़ में सृष्टि प्रथम

शेरगढ़, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव ब्योंधा स्थित मिनी खेल स्टेडियम में परिषदीय विद्यालयों की प्राइमरी वर्ग की ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बालिका वर्ग में प्राथमिक विद्यालय मोहीउद्दीन पुर की सृष्टि ने 400, 200 मीटर दौड़ तथा लंबी कूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में मदनापुर के मोहम्मद सैफ ने 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। व्यायाम शिक्षक राजीव सिंह और चंद्रशेखर मिश्रा ने विजेताओं को सम्मानित किया। खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार भारती के निर्देशन में आयोजन हुआ। शिव स्वरुप शर्मा,कांता प्रसाद गंगवार,विशेष गंगवार,मनीष सक्सेना,ओम सक्सेना, चित्रसेन गंगवार, देवेश गंगवार, राम सिंह,राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, उवैस रजा खां आदि मौजूद रहे।

नोवा क्लब के तहत स्पोर्ट्स एरीना का हुआ आयोजन

रिटौरा, अमृत विचार : राजश्री इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग में नोवा क्लब के अंतर्गत ई- स्पोर्ट्स एरीना- 2025 का आयोजन हुआ। फ्री फायर एवं काउंटर स्ट्राइक जैसे ई- खेलों में बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के अनुभव, वंशज और एमटेक के मोहित वर्मा के शानदार प्रदर्शन से बाबा भूत को प्रथम एवं हास्टल रैपर्स को द्वितीय स्थान मिला।संस्थान के चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने बताया कि टीम वर्क के अंतर्गत कार्य करते हुए क्रीड़ा कौशल में छात्राओं का प्रदर्शन बेहद सराहनीय रहा। प्रतिस्पर्धा में काउंटर स्ट्राइक के अंतिम चरण में डिकोड गेम्स को प्रथम व चैंपियन ऑफ बरेली को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। निदेशक डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. साकेत अग्रवाल, दुष्यंत माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैंने अपने पुत्र अजरूद्दीन उर्फ नौशीद को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा।
इस्लामुद्दीन पुत्र स्व. कुतुबुद्दीन नि. मो. तबेला कस्बा खीरी जिला खीरी

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
● लाइब्रेरियन (अनुभवी)
● लैब टेक्नीशियन (अनुभवी)
● ओ टी टेक्निशियन (फीमेल)
● नर्सिंग स्टाफ (मेल)
● कैंटीन (कुक)
● सफाईकर्मी/स्वीपर
वेतनः- योग्यतानुसार
सम्पर्क करें:-
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड बरेली
मो:- 8077808309, 9837357497

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

डीजल चोरी मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

भुता, अमृत विचार : पुलिस ने ट्रक से डीजल चोरी करने के मामले में एक आरोपी को दबोच लिया। उसके पास से 20 लीटर डीजल, पाइप व अन्य सामान बरामद हुआ। दो दिन पहले ग्राम मिर्जापुर में अनिल कुमार के ट्रक से डीजल की चोरी हुई थी। ट्रक चालक अनिल ने जयवीर व बुद्ध सेन ग्राम मिर्जापुर निवासी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार के मुताबिक शुक्रवार सुबह जयवीर को एक स्थान से पकड़ लिया गया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

ट्रक में फंसकर 50 मीटर घिसटी कार चाचा-भतीजा घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव रहपुरा जागीर निवासी बलविंदर सिंह शुक्रवार को चाचा गुरबख्श सिंह के साथ कार से पीलीभीत से घर आ रहे थे। दिल्ली हाईवे पर झुमका तिराहे से निकलते ही जैसे ही धंतिया गांव के सामने पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने कार को चपेट में ले लिया। कार ट्रक के बम्फर में फंसकर करीब 50 मीटर तक घिसटती चली गई। चाचा-भतीजे गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा।

बुजुर्ग महिला को मृत दिखाने पर पंचायत सचिव को किया निलंबित

डीएम के निर्देश पर बीडीओ से कराई जांच में दोनों दोषी मिले, पंचायत सहायक को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: जिंदा बुजुर्ग महिला को मृत दिखाने के मामले में पंचायत सचिव को निलंबित कर दिया गया जबकि इसी मामले में आरोपी पंचायत सहायक को नोटिस जारी किया गया है। डीएम के निर्देश पर डीपीआरओ ने प्रकरण की बीडीओ से जांच कराई थी। जांच में दोनों को दोषी मानते हुए रिपोर्ट डीएम को भेजी गई थी।

कलेक्ट्रेट में जन-सुनवाई के दौरान गुरुवार को भुता के गांव अहरोला निवासी बुजुर्ग महिला विद्या देवी डीएम के पास पहुंची थीं। उसने डीएम को बताया था कि पति सुम्मेर लाल की मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद उन्होंने भाग-दौड़ कर बमुश्किल अपनी विधवा पेंशन बनवा ली थी। पिछले कुछ समय से पेंशन आना बंद हो गई। जब चेक करवाया तो पता चला कि पोर्टल पर उन्हें मृत दर्शाकर पेंशन रोक दी है। विद्या देवी ने गुहार लगाई कि वह जिंदा हैं और उनकी वृद्धावस्था पेंशन दुबारा से शुरू कराई जाए।

बुजुर्ग महिला की शिकायत को डीएम अविनाश सिंह ने इसे बेहद गंभीरता से लिया और तत्काल ही डीपीआरओ को इस प्रकरण में जांच कर वृद्धा की पेंशन दुबारा से चालू करवाने का निर्देश दिया। मामले की जांच आनन-फानन में बीडीओ भुता को दी गई। बीडीओ ने शुक्रवार को दी गई जांच रिपोर्ट में कहा कि पंचायत सचिव ने खुद सर्वे न करके पंचायत सहायक से जांच कराई थी। डीपीआरओ कमल किशोर ने बताया कि बीडीओ की रिपोर्ट के आधार पर दोनों कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

भ्रष्टाचार करने वाले प्रधानों के विरुद्ध जांच कराकर धन की वसूली कराएं

बरेली, अमृत विचार : डीएम अविनाश सिंह ने पंचायती राज विभाग की जीरो पॉवर्टी अभियान और प्रधानों के विरुद्ध जांच एवं वसूली के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक में भ्रष्टाचार करने वाले प्रधानों के विरुद्ध जांच कराकर धन की वसूली के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि जीरो पॉवर्टी पोर्टल में मुख्यमंत्री आवास योजना व प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्थिति सही नहीं है। उन्होंने जल्द अधिक से अधिक लाभार्थियों का चयन कर आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि पिछली बार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भर्ती में जो त्रुटियां पाई गई थीं, वे इस बार की भर्ती में न हो। दिव्यांगजन सशक्तिकरण के अब तक 69 ऐसे लाभार्थी हैं, जिन्हें योजना का लाभ नहीं मिला है, जिस पर डीएम ने नाराजगी व्यक्त की और योजना का लाभ दिए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रम विभाग को निर्देश दिए कि उनकी पेंडेंसी लगातार दो माह से पोर्टल पर अधिक दर्शा रही है, इसमें सुधार कराएं। डीएम ने कहा हर घर जल योजना, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत जिन लाभार्थियों का चयन नहीं हुआ है उनका चयन जल्द कर उन्हें लाभ दिलाएं। बैठक में जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार यादव, परियोजना निदेशक चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, जिला पंचायत राज अधिकारी कमल किशोर, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर, जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत सिंह आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

● डीपीआरओ बोले- बीडीओ की जांच में पाया गया सचिव ने खुद सर्वे न कर पंचायत सहायक से कराई

अब सचिवों को लगानी पड़ेगी ऑनलाइन हाजिरी

बरेली, अमृत विचार: ब्लॉक या घर बैठकर ग्राम पंचायतों का कामकाज निपटाने वाले सचिवों की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। आदेश जारी किया है कि ग्राम पंचायत और ग्राम विकास अधिकारियों की उपस्थिति ऑनलाइन बायोमीट्रिक से दर्ज की जाएगी।

जिले में 88 ग्राम पंचायत और 115 ग्राम विकास अधिकारी तैनात हैं। जिले में 1188 ग्राम पंचायतें हैं। सचिवों की संख्या कम होने के कारण 15 ब्लॉक में 294 क्लस्टर बनाए गए हैं। ग्राम पंचायत अधिकारियों की क्लस्टरवार तैनाती की गई है। किसी सचिव पर एक तो किसी पर तीन से चार क्लस्टर हैं। ग्रामीणों की शिकायत रहती है कि ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम विकास अधिकारी ग्रामों में उपस्थित नहीं रहते हैं और अपना डोंगल दूसरे को देकर पंचायत भवन के कम्प्यूटर के माध्यम से भुगतान कर देते हैं। डीपीआरओ कमल किशोर ने बताया कि अगले सप्ताह से नई व्यवस्था लागू हो जाएगी।

अधिक से अधिक मतदाताओं के आवेदन समय से जमा करवाएं

कार्यशाला में बोलते मंत्री बीएल वर्मा। ● अमृत विचार

● मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित

मीरगंज, अमृत विचार : गांव हुरहुरी स्थित एक बरातघर में मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत शुक्रवार को कार्यशाला का आयोजन हुआ।

केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि शक्ति केंद्र संयोजक, मंडल अध्यक्ष आदि पदाधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक करें और अधिक से अधिक मतदाताओं के आवेदन समय पर जमा करवाएं, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके। जिला प्रभारी देवेंद्र चौधरी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से 4 नवंबर से एसआईआर की शुरुआत की गई है। जिसके लिए बीएलओ लगाए गए हैं, जो घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करेंगे। कार्यशाला में सभी ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् गीत गाया। सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, विधायक डॉ. डीसी वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, एमएलसी बहोरन लाल मौर्य, महाराज सिंह, पवन शर्मा, रविन्द्र सिंह राठौर, राजकुमार शर्मा, अजय सक्सेना, अंकित शुक्ला, अभय चौहान, राहुल साहू, तेजेश्वरी सिंह, अंकित माहेश्वरी, ब्लॉक प्रमुख गोपाल कृष्ण गंगवार, सत्येंद्र यादव, योगेश पटेल, चेयरमैन बुद्धसेन मौर्य आदि मौजूद रहे।

लॉटरी के लालच से बचाव का दिया संदेश

कार्यालय संवाददाता, बरेली

नाटक का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

● ड्रामा ड्रापआउट थिएटर की ओर से लॉटरी नाटक का किया मंचन

अमृत विचार: ड्रामा ड्रापआउट थिएटर ग्रुप की ओर से शुक्रवार को अर्बन हाट में मुंशी प्रेमचंद्र लिखित नाटक लॉटरी की प्रस्तुति दी गई। यह प्रस्तुति एयरफोर्स स्कूल के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित की गई थी।

कहानी के केंद्र में परिवार के आपसी प्रेम को दिखाया जाता है। लॉटरी के लालच में उस परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग टिकट ले लेते हैं। लॉटरी निकलने के समय पैसों के लालच में पारिवारिक और आपसी रिश्ते बिगड़ने लगते हैं। हालात बद से बदतर होते जाते हैं और बड़े छोटों का सम्मान खत्म हो जाता है। लॉटरी विदेश में किसी नाइजीरियन की निकलती है, जिसके बाद उस परिवार के लोग लालच के भ्रम से बाहर आते हैं। सभी सदस्यों को अपनी गलती का एहसास होता है। अंत में बच्चों को ध्यान में रखते हुए ग्रुप के अध्यक्ष राजू चौहान लालच से बचने और पैसों से ज्यादा परिवार और रिश्ते अहम है का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि रंगमंच विद्यालयों के पाठ्यक्रम का हिस्सा होना ही चाहिए। अपने इस उद्देश्य के लिए ड्रामा ड्रॉपआउट्स ने एयरफोर्स स्कूल के लिए अपनी पहली प्रस्तुति दी।स्टेज पर नीलम वर्मा, झलक गंगवार, सिद्धि रस्तोगी, इशिता गंगवार, मुनीश रत्न, राजू चौहान, आयुष अग्रवाल, अमन गुप्ता, पंकज कुमार मौर्या, लव तोमर, शोभित गंगवार, स्पर्श पटेल ने अपने अभिनय का कौशल दिखाया। संगीत-अभिषेक राजौरिया, लाइट आशी सिंह, कास्ट्यूम झलक गंगवार, प्रॉप्स सिद्धि आयुष, स्टेज मैनेजर मुनीश रत्न, कैमरा दिव्यमणि, खुशी, कपिल, विजय, निर्देशन और सह निर्देशन बृजेश तिवारी और शुभा भट्ट भसीन ने किया। एयरफोर्स स्कूल की प्रिंसिपल, शिक्षक, ऑडिटोरियम के संचालक संजीव झावर, दिव्या झावर, विभोर गोयल, शालू गोयल मौजूद रहे।

कार खाई में गिरी मां-बेटे घायल

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : बरेली से शाहजहांपुर की ओर जा रही कार अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार मां-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा है।

क्षतिग्रस्त कार को देखते पुलिसकर्मी।

जिला अस्पताल परिसर में रहने वाले आइजिक विलियम पुत्र हनूक विलियम (22) मां एलिक जीना विलियम (55) के साथ कार से शुक्रवार शाम शाहजहांपुर में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। हाईवे पर गांव टिसुआ के समीप कार अचानक असंतुलित होकर खाई में जा गिरी। जिससे मां-बेटे घायल हो गए।

चौबारी मेला : कोरोना के पहले की रंगत में लौटा

कार्यालय संवाददाता बरेली,

● महिलाओं ने पसंद किए पटा बेलन, पटली, मथनी, सिलबट्टे और सौंदर्य प्रसाधन के सामान

● मेले में पुरुष खरीद रहे लकड़ी के फर्नीचर, चारपाई, कुठिया बॉक्स, बांस की लाठी-सीढ़ी

रामगंगा चौबारी मेले में मिट्टी के बर्तनों की खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : रामगंगा चौबारी मेला एक बार फिर कोरोना के पहले की रंगत में लौट आया है। कार्तिक पूर्णिमा के बाद भी चौबारी मेला में भीड़ बरकरार है। । मेला में पूर्णिमा के बाद दूसरे दिन भी श्रद्धालुओं ने शुक्रवार को सुबह भी गंगा घाट पर स्नान रही। मेला में सुबह के समय कम लोग ही थे, लेकिन दोपहर बाद से मेला में भीड़ बढ़ती गई। शाम के समय तो मीना बाजार और मुख्य बाजार में पैर रखने की जगह नहीं थी। मेले में ग्रामीण और शहर के लोग अपनी जरूरत का सामान लेने पहुंच रहे हैं।

मेले में लोग फर्नीचर की दुकानों से तख्त, मेज, दरवाजे की खरीदारी करते नजर आए। वहीं चारपाई के शौकीनों ने अपने पसंद की चारपाई के लिए पाटी, पावा की खरीदारी की। तिलहर के लकड़ी के दुकानदार धर्मपाल की दुकान पर चारपाई के शौकीन शीशम की चारपाई खरीद रहे थे जो 2500 रुपये में मिल रही थी। इसके बाद चारपाई में बुनाई अलग से की जाती है। मेला में तख्त और लकड़ी की जाली, कुठिया, बॉक्स आदि की लोगों ने जमकर खरीदारी की। महिलाओं ने ढोलक, सिलबट्टे, चकिया, पटा, बेलन, चिमटा सहित घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी की। मीना बाजार में महिलाओं की मौजूदगी से चहल-पहल रही। मेकअप से जुड़े सामान की खरीदारी की गई। मेले में लोगों ने चाट-पकौड़ी का भी स्वाद लिया। बांस बाजार में सीढ़ी और लाठी की खरीदारी ज्यादा हुई। मेला अध्यक्ष जयवीर सिंह ने बताया कि कोरोना के बाद से पहली बार मेला में सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है। पहले गंगा स्नान के दूसरे दिन तक ही मेला चलता था, लेकिन इस बार शनिवार तक मेला रहेगा।

नखासा में बिके करीब 485 घोड़ी-घोड़ा

चौबारी मेला के प्रसिद्ध नखासे का शुक्रवार को समापन हो गया। आखिरी दिन करीब 30 घोड़ा-घोड़ी की बिक्री हुई। वहीं सबसे ज्यादा कीमत का घोड़ा 40 हजार रुपये में बिका। नखासे में शुरू से लेकर समापन तक करीब 485 घोड़ा- घोड़ी की ब्रिकी हुई। वहीं खेत स्वामी खेत खाली होने के बाद गेंहू की फसल के लिए खेत को तैयार करने में जुट गए हैं। नखासे में घोड़ों के साज श्रृंगार की दुकानें अभी भी सजी हुईं हैं, जो शनिवार को वापस अपने घर जाएंगे।

न्यूज डायरी

दो दिवसीय वालीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

रिठौरा , अमृत विचार : खंडेलवाल कालेज परिसर में दो दिवसीय वालीबॉल प्रतियोगिता का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। जिसमें जिले की 18 स्कूलों की टीमें प्रतिभाग करेंगी। मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ .विनय खंडेलवाल, महानिदेशक डॉ . अमरेश कुमार, प्राचार्य डॉ .आर .के सिंह एवं प्रशासनिक अधिकारी आरके चतुर्वेदी सर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके मैच को शुरू किया। पहला मैच सी .जी . एल इंटरनेशनल स्कूल व जी .के .सिटी के बीच हुआ। जिसमें जीके सिटी ने सीजीएल को हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया। दूसरा मैच सीक्रेट हार्ट टीपी नगर और आर्मी पब्लिक के बीच हुआ, जिसमें सेक्रेड हार्ट टीपी नगर ने आर्मी पब्लिक को हराकर अगले राउंड मे प्रवेश किया। तीसरा मैच सीक्रेट हार्ट नैनीताल रोड व जीके सिटी के बीच हुआ। जिसमें सीक्रेट हार्ट ने मैच जीत लिया। चौथा मैच पुलिस मॉडर्न स्कूल नकटिया व राधा माधव पब्लिक के बीच हुआ, जिसमें नकटिया ने जीत दर्ज की। पांचवां मैच स्काईलार्क व विद्या वर्ल्ड के बीच हुआ, जिसमें विद्या वर्ल्ड ने मैच जीत लिया। सेमीफाइनल और फाइनल मैच शनिवार को खेले जाएंगे। क्रीड़ाधिकारी अभिनव सिंह आदि मौजूद रहे।

भाकियू ने ज्ञापन सौंपा

बरेली, अमृत विचार : भाकियू (टिकैत) की तहसील स्तरीय मासिक पंचायत गन्ना समिति में किसानों की समस्याओं पर चर्चा हुई। इसकी अध्यक्षता राकेश सिंह ने की। इसके बाद पीएम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार सिंह को सौंपा गया। ज्ञापन में जिला प्रवक्ता एड . हाजी इकबाल ने कहा कि आम के बाग अधिकांश कट गये जो बचे हैं वह बीमारियों से सूख कर नष्ट हो रहे हैं। काशिफ रजा ने कहा कि पीलीभीत बाईपास नाले पर बीसलपुर रोड से सेटेलाइट तक आरसीसी स्लैब पड़े हैं। नालों की सफाई नहीं हुई है। आमिर रजा, राकेश कुमार, मो . शाहिद, माशूक खां, भगवान दास, पप्पू गुप्ता, राजा, इसलाम, हसीन अहमद आदि मौजूद रहे।

मंत्री बीएल वर्मा की कामर्शियल टोयोटा में शिष्टाचार भेंट

बरेली, अमृत विचार : केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा एवं मीरगंज विधायक डीसी वर्मा ने कॉमर्शियल टोयोटा का दौरा किया और शिष्टाचार भेंट की।कॉमर्शियल टोयोटा की ओर से एमडी अरुण गुप्ता, सीईओ शिवम गुप्ता , शुभम गुप्ता एवं वीपी अमित मनोहर ने मंत्री एवं विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों ने कॉमर्शियल टोयोटा की कार्यप्रणाली एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री एवं विधायक ने टीम के कार्यों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

स्थापना दिवस की समीक्षा और भविष्य की रणनीति पर हुई चर्चा

बरेली, अमृत विचार : अपना दल सोनेलाल की मासिक बैठक शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में गई, जिसमें 4 नवंबर को हुए स्थापना दिवस कार्यक्रम की समीक्षा की गई। इसमें जिला स्तरीय कमेटी और जिला बरेली की सभी विधानसभा क्षेत्रों के अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं ने स्थापना दिवस कार्यक्रम की सफलता पर एक दूसरे को बधाइयां दी और निकट भविष्य में संगठन को और मजबूत करने का विश्वास जताया। सभी विधानसभा क्षेत्रों के अध्यक्षों ने जिला अध्यक्ष को आश्वासन दिया कि वह आने वाले कुछ ही महीनों में अपनी-अपनी विधानसभाओं के हर एक बूथ तक पहुंच जाएंगे। जिला महासचिव अजय गंगवार ने कहा कि स्थापना दिवस कार्यक्रम से यह सिद्ध हो गया कि अपना दल एस पूर्वी उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी धीरे-धीरे अपने पैर जमा चुका है। प्रदेश सचिव एससी एसटी मंच सतीश ऋषिवाल ने भी विचार रखे। इं. मनीष कुमार, अतुल पटेल, ब्रजेश गंगवार, मनोज गंगवार, अवधेश गंगवार, कंचन लता, आयुषी चित्रांशी, सुप्रिया सक्सेना, यशपाल गंगवार, राकेश सैनी, देवेंद्र गंगवार, रूप नारायण पटेल, अनिल पटेल, नोनी राम प्रजापति, हरिप्रसाद, वीरपाल गंगवार, नरपत कश्यप आदि उपस्थित रहे।

रुविवि परिसर और एसएस कॉलेज की टीमों ने जीते मैच

कार्यक्रम में अतिथियों को सम्मानित किया गया। ● अमृत विचार

बरेली,अमृत विचार: महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में अंतर्महाविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। पहले मैच में रुहेलखंड विश्वविद्यालय टीम ने निर्धारित ओवरों में 145 रन बनाए। जीएफ कॉलेज को मात्र 90 रन पर आउट कर विश्वविद्यालय की टीम ने 55 रन से हरा दिया। वहीं दूसरा मैच बरेली कॉलेज और एसएस कॉलेज शाहजहॉपुर के मध्य खेला गया जिसमें एसएस कॉलेज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 130 रन बनाये। वहीं बरेली कॉलेज की टीम 40 रन पर सिमट गई। मुख्य अतिथि पर्यवेक्षक डॉ. अजीत सिंह, महाविद्यालय के महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल, क्रीड़ा संयोजक गिरीश चंद्र अग्रवाल, निदेशक डॉ. प्रवीन अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, क्रीड़ाधिकारी धीरज अग्रवाल ने कार्यक्रम की शुरुआत की। महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के महामंत्री ने कहा कि सभी को खेल भावना से प्रेरित होकर खेलना चाहिए। क्रीड़ा समिति के सदस्यों संचित कक्कड़, मयंक शर्मा, अजीत सिंह, प्रफुल्ल पाठक, रामलखन का विशेष योगदान रहा।

अफसरों ने काव्य पाठ कर बांधा समा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

एडीएम फाइनेंस संतोष कुमार सिंह को सम्मानित करते डीएम व विधायक।

● चौबारी रामगंगा मेले के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन ने कराया कवि सम्मेलन

अमृत विचार: चौबारी के रामगंगा मेले के सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार रात जिला प्रशासन की ओर से साहित्यिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था राकेश लोक चेतना समिति के संयोजन में मेला परिसर में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। एडीएम वित्त और एडीएम सिटी ने काव्य पाठ किए तो पंडाल तालियों से गूंज उठा।

मुख्य अतिथि डीएम अविनाश सिंह ने बिथरी चैनपुर विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व संतोष कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री, एसडीएम सदर प्रमोद कुमार के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कवि सम्मेलन का शुभारंभ किया। एडीएम वित्त संतोष कुमार सिंह ने कहा तेरे दरख्त में, मेरी सुबह ओ शाम रहे, तुम्हारे साथ हमेशा, हमारा नाम रहे। मेरे एक हाथ में जम जम, दूजे में गंगा हो, दम निकले वतन ये तेरे लिए, हसरत ये कि मेरा कफन तिरंगा हो। विश्वजीत निर्भय ने गंगा की महिमा का वर्णन किया। रोहित राकेश ने कहा कि गंगा भी हमारी है और जमुना भी हमारी है, नदी के घाटों पर बसी ये संस्कृति प्यारी है। नैनीताल से आए कवि मोहन मुन्तजिर ने कहा कि परिभाषा देवताओं ने जो पूछी प्रेम की, कान्हा ने राधिका का तभी नाम लिख दिया। लखनऊ से आई शायरा शगुफ्ता अंजुम ने कहा कि इस देश में नदियों की तरतीब निराली है, करते हैं वजू मुस्लिम पाकीज ए गंगा है। मुरादाबाद के शायर निकहत मुरादाबादी ने कहा कि जब तुम्हारे साथ मेरा नाम लिखा जाएगा, मुझको सीता और तुमको राम लिखा जाएगा। मध्य प्रदेश के शायर असरार चंदेरवी ने कहा कि पलकों के सितारों पे बहुत काम किया है, हमने तेरी आंखों पे बहुत काम किया है, हाथों में चमक इसलिए आई है हमारे गंगा के किनारों पे बहुत काम किया है। कमलकांत श्रीवास्तव, कमलकांत तिवारी, मुकेश कमल, भारतेंदु सिंह व मिलन कुमार ने भी काव्य पाठ किया।

शेरगढ़-बहेड़ी मार्ग सुधरेगा पार्क का होगा कायाकल्प

संवाददाता, शेरगढ़

● निर्माण, स्ट्रीट लाइट व अन्य कार्यों पर 3 करोड़ खर्च होंगे

अमृत विचार : पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के तहत कस्बे में शेरगढ़-बहेड़ी मार्ग से मोहीउद्दीन पुर मार्ग की पुलिया तक सीसी रोड निर्माण कार्य व नानी-नाना पार्क के सौंदर्यीकरण का कार्य होगा। इन निर्माण कार्यों पर करीब 3 करोड़ रुपये खर्च होंगे। नगर विकास विभाग से धनराशि स्वीकृत हो गई है।

नगर पंचायत में मार्ग किनारे स्ट्रीट लाइटें लगवाई जाएंगी। अब तिरंगा रोशनी में जगमगाता दिखाई देगा। नगर पंचायत प्रशासन के मुताबिक नगर में सीवरेज जल निकासी की व्यवस्था की जाएगी। कस्बे के अंदर शेरगढ़-बहेड़ी-शाही मार्ग स्थित नाला और मार्ग के बीच पटरी बनाई जाएगी, ताकि लोगों को आवागमन सुगम हो सके। नाना-नानी पार्क का भी कायाकल्प होगा। पूरे पार्क का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके लिए 1 लाख 50 हजार रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। बता दें कि इस पार्क की बदहाली को लेकर अमृत विचार ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। कस्बे के अंदर शेरगढ़-बहेड़ी मार्ग से मोहद्दीनपुर मार्ग को जाने वाला रास्ता लंबे अरसे से जर्जर है। अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह का कहना है कि नगर पंचायत प्रशासन कस्बे के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत है। तीन करोड़ रुपये से विकास कार्य कराए जाएंगे।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 8 नवंबर 2025

डॉक्टर को गिरफ्तार कर ले गई श्रीनगर पुलिस

सहारनपुर, एजेंसी : श्रीनगर में आतंकवादी संगठन जैश-ए- मोहम्मद के समर्थन में पोस्टर लगाने के आरोप में सहारनपुर के एक निजी अस्पताल में कार्यरत एक डाक्टर को गिरफ्तार किया गया है। उसे ट्रांजिट रिमांड पर श्रीनगर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। सहारनपुर के अपर पुलिस अधीक्षक व्योम बिंदल ने शुक्रवार को बताया कि जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के रहने वाले और सहारनपुर में एक निजी अस्पताल में काम कर रहे डाक्टर आदिल अहमद को श्रीनगर पुलिस गिरफ्तार करके ले गई है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में जौनपुर प्रथम

लखनऊ, अमृत विचार: प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में चल रहे प्रयासों के बीच 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' युवाओं के रोजगार और स्वरोजगार की सबसे पसंदीदा योजना बन चुकी है। जौनपुर ने शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर पूरे प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है, जबकि आजमगढ़ को दूसरा और अंबेडकरनगर को तीसरा स्थान मिला है। कौशांबी, हरदोई, झांसी, रायबरेली व बहराइच जिलों का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा है। इसके अलावा कौशांबी ने चौथा और हरदोई ने पांचवां स्थान प्राप्त किया है। झांसी, रायबरेली और बहराइच का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।

यूपी में निवेश को उत्साहित सिंगापुर की कंपनियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

इन्वेस्ट यूपी कार्यालय पहुंचकर अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार से मुलाकात करते सिंगापुर के हाई कमिश्नर साइमन वोंग।

अमृत विचार: अंतर्राष्ट्रीय निवेश सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारत में सिंगापुर के हाई कमिश्नर, साइमन वोंग, ने शुक्रवार को इन्वेस्ट यूपी कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) दीपक कुमार के साथ उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के बीच निवेश सहयोग के नए और संभावित क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान वोंग ने स्पष्ट रूप से कहा कि सिंगापुर उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं को लेकर अत्यंत उत्साहित है।

उन्होंने बताया कि सिंगापुर की कई कंपनियां, उत्तर प्रदेश की ओर गंभीरता से देख रही हैं, क्योंकि राज्य ने अवस्थापना विकास, तीव्र औद्योगिक प्रगति, व्यापार में सुगमता (ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस) और बेहतर कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने विशेष रूप से जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उल्लेख करते हुए कहा कि सिंगापुर के निवेशकों के लिए यह स्थान सबसे पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। सिंगापुर की कंपनियां यहां डेटा सेंटर, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहाल (एमआरओ), ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, फूड प्रोसेसिंग और जेवर क्षेत्र के पास निर्यात-उन्मुख लिथियम-आयन बैटरी निर्माण इकाइयों जैसी परियोजनाएं स्थापित करने में रुचि दिखा रही हैं।

कछुआ चाल से चल रहा कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान

लखनऊ, अमृत विचार : कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान कछुआ की चाल चल रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों के बीच संगठन सृजन की समय सीमा बार-बार बढ़ानी पड़ रही है। पहले पार्टी का लक्ष्य 30 सितंबर तक बूथ स्तर तक की कमेटियां गठित करने का था, अब इसे बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दिया गया है। दरअसल, कांग्रेस अपने संगठन सृजन की रफ्तार नहीं बढ़ा पा रही है। हालांकि, पार्टी नेताओं का कहना है कि मंडल स्तर तक की कमेटियों का गठन कर लिया गया है। 15 से 20 बूथ जोड़कर एक मंडल का गठन किया गया है। प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने बीते दिनों पार्टी मुख्यालय में ब्रज, बुंदेलखंड व पश्चिमी जोन की समीक्षा बैठक की, जिसमें जिला व शहर अध्यक्षों ने अब तक गठित कमेटियों की जानकारी दी।

कुछ न कहो, कुछ भी न कहो तुमको पता है, मुझको पता है...

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ में मो. आजम की सपा प्रमुख से दो घंटे चली मुलाकात

लखनऊ में अखिलेश से मुलाकात करते आजम खां, साथ में पुत्र अब्दुल्ला।

अमृत विचार: कुछ न कहो, कुछ भी न कहो तुमको पता है, मुझको पता है। बॉलीवुड की हिन्दी फिल्म '1942 ए लव स्टोरी' के इस गीत की तर्ज पर शुक्रवार को अखिलेश-आजम फिर मिले। लखनऊ में बेटे अब्दुल्ला के साथ सपा के वरिष्ठ नेता मो. आजम की सपा प्रमुख अखिलेश यादव से दो घंटे मुलाकात चली। इस दो घंटे में क्या-क्या बातें हुईं दोनों नेताओं ने साझा नहीं किया।

मीडिया ने पूछा तो आजम ने कहा दास्तां सुनाने आया था। वहीं अखिलेश बोले- न जाने कितनी यादें संग ले आए, जब वो आज हमारे घर पर आए। हालांकि दोनों की इस मुलाकात से यूपी की सियासत में हलचल अवश्य तेज हो गई है। इस हलचल की वजह भी है कि पिछले महीने अखिलेश को अकेले ही अपने घर आने की हिदायत देने और अपने परिवार से भी न मिलने देने वाले आजम खां इस बार खुद बेटे को लेकर मिलने पहुंचे थे। आजम खां जब अखिलेश यादव से उनके घर मुलाकात कर बाहर निकले तो यह बताने से तो साफ इनकार कर दिया कि क्या बात हुई है बस इतना कहा कि पूरी दास्तान लेकर आए थे।

मालूम हो कि लंबे समय तक जेल में रहे आजम खां करीब डेढ़ महीने पहले बाहर आए थे। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने एक्स पर तस्वीरें शेयर कर लिखा कि न जाने कितनी यादें संग ले आए, जब वो आज हमारे घर पर आए! ये जो मेलमिलाप है यही हमारी साझा विरासत है।

बाघों का आशियाना ही नहीं बीयर फ्रेंडली भी बन रहा पीटीआर

सुनील यादव, पीलीभीत

पीटीआर में विचरण करता स्लॉथ भालू।

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व की विशिष्ट जैवविविधता देश-दुनिया में मशहूर है। बाघों के लिए मशहूर यहां के जंगल अब बीयर (भालू) फ्रेंडली भी बनते जा रहे है। बाघ-तेंदुओं के बीच भालुओं का कुनबा भी तेजी से बढ़ रहा है। टाइगर रिजर्व के आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में यहां 199 भालू हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक टाइगर रिजर्व में मात्र स्लॉथ भालू ही पाए जाते हैं। यह मनपसंद भोजन के लिए पेड़ पर चढ़ने के साथ नदियों में तैरने की क्षमता रखते हैं।

एक दशक पूर्व टाइगर रिजर्व का दर्जा मिलने के बाद यहां के जंगलों में वन्यजीवों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई। महज चार साल में बाघों की संख्या दोगुनी होने के चलते पीलीभीत टाइगर रिजर्व पूर्व में अंतरराष्ट्रीय टीएक्सटू अवार्ड भी हासिल कर चुका है। टाइगर रिजर्व का दर्जा मिलने के बाद यहां विलुप्त होते जा रहे या फिर संकटग्रस्त पशु-पक्षी समेत अन्य जीव अब दोबारा अपने अस्तित्व की ओर लौटने लगे हैं। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भालू प्रजाति की बात करें तो यहां भालुओं का कुनबा भी समय के साथ तेजी से बढ़ा है। यह दीगर बात है कि टाइगर रिजर्व का दर्जा मिलने से पहले भालुओं की संख्या कम थी। वर्ष 2013 की ही बात करें तो गश्त करने वाले वनकर्मियों तक को भी भालुओं का दीदार नहीं होता था। उस दौरान हुई शाकाहारी वन्यजीवों के गणना में पीलीभीत टाइगर रिजर्व की पांचों रेंज में महज 103 भालू ही पाए गए थे। जून 2014 को यहां के जंगल को पीलीभीत टाइगर रिजर्व घोषित कर दिया। बाघ संरक्षण की संजीवनी मिलने के बाद बाघ ही नहीं, अन्य जीव-जंतुओं के लिए जंगल मुफीद साबित हुआ। परिणाम यह हुआ कि टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से कराई गई शाकाहारी वन्यजीवों की गणना में भालुओं की संख्या बढ़कर 199 पर पहुंच गई। आज टाइगर रिजर्व में भालू सैलानियों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक: 296/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक: 04.11.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर विकास योजना अनुदान संख्या-37 से ब्याज रहित ऋण से प्राप्त धनराशि के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	कटियार इलैक्ट्रानिक से राजाबाबू से 5 नवम्बर भट्टी तक सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य वार्ड नं. 05	3055366.00	51800.00	3650.00	3 माह
2	बाला जी की पुलिया से हरित क्रान्ति पुलिया तक सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य वार्ड नं. 1, 14	2790205.00	47300.00	3300.00	3 माह
3	कनिष्का मोबाइल सेन्टर से हरित क्रान्ति स्कूल तक सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य वार्ड नं. 01 व 14	3637829.00	61700.00	4300.00	3 माह
4.	एस.आर.एस. पब्लिक स्कूल से प्रदीप से मानप्रकाश एडवोकेट एवं गजेन्द्र गंगवार के मकान से अर्जुन के मकान तक सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य वार्ड नं. 14	3814359.00	64700.00	4500.00	3 माह
5.	शंकर लाल से पिन्कू से ओमपाल एल.आई.सी. वाले से सोमपाल एडवोकेट से राजेन्द्र मास्टर गैरेज और अर्जुन के मकान से सोमपाल के मकान तक सी.सी. सड़क का निर्माण कार्य वार्ड नं. 14	3961892.00	67200.00	4700.00	3 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 10.11.25 को प्रातः 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 01.12.2025 को अपराह्न 05 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 02.12.2025 को अपराहन 10 बजे ।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC- ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइड http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, ददरौल, शाहजहांपुर

पत्रांक: C-1009/क्षे.पं./2025-26 दिनांक: 27.10.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

पंचम/केन्द्र वित्त (टाइड अनटाइड फण्ड) आयोग के अन्तर्गत स्वीकृत कार्यो को कराये जाने हेतु समस्त पंजीकृत ठेंकेदारों से मोहरबन्द निविदायें दिनांक 14.11.2025 को अपरान्ह 12:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती हैं। जो कि दिनांक 14.11.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के द्वारा गठित कमेटी द्वारा खोली जायेंगी। इच्छुक पंजीकृत निविदादाता जो कि आयकर, वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हों निविदा फार्म निविदा प्रकाशित होने के उपरान्त किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 14.11.2025 पूर्वान्ह 12:00 बजे तक विकास खण्ड ददरौल-शाहजहाँपुर कार्यालय से निविदा फार्म शुल्क रू0 600.00 (छः सौ रू0) मात्र नकद जमा कर प्राप्त कर सकते हैं। निर्धारित दिनांक व समय के उपरांत प्राप्त होने वाली निविदा स्वतः निरस्त मानी जायेगी। निविदा से सम्बन्धित नियम व शर्तें विकास खण्ड पर निविदा प्रकाशन के उपरांत किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती हैं।

क्र.	योजना का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू. में)	निविदा का मूल्य	धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत	कार्य पूर्ण होने की अवधि
1	पंचम राज्य वित्त	ग्राम अख्तयारपुर उर्फ इकनौरा में रमेशचन्द्र के मकान से शिवमन्दिर तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	4.98	600	10000	02 माह
2		ग्राम खानपुर में वीरेश के घर से नरवीर सिंह के घर के पास खडंजा तक इण्टरलॉकिंग/ खडंजा व मिट्टी कार्य	2.22	600	5000	02 माह
3		ग्राम खानपुर हकीमपुर में ऋषिपाल के घर से शंकर के घर के पास इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	4.77	600	10000	02 माह
4		ग्राम पंचायत भुरसण्डी में रमेश के मकान से सियाराम के मकान तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण	9.99	600	20000	02 माह
1	केन्द्रीय वित्त (अनटाइड फण्ड)	ग्राम शहबाजनगर बडा मोहल्ला लज्जाराम के मकान से देवस्थान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	5.07	600	10000	02 माह
2		ग्राम शहबाजनगर में ईदगाह रोड से उसवान के घर तक इण्टरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	9.97	600	20000	02 माह
3		ग्राम शहबाजनगर में अकरम के मकान से मेन रोड तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	4.40	600	9000	02 माह
4		ग्राम शाहबाजनगर के अम्बेडकर पार्क में इण्टरलाकिंग कार्य	5.74	600	12000	02 माह
1	केन्द्रीय वित्त (टाइड फण्ड)	ग्राम घुसगवां में इशहाक के घर से रामदीन के खेत तक नाला निर्माण कार्य	9.84	600	20000	02 माह
2		न्याय पंचायत ददरौल में चार आर0ओ0 की स्थापना कार्य	9.43	600	19000	02 माह
3		न्याय पंचायत खिरिया हीर में चार आर0ओ0 स्थापना कार्य	9.43	600	19000	02 माह
4		न्याय पंचायत चांदापुर में चार आर0ओ0 की स्थापना कार्य	9.43	600	19000	02 माह

मुख्य नियम व शर्तें:-

1.प्रत्येक निविदा के साथ 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि को एफ.डी.आर./एन.एस.सी. के रूप में खण्ड विकास अधिकारी ददरौल-शाहजहाँपुर के पक्ष में बन्धक हो को संलग्न किया जाये।

2.निविदादाता को निविदा के साथ सौ रूपये के स्टाम्प पर स्व घोषणा पत्र/शपथ पत्र संलग्न करना होगा तथा निविदा स्वीकृति उपरान्त स्वयं के व्यय पर सौ रूपये के स्टाम्प पर अनुबन्ध गठित करना होगा व स्टाम्प पर फोटोयुक्त घोषणा पत्र इन शर्तो के साथ की वह किसी भी संस्था ब्लेकलिस्टेड नहीं हुए है ।

3.निविदादाता के किसी भी विवाद का निस्तारण माननीय न्यायलय जनपद शाहजहाँपुर को मान्य होगा।

4.जमानत धनराशि निविदा की 10 प्रतिशत होगी, जो कि निविदा स्वीकृति के उपरान्त धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत को समायोजित करते हुये शेष 8 प्रतिशत को एफ.डी.आर./एन.एस.सी. के रूप में खण्ड विकास अधिकारी ददरौल के पक्ष में बन्धक कराकर जमा करना होगा।

5.धरोहर धनराशि एवं जमानत धनराशि को नगद व चेक के रूप में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

6.पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा प्रेषित की जाने वाली निविदा ही स्वीकार की जायेगी।

7.निविदादाता का विकास खण्ड ददरौल में पंजीकृत होना आवश्यक है अन्यथा की स्थिति में प्राप्त होने वाली निविदा स्वतः निरस्त मानी जायेगी।

8.किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये अस्वीकृत/निरस्त किये जाने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

9.निविदा खोले जाने की तिथि को अवकाश होने की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगीं।

10.समस्त कार्य उपलब्ध धनराशि के अनुसार ही कराये जायेंगे। निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त सम्बन्धित मद में धनराशि उपलब्ध होने पर ही कार्य आदेश जारी किये जायेंगे।

खण्ड विकास अधिकारी
ददरौल-शाहजहांपुर

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, पीलीभीत टाईगर रिजर्व, पीलीभीत

पत्रांक: 1104/7-3 पीलीभीत दिनांक: 07.11.2025

ई-टेण्डरिंग सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पीलीभीत टाईगर रिजर्व, पीलीभीत अन्तर्गत निम्न कार्यो हेतु निविदायें ई-टेण्डरिंग के माध्यम से पी.डब्लू.डी./आर.ई.एस. अथवा अन्य राजकीय विभाग में सिविल कार्यो हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से, जो अपेक्षित अर्हतायें रखते हो से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता कार्य की निविदा इस कार्यालय द्वारा जारी शर्तों एवं अनुभवों के साथ ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाइन निविदा https://etender.up.nic.in पर दिनांक 10.11.2025 से दिनांक 19.11.2025 की सायं 04:00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। निविदादाता द्वारा प्रत्येक डाउनलोड निविदा प्रपत्र समस्त कार्यवाही पूर्ण करते हुए प्रभागीय वनाधिकारी, पीलीभीत टाईगर रिजर्व, पीलीभीत के कार्यालय में दिनांक 20.11.2025 की अपरान्ह 02:00 बजे तक पंजीकृत डाक/कोरियर अथवा व्यक्तिगत रूप से उपलब्ध कराना अनिवार्य है। ऐसा न किये जाने की दशा में निविदा नॉन रिस्पोन्सिव घोषित कर दी जायेगी। डाक में हुई देरी के लिए निविदा आमंत्रणकर्ता/विभाग किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होंगे। परिशिष्ट/शुद्धिपत्र यदि कोई होगा, तो ई-प्क्योरमेन्ट पोर्टल/वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा। समस्त निविदायें अद्योहस्ताक्षरी अथवा अद्योहस्ताक्षरी द्वारा नामित अधिकारी द्वारा दिनांक 20.11.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तकनीकी बिड खोलने के उपरान्त वित्तीय बिड को खोला जायेगा। निविदा सम्बन्धी नियम एवं शर्तें कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते हैं। अद्योहस्ताक्षरी को कोई भी एक अथवा समस्त निविदायें बिना कोई कारण बताये अस्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा।

क्र. सं.	कार्य स्थल का नाम	कार्य का नाम	लागत समस्त कर सहित (लाख में)	निविदा मूल्य GST सहित रू. में	बन्धक धनराशि (रू. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	प्रभागीय कार्यालय कैम्पस	टाइप-2 आवास निर्माण	12.46	1000	24920	02 माह
2.	प्रभागीय कार्यालय कैम्पस	टाइप-3 आवास निर्माण	17.14	1000	34280	02 माह

मनीष सिंह
प्रभागीय वनाधिकारी
पीलीभीत टाईगर रिजर्व, पीलीभीत

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बीसलपुर-पीलीभीत

पत्रांक: 297/न.पा.परि.बी./2025-26 दिनांक: 04.11.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद बीसलपुर द्वारा राज्य वित्त/पालिका निधि के अन्तर्गत निर्माण कार्य की लागत के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य विवरण निम्नवत् है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित (लाख रू. में)	बिड सिक्योरिटी 2 प्रतिशत पूर्णांक में	निविदा मूल्य+18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	वार्ड नं. 11 में कमल से मकान से नगर पालिका परिषद के वाटर कूलर तक आर.सी.सी. नाला के लिए मिट्टी भराव एवं दीवार स्पोटिंग का कार्य।	1599504.00	27150.00	1900.00	2 माह
2	वार्ड नं. 14 में बब्लू के प्लाट से ओमप्रकाश के मकान तक सी.सी. सड़क ा निर्माण कार्य।	1053020.00	17850.00	1250.00	2 माह

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 10.11.25 को प्रातः 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा अपलोड के लिए अन्तिम तिथि/समय 01.12.2025 को अपराहन् 05 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 02.12.2025 को अपराहन 05 बजे तक।
4. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।
5. निविदा प्रपत्र शुल्क और प्रतिशत धरोहर धनराशि (जी.एस.टी. सहित) पालिका के आई.सी.आई.सी.आई. में खाता सं. 321005500073 IFSC- ICIC0003210 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. द्वारा हस्तान्तरित कर पावती की मूल प्रति स्कैन करके ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगी।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइड http//etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को अपलोड करें।
7. टेण्डर स्वीकृति होने के उपरान्त शेष 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि नगर पालिका परिषद बीसलपुर के उपरोक्त खाते में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के द्वारा अथवा नियमानुसार एफ.डी.आर./एन.एस.सी. द्वारा जमा कर मूल प्रति जमा कर निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त तीन दिवस के अन्दर नगर पालिका परिषद बीसलपुर के कार्यालय में हार्डकॉपी के साथ जमा करनी होगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद बीसलपुर (पीलीभीत)

कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली सम्भाग, बरेली

पत्रांक : 1960/स्वी.अनु./धाबा.खा./है.परि.-ई-निविदा/2025-26/बरेली दिनांक : 07.11.2025

अल्पकालीन ई-टेण्डर नोटिस

कार्यालय आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. भवन, लखनऊ के पत्रांक 2216/मु.वि.अ./धा.ख.-नीति प्रस्ताव/2025-26 दिनांक 10.06.2025 के साथ संलग्न शासनादेश सं. 358/29-4-2025/1831/2020 दिनांक 10.06.2025 के द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान क्रय व्यवस्था संबंधी समय सारिणी में दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं. 591/29-4-2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 16.05.2025 शासनादेश सं. 1215/29-4013(99)7/2022 दिनांक 15.09.2022, शासनादेश सं. 571/29-4-2023/4013(099)/7/2022 दिनांक 03.05.2023, शासन के पत्र संख्या 831/29-4- 2023-385/19 दिनांक 25.07.2023 एवं अपर आयुक्त (विपणन), खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांक 3773/अ.वि.श./है.परि./परि. दर/359/2022 दिनांक 25.07.2023 के साथ संलग्न राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.) की दिनांक 10.07.2023 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त, अपर आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के अलोक में बरेली सम्भाग के जनपद बरेली में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा नामित समस्त क्रय संस्थाओं से सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित नवीन धान क्रय केन्द्रों से सम्बद्ध चावल मिलों तक तथा रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत सम्भावित गेहूँ क्रय केन्द्रों को आधार मानते हुए गेहूँ क्रय केन्द्रों से निर्धारित/सम्बद्ध भारतीय खाद्य निगम डिपो तथा गेहूँ के परिवहन हेतु (एस.एल.सी. द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में) शेड्यूल दर के सापेक्ष ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है।

संलग्न सूची सं. 01 के अनुसार समस्त क्रय संस्थाओं के जनपद बरेली के 07 एवं जनपद शाहजहाँपुर के 12 कुल 19 नवीन स्वीकृत धान क्रय केन्द्रों पर परिवहन कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। संलग्न संची के अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत धान परिवहन कार्य हेतु एवं रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत गेहूँ परिवहन कार्य हेतु ई-निविदायें केन्द्रवार जनपदवार प्राप्त की जायेगी। निविदादाता द्वारा प्रत्येक केन्द्र के लिए पृथक-पृथक निविदा प्रपत्र संलग्न किये जायेंगे तथा निविदा शुल्क (प्रत्येक केन्द्र हेतु) एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी। शासनादेश सं. 359/29-4-2025/1831/2020 दिनांक 10.06.2025 में निर्धारित व्यवस्थान्तर्गत क्रय केन्द्रों का चयन जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा। यदि जिलाधिकारी द्वारा प्रस्तावित क्रय केन्द्रों में से किसी क्रय केन्द्र का चयन नहीं किया जाता है अथवा चयन के उपरान्त निरस्त किया जाता है तो क्रय केन्द्र हेतु डाली गयी समस्त परिवहन कार्य की निविदायें निरस्त समझी जायेगी। हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि निविदा विशिष्टीकरण निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु निविदा प्रपत्र शुल्क 500+90 (जी.एस.टी.)=590/- तथा प्रत्येक निविदा के साथ परिवहन कार्य के लिये धरोहर धनराशि रू. 15,000/- सम्भागीय वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी (खाद्य) बरेली के पदनाम से खाता संख्या 0232104000190848 आई.एफ.एस.सी. कोड IBKL0000232 आई.डी.बी.आई. बैंक सिविल लाइन्स बरेली में आर.टी.जी.एस./ई.ई.एफ.टी. से जमा किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 14.11.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। टेक्निकल बिड दिनांक 14.11.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तदर्थ गठित ई-निविदा समिति के द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड के प्रपत्रों की जाँचोपरान्त इसमें अहर्य निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। तदोपरांत वित्तीय निविदा, निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली के पास सुरक्षित होगा।

निविदा की शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई-टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

(डा. मनिकन्डन ए.)
आई.ए.एस.
सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक
बरेली सम्भाग, बरेली।

नेशनल ब्रीफ

अलवर के छात्र का शव रूस में एक बांध से बरामद हुआ

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले के छात्र अजीत चौधरी (22) का शव रूस के उफा शहर में एक बांध से बरामद हुआ है। लक्ष्मणगढ़ तहसील के कफनवाड़ा गांव का अजीत रूस की 'बश्किर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी' में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा था। वह 19 अक्टूबर को अपने छात्रावास से निकलने के बाद लापता हो गया था। एक दिन बाद उसके कपड़े बेलाया नदी के किनारे मिले जिसके बाद व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। शव मिलने की सूचना बृहस्पतिवार दोपहर परिवार के सदस्यों को दी गई। रूस में चौधरी के दोस्तों और सहपाठियों ने घटना की पुष्टि की। अजीत के चाचा नारायण चौधरी ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उसके बाद भारत वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी जिसमें दो दिन लग सकते हैं।

बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच एसआईटी से कराने को याचिका

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की विधवा शहज़ीन सिद्दीकी ने बॉम्बे उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर मामले की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की है। शहजीन ने याचिका में आरोप लगाया है कि पुलिस ने जानबूझकर मामले के असली दोषियों की गिरफ्तारी से परहेज किया। उन्होंने दावा किया है कि हत्या का आदेश गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने दिया था, हालांकि उन्हें अपने पति की मौत के पीछे बिल्डर लॉबी और एक राजनीतिक नेता का हाथ होने का गहरा संदेह है। शहजीन ने कहा, बाबा सिद्दीकी हमेशा झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के हित में सोचते थे और इसलिए इलाके के कई बिल्डर उन्हें एक बाधा मानते थे।" उन्होंने आगे कहा कि हालांकि पुलिस ने इस पहलू की कभी जांच नहीं की। याचिका में कहा गया है कि संदिग्ध अपराधियों के वर्तमान सत्तारूढ़ राज्य सरकार से संबंध हैं।

जंगलराज रोकने के लिए रिकॉर्ड मतदान

औरंगाबाद की चुनावी जनसभा में बोले प्रधानमंत्री मोदी, कांग्रेस और राजद पर किया तीखा हमला

औरंगाबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में पहले चरण के चुनाव में जनता ने रिकॉर्ड मतदान किया है ताकि 'जंगलराज' की वापसी नहीं हो। मोदी ने उम्मीद जताई कि बिहार की जनता फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को जीत दिलाएगी।

प्रधानमंत्री ने चुनावी सभा में कहा, बिहार के लोगों ने रिकॉर्ड तोड़ा है। महिलाओं ने भी सभी रिकॉर्ड तोड़े। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता अपने घोषणा-पत्र पर बात नहीं करते क्योंकि यह झूठ का पुलिंदा है। उनका कहना था कि बिहार की जनता को उनके और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों पर भरोसा है और राज्य पर पवित्र गंगा की कृपा बनी हुई है। मोदी ने केंद्र एवं राज्य सरकारों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि 'डबल इंजन' वाली राजग सरकार विकास, विनिर्माण, 'फूड प्रोसेसिंग यूनिट' समेत सभी क्षेत्रों में योजनाबद्ध विकास पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा, जो कुछ मैंने वादा किया, मैंने पूरा किया। उन्होंने राम मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने तथा आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक रैंक-एक पेंशन (ओरोओपी) लागू की गई और सेवानिवृत्त सैनिकों के खातों में करीब एक लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार के शासन में हिंसा पर अंकुश लगा है तथा इस बार मतदाता भय के बिना मतदान करने आए। निर्वाचन आयोग की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदान सुचारू रूप से हुआ और विदेशी पर्यवेक्षक भी मतदान देखने आए।

बिहार संग्राम

बिहार में अधिक मतदान सरकार के पक्ष में वोट है : धर्मेंद्र प्रधान

पटना। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि बिहार चुनाव में रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत सरकार के पक्ष में लहर का संकेत है और विपक्ष का यह दावा निराधार है कि यह परिणाम राजग के लिए चेतावनी की घंटी है। राज्य में भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पहले चरण में 121 विधानसभा क्षेत्रों में 64 .69 प्रतिशत मतदान हुआ, जो राज्य के चुनावी इतिहास में अब तक का सर्वाधिक है। प्रधान ने कहा, उत्साहवर्धक मतदान का संकेत है। कई जगहों पर देखा गया है कि लोग बड़ी संख्या में मौजूदा सरकार के पक्ष में मतदान करने निकलते हैं। बिहार में भी यही हो रहा है। महिलाओं ने बड़ी संख्या में मतदान किया और मीडिया से बात करने वाले अधिकतर मतदाताओं ने स्पष्ट कहा कि वे विकास और सुरक्षा के लिए वोट कर रहे हैं। मतदाताओं का यह रुझान बताता है कि बिहार में स्पष्ट बहुमत से राजग सरकार बनने जा रही है।

'मनुस्मृति' नहीं लागू होने देंगे, चाहे जान चली जाए : खरगे

सासाराम। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी पर देश में मनुस्मृति को लागू करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि यह नहीं होने दिया जाएगा, चाहे जान क्यों न चली जाए। उन्होंने रोहतास के चेनारी में चुनावी सभा में कहा कि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया ताकि पलायन और बेरोजगारी खत्म हो। मोदी ने कहा कि कनपटी पर कट्टा रखकर राजद ने मुख्यमंत्री का पद ले लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सिर्फ झूठ पर झूठ बोलते हैं। खरगे ने कहा कि मोदी मनुस्मृति को सामने रखकर उसके तहत समाज को चलाना चाहते हैं। जिसे आंबेडकर ने जलाया, उस मनुस्मृति को ये वापस लाना चाहते हैं।

लालू-राबड़ी-राहुल के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं : शाह

जमुई/भागलपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं के पास बिहार के विकास के लिए कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस गठबंधन ने अपने शासनकाल में गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम किया। जमुई की चुनावी सभा में शाह ने लालू प्रसाद और सोनिया गांधी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, जो लोग सिर्फ अपने बेटे-बेटियों के कल्याण की चिंता करते हैं, वे बिहार का विकास नहीं कर सकते। शाह ने आरोप लगाया, उन्होंने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, सिर्फ उन घुसपैठियों को संरक्षण दिया जो गरीबों की नौकरियां, अनाज और संसाधन छीन रहे हैं। क्या ऐसे लोग बिहार को विकसित बना सकते हैं? बिल्कुल नहीं। भागलपुर में की रैली में शाह ने विपक्षी गठबंधन को ठगबंधन करार देते हुए कहा कि इनके पास न तो कोई नीति है, न एकता। उन्होंने तेजस्वी यादव पर भी हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी के प्रिय मुख्यमंत्री एमके स्टालिन (डीएमके) ने बिहारी लोगों की तुलना बीड़ी से करके उनका अपमान किया था। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय आतंकवादी हमले आम थे और उस समय के प्रधानमंत्री में आतंकवाद के खिलाफ बोलने

हरियाणा में वोट चोरी की गई, अब बिहार में भी कोशिश जारी : राहुल

बांका। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में 'वोट चोरी' की थी और अब बिहार में भी वैसा ही करने की कोशिश कर रही है। बिहार के बांका में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'मोदी और अमित शाह ने हरियाणा का चुनाव चुरा लिया और चुनाव आयोग इस पर आंखें मूंदे बैठा है।' उन्होंने कहा, हरियाणा में दो करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 29 लाख फर्जी मतदाता हैं। ब्राजील की एक महिला का नाम मतदाता सूची में कई बूथ पर था। मैंने इसके सबूत भी पेश किए हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेताओं ने दिल्ली में मतदान करने के बाद बिहार में भी वोट डाला है। भाजपा ने यही काम मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में किया, और अब बिहार में भी वही दोहराने की कोशिश कर रही है। लेकिन बिहार की जनता ऐसा नहीं होने देगी। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर उद्योगपतियों के हित में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा, वे अदाणी और अंबानी के लिए वोट चोरी करते हैं। अमित शाह बिहार आकर कहते हैं कि यहां उद्योग लगाने के लिए जमीन नहीं है, लेकिन अदाणी के लिए जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। भाजपा और नीतीश कुमार मिलकर अदाणी को जमीन दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने बिहार की सभी उद्योग इकाइयां बंद कर दीं ताकि अदाणी और अंबानी को फायदा हो।

तेजप्रताप और रवि किशन की मुलाकात से सियासी अटकलें

पटना। जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेजप्रताप यादव और भाजपा सांसद रवि किशन शुक्रवार को पटना हवाई अड्डे पर साथ दिखाई दिए, जिससे विधानसभा चुनाव के बीच राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गईं। दोनों को हवाई अड्डे से बाहर निकलते समय बातचीत करते देखा गया। इस दौरान पत्रकारों ने अनुमान लगाया कि क्या कभी भाजपा-आरएसएस के कड़े आलोचक रहे तेजप्रताप अब किसी नए राजनीतिक समीकरण की ओर बढ़ रहे हैं। तेजप्रताप यादव गया जी जिले में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार कर लौट रहे थे, जबकि रविकिशन ने पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण जिलों में भाजपा की सभाओं को संबोधित किया था। पत्रकारों के सवालों पर तेजप्रताप ने कहा, 'मैं रवि किशन से पहली बार मिल रहा हूं। हम दोनों भगवान शिव के भक्त हैं, इसलिए हमारे माथे पर तिलक है, इसमें कुछ खास नहीं है।'

पार्थ पवार से जुड़े पुणे भूमि सौदे की जांच के लिए समिति गठित एक महीने में देगी अपनी रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी

- 1800 करोड़ कीमत की सरकारी जमीन खरीदने का मामला

महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया, जो पुणे में हुए एक भूमि सौदे में अनियमितताओं की जांच करेगी। यह सौदा उस कंपनी से जुड़ा है, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार भागीदार हैं।

पुणे के पॉश मुंधवा इलाके में 300 करोड़ रुपये में 40 एकड़ जमीन की बिक्री के सौदे ने राजनीतिक हलचल मचा दी है। यह जमीन अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी नामक कंपनी को बेची गई थी, जिसमें उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार भागीदार हैं। विवाद इसलिए भी बढ़ गया है, क्योंकि यह जमीन सरकारी बताई जा रही है और इस सौदे में आवश्यक स्टांप ड्यूटी भी माफ कर दी गई थी। इसके अलावा, विपक्षी दलों का आरोप है कि संबंधित जमीन की वास्तविक कीमत करीब 1,800 करोड़ रुपये थी।

राज्य के राजस्व एवं वन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खरगे की अध्यक्षता वाली समिति पुणे शहर के मौजे मुंधवा में सर्वेक्षण संख्या 88 से संबंधित दस्तावेजों के अनधिकृत पंजीकरण की जांच करेगी और यह निर्धारित करेगी कि क्या इस सौदे से राज्य के खजाने को कोई वित्तीय नुकसान हुआ है। प्रस्ताव में कहा गया है कि समिति एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जांच समिति के अध्यक्ष खरगे हैं, और पुणे के संभागीय आयुक्त, पंजीकरण एवं स्टाम्प महानिरीक्षक (पुणे), निपटान आयुक्त और भूमि अभिलेख निदेशक, पुणे के जिला कलेक्टर और राजस्व विभाग में संयुक्त सचिव (स्टाम्प) इसके सदस्य हैं।

अधिकारियों ने बताया कि समिति इस बात की जांच करेगी कि भूमि सौदा कैसे हुआ, किसी भी प्रक्रियागत उल्लंघन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों या व्यक्तियों की पहचान करेगी, सुधारात्मक उपायों की सिफारिश करेगी तथा भविष्य में ऐसी अनियमितताओं को रोकने के तरीके भी सुझाएगी।

पुरी जगन्नाथ मंदिर में जासूसी चश्मे के साथ दबोचा

पुरी। ओडिशा के जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार को एक श्रद्धालु को उसके चश्मे में जासूसी कैमरा लगे होने के आरोप में पुलिस ने हिरासत में लिया। व्यक्ति की पहचान गुजरात के अहमदाबाद निवासी भरत पांड्या के रूप में हुई। बारहवीं सदी के इस मंदिर के अंदर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी सख्त वर्जित है। अधिकारियों ने बताया कि हाल के महीनों में मंदिर परिसर में कैमरा छुपाकर ले जाने की यह पांचवीं घटना है। पुलिस ने कहा, पुलिस अधिकारियों के लिए पुजारी की पोशाक पहने किसी भी व्यक्ति की पहचान करना मुश्किल है। केवल मंदिर के सेवादार या मंदिर प्रशासन ही ऐसे व्यक्तियों की पहचान कर सकते है।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर रैली

आजादी के आंदोलन में देश को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर देश भर में राजनीतिक और सामाजिक संगठनों की ओर से कार्यक्रम आयोजित किए गए। कोलकाता में कलाकारों की ओर से रैली निकाली गई।

संपत्ति कानूनों में प्रणालीगत खामियां, देशव्यापी सुधार की जरूरत, रिपोर्ट तैयार करे विधि आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

औपनिवेशिक काल के संपत्ति कानूनों में प्रणालीगत खामियों को चिह्नित करते हुए उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को देशव्यापी सुधार की जरूरत बताई तथा विधि आयोग से एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने और संपत्ति निबंधन प्रक्रिया के पुनर्गठन के लिए 'ब्लॉकचेन' तकनीक के उपयोग की संभावना पर विचार करने को कहा।

'ब्लॉकचेन' तकनीक एक डिजिटल बहीखाता है जो लेन-देन को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से रिकॉर्ड करता है और धोखाधड़ी को कम करती है। न्यायमूर्ति पमिदिघंतम श्री नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने एक ऐतिहासिक फैसले में यह निर्देश जारी किया। इसने बिहार के 2019 के उस संशोधन को रद्द कर दिया, जिसमें, निबंधन अधिकारियों को 'जमाबंदी' संख्या के बिना बिक्री या उपहार विलेखों के पंजीकरण से इन्कार करने का अधिकार दिया गया था।

न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने 32 पृष्ठ के फैसले में कहा, अचल संपत्ति के स्वामित्व के संवैधानिक रूप से संरक्षित अधिकार में स्वाभाविक रूप से उसे अपनी इच्छानुसार स्वतंत्र रूप से अर्जित करने, रखने और निपटाने की स्वतंत्रता शामिल है। जिस दक्षता और पारदर्शिता के साथ अचल संपत्ति खरीदी और बेची जाती है, वह राष्ट्र

- सुप्रीम कोर्ट ने ब्लॉकचेन तकनीक पर विचार करने का निर्देश दिया

की संस्थागत परिपक्वता का प्रदर्शन है और यह उसके नागरिकों के उस विश्वास और भरोसे का प्रमाण है जो वे उसके कानूनी और लेन-देन संबंधी ढांचे की विश्वसनीयता में रखते हैं। फैसले में संपत्ति कानूनों में पंजीकरण और स्वामित्व के बीच लंबे समय से चले आ रहे विरोधाभास का उल्लेख किया गया और कहा गया, अब समय आ गया है कि हम एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ें जिसमें अचल संपत्ति की खरीद-बिक्री सरल हो और निबंधन सरकार द्वारा गारंटीकृत स्वामित्व का निर्णायक प्रमाण बने।

इसमें सरकार द्वारा गारंटीकृत निर्णायक स्वामित्व प्रणाली" की दिशा में बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया गया, जो संपत्ति लेन-देन को सरल बनाएगी और मुकदमों के बोझ को कम करेगी। एक निर्देश में, इसने सुझाव दिया कि केंद्र छेड़छाड़-रहित, पारदर्शी और एकीकृत डिजिटल भूमि रिकॉर्ड प्रणाली बनाने के लिए 'ब्लॉकचेन' तकनीक के इस्तेमाल की संभावना पर विचार करे।

अहमदाबाद विमान हादसा

पायलट के 91 वर्षीय पिता से कहा- आपका बेटा दोषी नहीं, दिल पर कोई बोझ न रखें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए पायलट के 91 वर्षीय पिता से शुक्रवार को कहा कि उनके बेटे को इस दुर्घटना के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता और उन्हें इसका बोझ अपने ऊपर नहीं रखना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उनकी याचिका पर केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि आपको अपने ऊपर बोझ नहीं रखना चाहिए। विमान दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह दुर्घटना थी। प्रारंभिक रिपोर्ट में भी उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पायलट के पिता पुष्कराज सभरवाल के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि पायलट कैप्टन सुमित के संबंध में अमेरिकी प्रकाशन वॉल स्ट्रीट जर्नल में समाचार लेख छपा था। पीठ ने जवाब दिया, यह केवल भारत को दोषी ठहराने के लिए घटिया रिपोर्टिंग थी। पीठ ने 12 जुलाई को जारी विमान दुर्घटना जांच बोर्ड (एएआईबी) की प्रारंभिक रिपोर्ट का पैराग्राफ पढ़ा और कहा कि इसमें कहीं भी यह नहीं कहा गया कि दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी ठहराया जाना चाहिए और इसमें केवल विमान के दो पायलटों के बीच हुई बातचीत का उल्लेख है।

निचली अदालतों को बलात्कार पीड़ितों को उचित मामलों में मुआवजा देने के निर्देश

नई दिल्ली। शीर्ष न्यायालय ने सत्र अदालतों और 'पॉक्सो' (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अदालतों को उचित मामलों में बलात्कार और यौन उत्पीड़न पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए कानून के तहत आदेश जारी करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने केंद्र और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य सरकार प्रशासनिक उदासीनता और अधिकारियों की व्यवस्थागत उपेक्षा के कारण बलात्कार पीड़ितों को उचित मुआवज़ा देने से लगातार इनकार कर रही है। उच्चतम न्यायालय अधिवक्ता गौरव कुमार बंसल के माध्यम से ज्योति प्रवीण खंडपसोले द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें महाराष्ट्र के अमरावती जिले की मानसिक रूप से कमजोर बलात्कार पीड़िता (25) का मामला उठाया गया था। पीड़िता को राज्य के अधिकारियों की नाकामी के कारण दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 357ए और मनोधैर्य योजना के तहत उचित मुआवज़ा देने से इन्कार कर दिया गया था।

पुणे में आईटी पेशेवर से 14 करोड़ ठगे, साध्वी समेत तीन हिरासत में

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में अपनी 'आध्यात्मिक शक्तियों' के बूते दो लड़कियों की स्वास्थ्य समस्याएं दूर करने का झांसा देकर उनके आईटी पेशेवर पिता से 14 करोड़ रुपये ठग लेने के आरोप में एक कथित साध्वी एवं दो अन्य को हिरासत में लिया गया है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर दीपक डोलास ने पुणे पुलिस से शिकायत की थी कि एक साध्वी ने यह दावा करते हुए उनके साथ धोखाधड़ी की है कि उसके पास आध्यात्मिक उपचार शक्तियां हैं। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा, कोथरूड थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था और बाद में इसे आर्थिक अपराध शाखा को स्थानांतरित कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि साध्वी ने उनके परिवार को आश्वासन दिया था कि वह दैवीय हस्तक्षेप से उनकी बेटियों को ठीक कर सकती है। उसने उन्हें अपनी संपत्ति बेचने को राजी किया, जिसमें ब्रिटेन में घर, पुणे में अचल संपत्ति और अपने पैतृक गांव में कृषि भूमि शामिल थी।

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के खाते से उड़ाए 55 लाख रुपये

कोलकाता। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के निष्क्रिय पड़े भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) खाते को फर्जी दस्तावेजों के जरिए साइबर ठगों ने फिर से सक्रिय कर और इससे 55 लाख से अधिक की रकम निकाल ली। कोलकाता में एसबीआई की हाईकोर्ट शाखा ने साइबर अपराध थाने में शिकायत दी है, जिसके आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

बैंक की शिकायत अनुसार, ठगों ने जाली पैन और आधार कार्ड तैयार किए, जिन पर कल्याण बनर्जी की तस्वीर थी। इन जाली दस्तावेजों की मदद से बनर्जी के पुराने खाते की केवाईसी अपडेट कर दी। इसके बाद 28 अक्तूबर को खाते में दर्ज मोबाइल नंबर भी बदल दिया गया। जिसके बाद ठगों ने कई ऑनलाइन लेनदेन किए और 56 लाख 39 हजार 767 रुपये इंटरनेट बैंकिंग के जरिए निकाल लिए। पुलिस के अनुसार, निकाली गई रकम को कई अलग-अलग खातों में भेजा गया, जिसे एटीएम के माध्यम से निकाल लिया गया है।

रेप का मामला कमजोर करने का दबाव बनाने के आरोप में दो न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- इस मामले ने हमें स्तब्ध कर दिया

दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को दो न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ प्रशासनिक जांच का आदेश दिया। दोनों न्यायिक अधिकारियों पर एक महिला वकील को एक दूसरे वकील के खिलाफ दर्ज कराए गए बलात्कार के मामले में आरोप वापस लेने के लिए मजबूर करने का आरोप है।

उच्च न्यायालय ने 51 वर्षीय आरोपी वकील की अग्रिम जमानत रद्द कर दी और कहा कि जमानत रद्द करने का एक मुख्य आधार कानूनी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना है। देर रात अपलोड किए गए एक आदेश में न्यायमूर्ति अमित महाजन ने कहा कि मामले में दोनों पक्षों ने 'न्याय का उपहास' किया है। न्यायाधीश ने कहा, 'वर्तमान कार्यवाही में सामने आई परिस्थितियां इतनी विकट हैं कि उन्होंने इस न्यायालय की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि न्याय प्रशासन में स्पष्ट हस्तक्षेप है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि वह इस तरह के मामले में न्यायिक अधिकारियों की संलिप्तता से स्तब्ध है। न्यायालय ने कहा कि हालांकि आरोपों की आगे जांच की जानी है, लेकिन ये आपराधिक न्याय तंत्र के प्रति घोर अनादर का संकेत देते हैं। अपनी शिकायत में, 27 वर्षीय महिला वकील ने आरोप लगाया कि वह एक दोस्त के माध्यम से आरोपी वकील से मिली थी और एक पार्टी के लिए उसके घर गई थी, जहां आरोपी ने महिला वकील के साथ बलात्कार किया और बाद में उससे शादी करने का वादा किया क्योंकि वह एक विधुर था।

कथित वोट चोरी के खिलाफ युवक कांग्रेस ने दिल्ली में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हरियाणा के विधानसभा चुनाव में कथित वोट चोरी का खुलासा करने के बाद शुक्रवार को युवक कांग्रेस ने दिल्ली में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

युवक कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया की शवयात्रा निकाली और भाजपा और निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से चुनावों में वोट चोरी का आरोप लगाया। इस प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश पश्चिम युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया और गिरफ्तारी दी। हरियाणा और राजस्थान में भी युवक कांग्रेस ने प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में एनआईए के 12 स्थानों पर छापे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 2023 के एक मामले में शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और सुकमा जिलों में 12 स्थानों पर छापेमारी की। मामले में, प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के सशस्त्र सदस्यों द्वारा आईईडी विस्फोट और घात लगाकर किया गया हमला शामिल है। एनआईए ने एक बयान में कहा कि मामले में संदिग्धों और आरोपियों के परिसरों पर तलाशी ली गई। यह हमला 26 अप्रैल 2023 को दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर पुलिस थाना क्षेत्र की सीमा के भीतर पेडका गांव के पास भाकपा (माओवादी) की दरभा डिवीजन कमेटी द्वारा किया गया था।

हालात काबू से बाहर, दिल्ली देश का सबसे प्रदूषित शहर बना

एनसीआर के शहर दूसरे नंबर पर, आगे भी वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में रहने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के लोगों ने शुक्रवार को देश भर में सबसे प्रदूषित हवा में सांस ली और सभी शहरों की तुलना में राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता सबसे खराब श्रेणी में दर्ज की गई। एनसीआर के शहर प्रदूषण के मामले में दूसरे स्थान पर रहे।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में शाम चार बजे 24 घंटे का औसत एक्यूआई 322 दर्ज किया गया जिसके साथ शहर की स्थिति 'रेड जोन' में रही और दिल्ली देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा। राष्ट्रीय राजधानी पिछले दिन पांचवें स्थान पर थी, जबकि गाजियाबाद शुक्रवार को

गुरुग्राम में छाई घनी धुंध के बीच सड़क से गुजरती एक युवती।

314 एक्यूआई के साथ दूसरे स्थान पर था। नोएडा में एक्यूआई 306 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के समीर ऐप के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी के 38 निगरानी केंद्रों में से 29 केंद्रों ने वायु गुणवत्ता को बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया है, जहां एक्यूआई 300 से अधिक था।

दिल्ली में शुक्रवार को पीएम 2.5 प्रमुख प्रदूषक रहा। वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान के लिए निर्णय सहायता प्रणाली ने अनुमान लगाया कि पराली जलाए जाने से दिल्ली के प्रदूषण में इसकी हिस्सेदारी 8.6 प्रतिशत थी और शनिवार को ये बढ़कर 30.9 प्रतिशत हो सकती है, जबकि रविवार को इसके 31.2 प्रतिशत पर पहुंच जाने का अनुमान है। उपग्रह से प्राप्त आंकड़ों से पता चला है कि बृहस्पतिवार को पंजाब में पराली जलाने की 351 घटनाएं हुईं जबकि हरियाणा में 35 और यूपी में 200 घटनाएं सामने आईं। दिल्ली में अगले कुछ दिनों तक वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में रहने की संभावना है।

प्रदूषण कम करने को कार्यालयों का समय बदला

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को 15 नवंबर से 15 फरवरी तक दिल्ली सरकार और एमसीडी कर्मचारियों के लिए काम के घंटों में बदलाव की घोषणा की। दिल्ली सरकार के कार्यालयों में अब सुबह 10 बजे से शाम 6 .30 बजे तक और दिल्ली नगर निगम के कार्यालयों में सुबह 8 .30 बजे से शाम 5 बजे तक कामकाज होगा। वर्तमान में, सरकारी कार्यालय सुबह 9 .30 बजे से शाम छह बजे तक और एमसीडी कार्यालय सुबह नौ बजे से शाम 5 .30 बजे तक खुले रहते हैं। कहा गया है कि चूंकि वर्तमान में दोनों समय-सारिणी के बीच केवल 30 मिनट का अंतराल है, इसलिए शहर में सुबह और शाम दोनों समय भारी यातायात जाम रहता है, जिससे वायु प्रदूषण और बढ़ जाता है।

अमृत विचार

शनिवार, 8 नवंबर 2025

कोई भी गुस्सा हो सकता है– यह आसान है, लेकिन सही व्यक्ति से, सही सीमा में, सही समय पर और सही उद्देश्य के साथ, सही तरीके से क्रोधित होना, सभी के बस कि बात नहीं है और यह आसान भी नहीं है।

–अरस्तु, दार्शनिक

सख्त होती सरकार

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दो पूर्व क्रिकेटरों की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति को 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' यानी अपराध से अर्जित धन मानते हुए अटैच किया जाना, केवल एक जांचात्मक कार्रवाई ही नहीं, बल्कि एक गहरा संदेश है। यह कदम ऐसे समय में आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा था कि ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर चल रहे जुए और सट्टेबाजी के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई की जाए। जाहिर है, ईडी की यह कार्रवाई उसी सिलसिले की कड़ी है। बेशक, सरकार अब डिजिटल जुए के बढ़ते खतरे को आर्थिक अपराध की श्रेणी में लाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रही है, जिसमें सेलिब्रिटी ब्रांडिंग और क्रिकेट की लोकप्रियता के नाम पर चलने वाले अवैध प्लेटफॉर्म्स पर कड़ा शिकंजा कसने जा रहा है। इस कार्रवाई का असर न केवल खेल जगत पर, बल्कि मनोरंजन उद्योग और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों पर भी गहराई से पड़ेगा। एजेंसियां अब यह तय करने में लगी हैं कि कौन से ई-स्पोर्ट्स गेम 'स्किल बेस्ड' हैं और कौन-से 'चांस बेस्ड' यानी जुए की श्रेणी में आते हैं।

भारत में ऑनलाइन गेमिंग पर एकीकृत प्रभावी केंद्रीय कानून का अभाव है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के तहत सरकार उन वेबसाइटों या ऐप्स को ब्लॉक कर सकती है, जो 'राष्ट्रीय सुरक्षा या जनहित के प्रतिकूल' हों, परंतु जुए और सट्टेबाजी को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी राज्यों पर है। कुछ राज्य जैसे तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना ने ऑनलाइन सट्टेबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है, जबकि कुछ में इसे 'रेगुलेटेड एंटरटेनमेंट एक्टिविटी' के बतौर अनुमति है। यही असमानता इस पूरे क्षेत्र को कानूनी धुंध में ढके रखती है। पूरी तरह बैन लगाने से भी यह समस्या समाप्त होगी, कहना कठिन है। इससे लोग ऑफशोर प्लेटफॉर्म्स की ओर मुड़ सकते हैं, जहां भारतीय कानून का कोई नियंत्रण नहीं होता। इन विदेशी साइट्स पर डेटा प्रोटेक्शन, आयकर या उपभोक्ता अधिकारों की कोई गारंटी नहीं है। ऐसे में बैन के बजाय सख्त निगरानी और पारदर्शी नियमावली बनाना अधिक व्यावहारिक समाधान लगता है। बैन का एक महत्वपूर्ण पहलू आर्थिकी से जुड़ा हुआ है। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री देश में लगभग 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष नौकरियां देती है और अरबों रुपये का निवेश आकर्षित करती है। यदि सभी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स पर समान रूप से प्रतिबंध लगाया गया, तो इससे न केवल रोजगार पर, बल्कि सरकार के कर राजस्व पर भी असर पड़ेगा, लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि ऑनलाइन बेटिंग के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग, काले धन के संग्रह और लालच, लत जैसी सामाजिक समस्याएं तेजी से फैल रही हैं, इसलिए सरकार को इस संदर्भ में संतुलित नीति बनानी होगी, जहां ई-स्पोर्ट्स जैसे कौशल-आधारित खेलों को बढ़ावा मिले, पर सट्टेबाजी और जुए के तत्वों को कड़ाई से दंडित किया जाए।

जरूरी है कि सरकार राष्ट्रीय स्तर पर एक समेकित कानून बनाए, जो ऑनलाइन स्किल बेस्ड गेमिंग और सट्टेबाजी के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। साथ ही, ईडी को ऐसे मामलों में महज सजा नहीं बल्कि निवारक ढांचा तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए, तभी इस डिजिटल युग के 'आभासी जुए' से देश को निजात मिल सकेगी।

ममदानी की जीत है, ट्रंप की राजनीतिक हार

विवेक सक्सेना

अयोध्या

न्यूयॉर्क के मेयर पद पर जोहरान ममदानी की जीत एक राजनीतिक संकेत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए यह एक बड़ा झटका भी माना जा रहा है।

हाल के वर्षों में, दुनिया भर के विभिन्न शहरों में भारतीय मूल के व्यक्तियों का मेयर बनना एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक घटना है। यह न केवल भारतीय प्रवासियों की सफलता की कहानी है, बल्कि उस बदलती वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य का भी प्रमाण है, जहां योग्यता और समावेशिता को महत्व दिया जा रहा है। जोहरान मामदानी ने न्यूयॉर्क सिटी की मेयर रेस जीतकर इतिहास रच दिया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले मुस्लिम और पहले दक्षिण एशियाई मेयर बने। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में हुए इस चुनाव में ममदानी की जीत से सबसे बड़ा झटका भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगा है, क्योंकि वो लगातार ममदानी के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। ट्रंप ने उन्हें पागल कम्युनिस्ट तक कह दिया था। चुनाव से पहले चेतावनी दी थी कि अगर ममदानी जीते, तो न्यूयॉर्क की फेडरल फंडिंग कम कर दी जाएगी, बावजूद इसके 34 साल के ममदानी सबसे युवा मेयर बन गए।

उनकी जीत लेफ्ट-विंग एजेंडे पर आधारित थी, जिसमें अमीर-गरीब की खाई कम करना और शहर को सस्ता बनाना मुख्य मुद्दे थे। न्यूयॉर्क वैसे भी डेमोक्रेट्स का गढ़ माना जाता है और अब ममदानी की ऐतिहासिक जीत ने इस गढ़ को और मजबूत बना दिया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप की इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी। ममदानी की जीत महज चुनावी जीत ही नहीं, एक राजनीतिक संकेत भी है कि कहीं ये अमेरिका में एक अलग तरह के ध्रुवीकरण का प्रतीक तो नहीं। भारतीय मूल के मुस्लिम प्रवासी ममदानी ने न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रू कुओमो जो खुद भी डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा को जिस तरह से पराजित किया है, उससे तो ऐसा ही प्रतीत होता है।

न्यूयॉर्क को अमेरिका के अमीरों का शहर कहा जाता है। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार करीब 26 अमीरों ने ममदानी को रोकने के लिए मोटी रकम खर्च की थी। ऐसे में उनकी जीत कई मायनों में महत्वपूर्ण है और एक नए युग का संकेत देती है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर के रूप में ज़ोहरान ममदानी का चुना जाना यह दर्शाता है कि मेजबान देश अब रंग, नस्ल या मूल की परवाह किए बिना प्रतिभा को स्वीकार कर रहे हैं। यह उन देशों में समावेशी लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है, जहां प्रवासी समुदाय अब सिर्फ मतदाता नहीं, बल्कि सक्रिय नीति-निर्माता और नेता बन रहे हैं।

विदेशों में प्रवासी भारतीयों का उदय देश के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत भी है। ये नेता अनौपचारिक राजदूत के रूप में कार्य कर भारत और उनके मेजबान देशों के बीच विश्वास बनाने और संचार को सुगम बनाने में मदद कर सकते हैं। उनके कार्यकाल के दौरान, दोनों देशों के बीच व्यापार, संस्कृति और लोगों से लोगों के संबंध मजबूत होने की संभावना बढ़ जाती है, हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। इन नेताओं को अक्सर अप्रवासी पृष्ठभूमि या धार्मिक पहचान के कारण आलोचना या पक्षपातपूर्ण हमलों का सामना करना पड़ता है। ममदानी के मामले में आव्रजन की स्थिति पर विवाद इसका उदाहरण है।

भारतीय मूल के व्यक्तियों का विदेशी शहरों में मेयर बनना, वैश्विक स्तर पर भारतीय प्रवासियों की बढ़ती ताकत, प्रभाव और स्वीकृति का एक ज्वलंत उदाहरण है। यह भारत के लिए गर्व का क्षण है और दुनिया को यह संदेश देता है कि भारतीय प्रतिभाएं सीमाओं से परे जाकर वैश्विक नेतृत्व में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

भारतीय मूल का मुसलमान व्यक्ति, जैसे जोहरान ममदानी, विदेश के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क का मेयर बनता है, तो भारत की विविधता एवं संप्रेषणशीलता की छवि अंतर्राष्ट्रीय फलक पर मजबूती पाती है। इससे भारत का लोकतांत्रिक और बहुजातीय मॉडल विश्व में चर्चा का विषय बनता है। भारत के अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्ति की उपलब्धि विदेश में प्रवासी भारतीयों को आत्मसंतोष और सम्मान की भावना देती है। इससे प्रवासियों के बीच एक सकारात्मक उदाहरण स्थापित होता है कि भारत की विविधता बाहरी देशों में भी सफल हो सकती है। इससे युवाओं में सहभागिता और समाज के सभी वर्गों में सामंजस्य की भावना बढ़ती है।

भारतीय मूल के मुसलमान के विदेश में मेयर बनने से देश को राजनीतिक और सांस्कृतिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं। भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि लोकतंत्र, विविधता और सहिष्णुता के रूप में मजबूत होती है, जिससे भारत को वैश्विक मंचों पर अधिक सम्मान और समर्थन मिल सकता है। भारत की सांस्कृतिक विरासत, धर्म, भाषा और परंपराओं का वैश्विक प्रचार होता है, जिससे भारतीय संस्कृति की पहचान और सम्मान विदेशों में बढ़ता है। इस तरह की उपलब्धि से सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और भारतीय कला, संगीत, साहित्य की वैश्विक लोकप्रियता बढ़ती है। विविधता में एकता का संदेश विश्व के सामने प्रस्तुत होता है। इससे प्रवासी भारतीयों में सांस्कृतिक गर्व और आत्मसम्मान की भावना मजबूती पाती है। इन लाभों के माध्यम से भारत न केवल वैश्विक मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति बढ़ा सकता है, बल्कि अपनी राजनीति और संस्कृति की विविधता एवं समावेशिता को नई पहचान दिला सकता है।

इस तरह की उपलब्धियां राजनीतिक जागरूकता, सामुदायिक संगठन, लॉबिंग और अपने अधिकारों के लिए सामूहिक स्वर मजबूत करती हैं। भारत के राजनीतिक हितों की वकालत राजनीतिक रूप से सक्रिय भारतीय डायस्पोरा भारत के हितों के संरक्षक और प्रवक्ता के रूप में काम कर सकते हैं, जिससे मेजबान देश की नीतियों पर सकारात्मक प्रभाव संभव है। ऐसे नेतृत्व से भारत के लिए निवेश, कूटनीतिक सहयोग और सांस्कृतिक विनिमय के नए अवसर खुल सकते हैं।

आमने

कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यकों को कई अवसर दिए हैं। केवल कांग्रेस ने ही अल्पसंख्यकों को बड़े पद दिए हैं। कांग्रेस का मतलब मुस्लिम और मुस्लिम का मतलब कांग्रेस है।

–ए रेवंत रेड्डी
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

सामने

कांग्रेस शासन में सबसे अधिक सांप्रदायिक दंगे हुए, तो वह कैसे कह सकते हैं कि कांग्रेस का मतलब मुस्लिम है? हालांकि, यह सांप्रदायिक और बेहद आपत्तिजनक बात है। मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री हताश हैं, क्योंकि वह उपचुनाव हारने वाले हैं।

–एन रामचंद्र राव
भाजपा अध्यक्ष, तेलंगाना

गुप्त परमाणु हथियार परीक्षण की आशंकाएं

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि चीन और पाकिस्तान समेत कई देश गुप्त परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। अगर यह सच है तो दुनिया में एक बार फिर परमाणु बमों की होड़ शुरू होने के आसार हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा 'बयान-बम' फोड़ा है। विवादित बयानों को लेकर चर्चित ट्रंप ने दावा किया है कि चीन और पाकिस्तान गुप्त रूप से परमाणु परीक्षण में लगे हैं। रूस और उत्तर कोरिया भी परमाणु परीक्षण कर अपने हथियारों की ताकत टटोल रहे हैं। ये देश कभी भी यह बात स्वीकारने को तैयार नहीं हैं कि वे परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। ये देश भूमि की बहुत गहराई में परीक्षण करते हैं, इसलिए इनके परीक्षण की आहट किसी के कानों में नहीं गूंजती है। इन देशों के लोग खुले समाज का हिस्सा नहीं हैं, अतएव यहां की जानकारियां गोपनीय बनी रहती हैं।

यह बात ट्रंप को इसलिए कहनी पड़ी, क्योंकि अमेरिका 30 साल बाद अपने परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से करने का फैसला ले चुका है। इसलिए उन्होंने अपनी सरकार के फैसले को पाक और चीन के परीक्षणों के परिप्रेक्ष्य में तार्किक ठहराने के लिए कही है। यह बात ट्रंप ने न्यूज चैनल सीबीएस से बात करते हुए कही है।

दरअसल रूस द्वारा ट्रंप से पूछा गया था कि 'क्या वे एडवांस न्यूक्लियर-कैपेबल सिस्टम, जिसके द्वारा पोसाइडन अंडरवाटर ड्रोन गतिविधि शामिल है, उसके परीक्षण के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण भी करेंगे?' इसके उत्तर में ट्रंप ने कहा, 'उनके पास किसी भी दूसरे देश से अधिक परमाणु हथियार हैं। इन हथियारों से दुनिया को 150 बार नष्ट किया जा सकता है। हम इन्हें नहीं परखते, किंतु जब दूसरे देश परीक्षण कर रहे हैं, तब हमें भी करने की जरूरत है।

ट्रंप ने हाल ही में दक्षिण कोरिया के बुसान नगर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करने से पहले अमेरिका द्वारा परमाणु परीक्षणों को फिर से शुरू करने का बयान दिया था। पानी के भीतर पोसाइडन ड्रोन प्रणाली एक ऐसी तकनीक है, जिसमें रोबोटिक वाहन पानी के नीचे सक्रिय रहते हैं। ये स्वायत्त रूप से संचालित रहने के साथ इन्हें रिमोट के जरिए दूर से भी संचालित किया जा सकता है। ये ड्रोन पनडुब्बी वाहनों के समान होते हैं, जो बिना किसी मानव के पानी के नीचे संचालन और अनुसंधान के लिए होते हैं।

किसी भी परमाणु हथियार संपन्न देश को परमाणु परीक्षण की जरूरत इसलिए होती है, क्योंकि परमाणु बम के लिए जरूरी यूरेनियम को संवर्धन (एनरिच) करना होता है। यह प्रक्रिया एक तकनीकी परीक्षण हैं। परमाणु परीक्षण की घोषणा किसी भी देश की ऐसी युद्ध रणनीति का हिस्सा है, जिससे वह शत्रु देश को अपनी ताकत का अहसास कराता है। भारत ने 1998 के बाद कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है। अब चीन और पाक द्वारा गोपनीय रूप में परमाणु परीक्षण की बात सामने आई है। अतएव इन देशों से भारत को परमाणु हमले का खतरा बढ़ गया है, इसलिए भारत को भी अपने परमाणु हथियार दागने की तकनीक का परीक्षण करना जरूरी हो गया है, हालांकि भारत का सिद्धांत पहले परमाणु हमला नहीं करने का है, लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कह चुके हैं कि अब हम इस वचन के पालन के लिए प्रतिबद्ध नहीं हैं। पहले भी हमला कर सकते है। वैसे भी भारत ने परमाणु परीक्षणों को प्रतिबंधित करने वाली संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के कई देश न केवल परमाणु परीक्षण करने में लगे हैं, बल्कि घातक परमाणु हथियारों को इकट्ठा करने की होड़ में भी लगे हैं। स्टॉकहोम स्थित 'अंतर्राष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान' (एसआईआरआई) के एक अध्ययन ने दावा किया है कि चीन के पास 350, पाकिस्तान 165 और भारत के पास जनवरी 2021 तक 156 परमाणु हथियार मौजूद थे। ये तीनों पड़ोसी देश अपने परमाणु शस्त्रागारों का विस्तार कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक इस समय 13,080 परमाणु हथियार दुनिया के देशों के पास हैं। इनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा रूस और अमेरिका के पास हैं।

इनके अलावा ब्रिट्रेन, फ्रांस, इजराइल और उत्तर कोरिया के पास भी हथियारों का बड़ा जखीरा है। चीन परमाणु हथियारों की संख्या को बढ़ाने के साथ उनका तकनीकी रूप से आधुनिकीकरण भी कर रहा है। इस समय रूस के पास 6,255, अमेरिका 5,550, फ्रांस 290, ब्रिट्रेन 225, इजराइल 90 और उत्तर कोरिया के पास 40-50 परमाणु हथियार हैं। ट्रंप तो सरेआम कह रहे हैं कि हमारे पास दुनिया को 150 बार तहस-नहस करने की परमाणु क्षमता है।

अमेरिकी गुप्तचर संस्था सीआईए के पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी केविन हलबर्ट की बात मानें तो पाकिस्तान दुनिया के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक देशों में से एक है। पाकिस्तान की यह खूंखार और डरावनी सूरत इसलिए बन गई है, क्योंकि तीन तरह के जोखिम इस देश में खतरनाक ढंग से बढ़ रहे हैं। एक आतंकवाद, दूसरी ढह रही अर्थव्यवस्था और तीसरे परमाणु हथियारों का जरूरत से ज्यादा भंडारण।

आर्थिक संकट के ऐसी ही बद्तर हालात से उत्तर कोरिया जूझ रहा है। मानव स्वभाव में प्रतिशोध और ईर्ष्या दो ऐसे तत्व हैं, जो व्यक्ति को विवेक और संयम का साथ छोड़ देने को मजबूर कर देते हैं। इस स्वभाव को क्रूरतम परिणति में बदलते हम अमेरिका द्वारा हिरोशिमा और नागासाकी पर किए परमाणु हमलों के रूप में देख चुके हैं।

सोशल फोरम

जब एक्सरे के खतरे से वाकिफ नहीं थी दुनिया

कलम रंगदार

ब्लॉगर

यह तस्वीर लगभग 1900 के आसपास रॉयल लंदन हॉस्पिटल के एक एक्स-रे तकनीशियन के हाथ की है। इसमें उस नुकसान को दिखाया गया है, जो बार-बार विकिरण (radiation) के संपर्क में आने से हुआ। उस समय तकनीशियन हर सुबह अपनी मशीन को जांचने और सेट करने के लिए अपने ही हाथ का एक्स-रे लिया करते थे। आप सोच सकते हैं- वे इसके बजाय मांस का टुकड़ा या चिकन की टांग क्यों नहीं इस्तेमाल करते थे?

असल में, 1900 के दशक में लोगों को विकिरण के खतरों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। सबको लगता था कि यह पूरी तरह सुरक्षित है। उस समय एक्स-रे मशीनें इतनी नई और आकर्षक चीज थीं कि कई लोग घर पर खुद की एक्स-रे मशीनें बना लेते थे- शौक के तौर पर। दुर्भाग्य से, बाद में उन शुरुआती लोगों को गंभीर बीमारियों, कैंसर और हाथ-पैर कटवाने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ा।

एक्स-रे की खोज सिर्फ कुछ साल पहले, 1895 में विल्हेम कॉनराड रॉन्टजन (Wilhelm Conrad Rntgen) नाम के एक जर्मन इंजीनियर और भौतिक वैज्ञानिक ने की थी। उन्होंने इन किरणों को 'एक्स-रे' इसलिए कहा क्योंकि उन्हें पता नहीं था कि यह वास्तव में क्या हैं, इसलिए उन्होंने 'X' का इस्तेमाल 'अज्ञात' के प्रतीक के रूप में किया।

कुछ यूरोपीय देशों में आज भी इन्हें 'रॉन्टजन रे' कहा जाता है, उनके सम्मान में। रॉन्टजन ने अपनी खोज का पेटेंट नहीं कराया, क्योंकि उनका मानना था कि यह खोज मानवता के भले के लिए सबके लिए मुफ्त उपलब्ध होनी चाहिए। उनके इस अद्भुत आविष्कार के लिए उन्हें 1901 में पहला नोबेल पुरस्कार (भौतिकी) दिया गया।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

जलवायु जोखिम से शेयर धारकों की संपत्ति पर असर

भारत में जलवायु जोखिम अब सीधे शेयरधारकों की संपत्ति, कंपनियों की डिविडेंड यील्ड और ऊर्जा कंपनियों की बैलेंस शीट को प्रभावित कर रहा है। एक तरफ बिजली की मांग लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है, तो दूसरी तरफ असमान मानसून, हीटवेव और बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाएं ईंधन आपूर्ति, उत्पादन दक्षता और पूंजीगत निवेश योजनाओं को गहराई से प्रभावित कर रही हैं। वर्ष 2024–25 में भारत ने अधिकतम 250 गीगावॉट बिजली की मांग को पूरा किया, जो दर्शाता है कि बिजली की खपत कितनी तेज़ी से बढ़ रही है, लेकिन इतनी ऊंची मांग को पूरा करने के लिए कंपनियों को बढ़ती इनपुट लागत, महंगे ईंधन और ऋण पर बढ़ते ब्याज की चुनौती झेलनी पड़ रही है, जिससे उनका लाभांश वितरण और नकदी प्रवाह कमजोर पड़ रहा है।

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

वैश्विक स्तर पर 2024 में फॉसिल ईंधन से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन 37.4 बिलियन टन तक पहुंच गया, जो नया रिकॉर्ड है। भारत का योगदान लगभग 8% रहा और यह वर्ष दर वर्ष लगभग 4.6% की दर से बढ़ा। यह दर्शाता है कि भारत की ऊर्जा उत्पादन संरचना अभी भी कोयले पर अत्यधिक निर्भर है। सरकार ने 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, लेकिन इस दिशा में काम करने के लिए ऊर्जा कंपनियों को भारी पूंजी निवेश करना पड़ रहा है। यह निवेश उनकी बैलेंस शीट पर दबाव डालता है, जिससे उनका ऋण अनुपात बढ़ता है और लाभांश भुगतान की क्षमता घटती है।

30 सितंबर 2025 तक भारत की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 500.89 गीगावॉट तक पहुंच गई है। इसमें गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता का हिस्सा 50 फीसद से अधिक हो गया है, लेकिन वास्तविक बिजली उत्पादन में इन स्रोतों का योगदान अभी भी लगभग 22% के आसपास है। इसका कारण है कि सौर और पवन ऊर्जा मौसम पर निर्भर हैं और इनके लिए बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण और ट्रांसमिशन निवेश की आवश्यकता होती है। इन परियोजनाओं में प्रारंभिक निवेश अधिक होता है और रिटर्न लंबी अवधि में आता है, जिससे कंपनियां अल्पावधि में डिविडेंड की बजाय पुनर्निवेश को प्राथमिकता देती हैं।

वर्ष 2024 के मानसून में जहां उत्तर और पश्चिम भारत में अत्यधिक वर्षा हुई, वहीं दक्षिण भारत के कई हिस्सों में सूखा जैसी स्थिति बनी रही। इस असमान मौसम ने जलविद्युत उत्पादन को प्रभावित किया और कोयला परिवहन में बाधा पहुंचाई। इसके परिणामस्वरूप ऊर्जा कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ी और उनके EBITDA मार्जिन में 3–4 फीसदी की गिरावट आई। उदाहरण के लिए, NTPC और टाटा पॉवर जैसी कंपनियों को अपने तापीय संयंत्रों में कोयला लागत बढ़ने और नवीकरणीय परियोजनाओं में अतिरिक्त निवेश के कारण अपने डिविडेंड पेआउट अनुपात में 25–30 प्रतिशत की कटौती करनी पड़ी।

CO उत्सर्जन के साथ-साथ, कार्बन टैक्स और ग्रीन कंप्लायंस जैसे नियमों के कारण ऊर्जा कंपनियों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है। प्रति मेगावॉट बिजली उत्पादन पर औसतन 450–600 रुपये की अतिरिक्त लागत कार्बन उत्सर्जन से जुड़ी अनुपालन गतिविधियों पर खर्च हो रही है। इसके चलते कंपनियों की नकदी प्रवाह पर दबाव बन रहा है और डिविडेंड वितरण में कमी आ रही है। दूसरी ओर, निवेशक अब कंपनियों की ESG रेटिंग और जलवायु नीतियों को उनके मूल्यांकन में शामिल करने लगे हैं। जिन कंपनियों का कार्बन फुटप्रिंट अधिक है, उनके शेयर मूल्यों में गिरावट देखने को मिली है, जबकि हरित ऊर्जा की दिशा में काम करने वाली कंपनियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

प्रसंगवश

चुनाव में महज सियासी एजेंडा है बेरोजगारी

जब-जब लोकसभा या किसी राज्य में विधानसभा चुनाव का समय आता है तो अलग-अलग राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरीके से एड़ी चोटी का जोर लगाती हैं। आम जनता के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किन मुद्दों को लेकर ये अपनी उम्मीदवारी रख रही हैं। देश में बहुत सारी समस्याएं हैं, जिनका समाधान इतने वर्षों से नहीं हुआ है। जनता त्रस्त है। आम जनमानस में गुस्सा भरा हुआ है। बिहार चुनाव में भी रोजगार को प्रमुख मुद्दा बनाया गया है, लेकिन पूर्व परिस्थितियों को देखते हुए इस बात का बिल्कुल भी यकीन नहीं है कि ये वादे पूरे भी होंगे।

बेरोजगारी हमेशा से बहुत बड़ा मुद्दा रहा है। बीते वर्षों में देश में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक बढ़ी है। यूं तो अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की बात कही जाती है, लेकिन युवाओं में फैली बेरोजगारी से हम आंखें नहीं मोड़ सकते। सरकारी नौकरियों में पदों की संख्या बहुत कम है। रिटायर होने वाले कर्मचारियों के स्थान पर नई भर्तियां बंद हैं। लाखों पद खाली हैं, पर उनकी जगह संविदा या आउटसोर्स से ही काम चलाया जा रहा है, जिससे विभागों की कार्य प्रणाली पर भी बहुत असर पड़ा है। इसके साथ ही साथ प्राइवेट सेक्टर में तो हाल बहुत ही बुरा है।

अमृता पांडे

लेखिका

कोरोना के समय लाखों लोगों ने अपनी नौकरियां गंवाईं। आज कई कंपनियां छंटनी कर रही हैं। 2024 को जैमिनी युग का नाम दिया गया है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बताया कि यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकी पर आधारित लैंग्वेज मॉडल है। एआई तकनीकी जगत में हलचल मचाने वाला सबसे बड़ा हथियार बन गया है। विभिन्न संस्थाओं में इंजीनियरिंग छात्रों की परीक्षाएं हो चुकी हैं। छोटी-छोटी जगह में संसाधनविहीन कॉलेज खुले हैं। हर साल 15 लाख के लगभग छात्र पासआउट हो कर आते हैं, पर नौकरी एक से डेढ़ फीसदी छात्रों को ही मिलती है।

आईआईटी मुंबई के 36 प्रतिशत पासआउट हुए छात्रों को वर्ष 2024 में नौकरी नहीं मिली। द टाइम्स ऑफ इंडिया समेत कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में यह रिपोर्ट देखी थी। आईआईएम के छात्रों को नौकरी नसीब नहीं है। विश्वविद्यालय से पासआउट होने वाले छात्रों का भी यही हाल है। अर्थव्यवस्था बढ़ती तो रोजगार के द्वार भी अवश्य खुलते। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार 25 साल में नौकरियां में सबसे ज़्यादा कटौती हुई। रेलवे, पुलिस, पोस्ट ऑफिस में ढेरों पद खाली हैं। ईपीएफ में जुड़ने वाले कर्मचारियों की संख्या बहुत कम है। कर्मचारियों पर काम का बोझ बहुत है और वे दूसरी नौकरी की तलाश में हैं। काम के घंटे बढ़ रहे हैं, जबकि मनोवैज्ञानिक काम के घंटों के बीच आराम की वकालत करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन और मानव विकास संस्थान की इंडिया अपॉइंटमेंट रिपोर्ट-2024 के अनुसार देश में नियमित वेतन पाने वाले और स्वरोजगार में लगे लोगों की वास्तविक कमाई में पिछले एक दशक के दौरान गिरावट आई है। यह आकलन मुद्रा स्फीति की दर के आधार पर किया गया है। लगभग पौने दो करोड़ युवाओं ने 2024 के लोकसभा चुनाव में रोजगार की उम्मीद में वोट डाले थे। युवाओं का वोट बैंक राजनीतिक पार्टियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन फिर भी प्रमुख राजनीतिक दलों के चुनाव पत्रों से रोजगार जैसे मुद्दे गायब दिखाई देते हैं। बेरोजगारी के कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दुष्प्रभाव हैं, जैसे मानसिक तनाव, विवाह की उम्र में देरी होना, पारिवारिक कलह, जीवन से विरक्ति आदि। जरूरत है कि राजनीतिक पार्टियों थोड़ा संवेदनशीलता दिखाकर रोजगार जैसे गंभीर मुद्दों पर सोचें और विचारें।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

चंद्राकार पर्वतों की नगरी चंदेरी

चंद्राकार पर्वतों की गोद में विन्ध्य पर्वत श्रृंखला में आबाद मालवा का प्रवेश द्वार चंदेरी को अपनी शानदार विरासत के लिए यहां की कला एवं हस्तशिल्प को यूनेस्को की विश्व धरोहर की क्रियेटिव सिटी की सूची में नामित किया गया है। ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध चंदेरी पर प्रकृति ने खूब मेहरबानी की है। प्रकृति की अनमोल धरोहरों वनों और झरनों की खुशबू से लेकर कला और पुरासंपदा, ऐतिहासिक किले चंदेरी को खास बनाते हैं। चेदि राज्य की अतीत में राजधानी रही वर्तमान चंदेरी प्रतिहार वंश के प्रतापी राजा कीर्तिपाल की ऋणी है, जिनके शासनकाल में बूढ़ी चंदेरी के स्थान पर नई चंदेरी को दशमी/ग्यारहवीं शताब्दी में बसाया गया था। महाभारत काल से काल के थपेड़े सहता रहा यह नगर अभी भी रहस्य ही है। कवि कालिदास ने मेघदूत के विदिशा जाने वाले मार्ग पर प्राचीन नगरी के संदर्भ में भले ही स्पष्ट संकेत नहीं दिए, पर इतिहास बताता है कि गुप्तवंश, प्रतिहारवंश, मुस्लिम आक्रांताओं, बुंदेला राजपूतों एवं सिंधियाओं ने यहां पर शासन किया।

सुरेंद्र अग्निहोत्री
लखनऊ

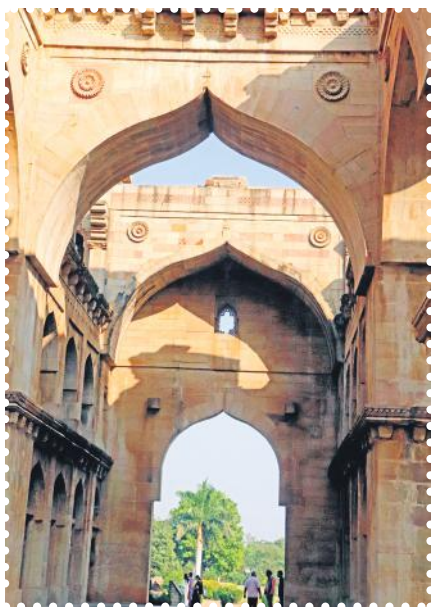

वर्तमान चंदेरी नगरी को प्रतिहारवंश महाराज कीर्तिपाल कुरुमदेव ने दसवीं और ग्यारहवीं शताब्दी के बीच बसाया था। नगरी का विस्तार 30 मील तक का था। मुगलकाल में इसकी जनसंख्या 1 लाख 75 हजार बताई गई है, जिसके प्रत्यक्ष प्रमाण आज भी उत्तर-पश्चिम में बूढ़ी चंदेरी, हंसारी, दक्षिण पूर्व में बेंहटी, बारी, तपाई, पंचमनगर, दक्षिण-पश्चिम में थूबोनजी, सीतामढ़ी, ख्यावदा, बीठला, भियांदात आदि हैं। इस समूचे क्षेत्र में पुरातत्व महत्व की विपुल सामग्री यत्र-तत्र बिखरी हुई है। राजवंशों के कार्यकाल में अनेकों उत्कृष्ट श्रेणी के निर्माण कार्य हुए हैं, जो स्थापत्य कला के अनूठे प्रमाण हैं। शिलालेखों से पता चला है कि यहां स्थापत्य कला गुप्तकाल की है। चंदेरी नगरी के अनेक नयनाभिराम मंदिर, मस्जिद, मठ, सराय, मकबरे, बावड़ियां, महल एवं किला आदि उल्लेखनीय हैं। चंदेरी नगरी 7 परकोटों के बीच बसी हुई थी, जिनमें अनेक प्रवेश द्वार थे। मुख्य दरवाजों के नाम यथा- दिल्ली दरवाजा, ढोलिया दरवाजा, खिड़की दरवाजा, पखन दरवाजा, पिछारे दरवाजा, रेतबाग का दरवाजा, बिना नींव का दरवाजा, बादल महल का दरवाजा, जौहरी दरवाजा एवं कटी घाटी दरवाजा के नाम से आज भी प्रचलित हैं।

वीर भूमि बुंदेलखंड की स्थापत्य कला का बेजोड़ स्थल 'कीर्ति दुर्ग' इतिहास के उस कालखंड का चंदेरी मुस्लिम आक्रांताओं के रक्तपात की शिकार बनी। चंदेरी राज्य का मुख्य प्रवेश द्वार खूनी दरवाजा कहलाता है। यह द्वार राजा मेदनीराय की वीरगति का साक्षी है। 28 जनवरी सन् 1528 को बाबर ने पहाड़ों को काटकर हमला किया था। यह स्थल कटी घाटी के नाम से प्रसिद्ध है। यह युद्ध के संदर्भ में बाबर द्वारा लिखित पुस्तक "तुजक-ए-बाबरी" के अनुसार दिसंबर, 1527 में बाबर ने चंदेरी में प्रवेश का मार्ग उत्तर दिशा से चुना और अपनी सेना का शिविर बत्तीसी बावड़ी पर स्थापित कर जनवरी, 1528 में युद्ध के नगाड़े बजा दिए। बाबर ने चंदेरी को चारों ओर से घेर लिया। राजपूतों ने दुर्ग बचाने के लिए भीषण प्रतिरोध किया, लेकिन विजय लुटेरे बाबर को मिली, तो हजारों क्षत्राणी वीरांगनाओं ने अपने सतीत्व की रक्षा के लिए विक्रम संवत् 1584, माघ सदी 8, बुधवार को किले में ही एक तालाब के किनारे जौहर किया। इस जौहर में मेदनीराय की पत्नी मणिमाला तथा उनकी सहेली ने भी अपने आपको शामिल किया। यह जौहर अपने आप में तत्कालीन राजाओं के चरित्र को इंगित करता है। इस स्थल पर एक स्तंभ बना है। इसके निर्माण में ग्वालियर राज्य ने सहयोग किया था। स्तंभ पर सुरुचिपूर्ण ढंग से जौहर के दृश्य के अतिरिक्त स्वर्ग में शिवपूजन का दृश्य अंकित है। समीप ही संगीत सम्राट 'बैजू बावरा' की समाधि एकांत में अपने अतीत की गाथा सुना रही है। इसी पहाड़ी पर किला कोठी है, जिसका संचालन लोक निर्माण विभाग के अधीन है। नौ खड़ा महल कभी चंदेरी राज्य का सबसे सुंदर महल था। आज खंड-खंड हो चुका है। स्मृति शेष पाषाण खंड अपने सुनहरे दिनों को ताजा किए है।

प्राचीन काल में चेदि राज्य पर राजा शिशुपाल का शासन था। इस राज्य के अवशेष मात्र ही शेष हैं। लोकश्रुति के अनुसार राजा शिशुपाल ने, जो भगवान कृष्ण से ईर्ष्या रखता था, अपने राज्य में प्रजा को मोर मुकुट के आकार युक्त जूते पहनवाए, जो यदाकदा ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी प्रचलित है। चंदेरी में वैसे तो अनेक तालाब हैं, लेकिन 'परमेश्वर तालाब' का विशेष महत्व है। इसके घाट पर बना लक्ष्मण मंदिर का प्रतिबिंब अपनी अनोखी आभा प्रस्तुत करता है।

दर्शनीय स्थल

- **चंदेरी का किला-** ग्यारहवीं शताब्दी में कीर्ति पाल द्वारा निर्मित चार मील से अधिक लंबी चंदेरी की दीवार, चंदेरी के इतिहास की मूक साक्षी है। परकोटे के अंदर बुंदेलखंड स्थापत्य के नौखड़ा महल और हवा महल दर्शनीय है।
- **जागेश्वरी देवी मंदिर :-** यह प्राचीन मंदिर पर्वत की एक खुली गुफा में स्थित है, इसकी मूर्ति स्वयंभू है। लोकश्रुति के अनुसार मां जागेश्वरी ने यहां के राजा को स्वप्न में कहा था कि मुझे नौ दिन नहीं देखा, तो मैं पूर्ण रूप में प्रकट हो सकती हूं। दर्शन की तीव्रता के कारण तीसरे दिन द्वार खोलने के कारण सिर्फ शीर्ष भाग ही मिला, जो मंदिर में स्थापित है। मंदिर के पास बना आकर्षित करता तालाब चंदेल कालीन कला का अनुपम उदाहरण है।
- **बूढ़ी चंदेरी :-** मौजूदा चंदेरी से 22 किमी की दूरी पर स्थित हैं। यहां 55 जैन मंदिरों के अवशेष मिलते हैं।
- **थूबोन जी :-** चंदेरी से 28 किमी की दूरी पर स्थित यहां दिगंबर जैन समाज के 16 जैन मंदिर हैं। निकट ही थूबोन नाम का एक ग्राम है, जहां भारतीय पुरातत्व विभाग का मूर्ति संग्रहालय तथा इसके आसपास दसवीं शताब्दी के अनेक जैन मंदिर उल्लेखनीय हैं।
- **बैंहटी मठ :-** चंदेरी से 18 किमी की दूरी पर दक्षिण-पूर्व दिशा में घने जंगलों के बीच स्थित यह मठ गुप्तकाल में तांत्रिकों की साधनास्थली रहा है। इसके 16 स्तंभों को पत्थर की बारीक कटाई से शेर, हाथी, मोर, घोड़े, हिरण, कमल के फूल एवं देवी देवताओं से सुसज्जित किया गया है।
- **देवी प्रतिमा-** चंदेरी से 12 किमी दूर वेदी की एक विलक्षण प्रतिमा है, जो अत्यंत प्राचीन एवं मनमोहक है।
- **खंदारगिरि-** यह स्थल चंदेरी से 2 किमी की दूरी पर दक्षिणांचल में स्थित। यहां पर सत्रहवीं शताब्दी से लेकर सोलहवीं शताब्दी तक की विशाल और भीमकाय शैल प्रतिमाएं बनी हुईं हैं।
- **दिल्ली दरवाजा :-** इस विशाल एवं कलात्मक द्वार का निर्माण दिलावर खां गौरी ने 1411 में निर्मित कराया था। इस महल के नीचे एक विशाल तालाब है, जहां हमेशा कमल के फूल खिले रहते हैं। यह तालाब बड़ा ही रमणीक लगता है। इसका निर्माण होशंगशाह गौरी ने 1433 ई. में कराया था।
- **कौशल महल :-** चंदेरी नगर से 4 किमी दूर फतेहाबाद गांव के पास मालवा के सुल्तान महमूद शाह प्रथम के द्वारा निर्मित 'कौशल महल' अपने अनूठी शैली के कारण मोहित करता है। चौकोर महल के चार प्रवेश द्वार हैं। यह विशाल महल वर्गाकार अफगान शैली में बना है तथा स्थापत्य कला का उकृष्ट नमूना है। इसका निर्माण महमूद खिलजी ने जौनपुर की जीत की खुशी में 1445 ई. में कराया था एवं इसका नाम कौशकेहफ्त मंजिल रखा था।
- **बत्तीस बावड़ी :-** चंदेरी से 2 किमी दूर उत्तर-पश्चिमी दिशा में तत्कालीन गर्वनर शेरखां ने सुल्तान गयासुद्दीन खिलजी के आदेशानुसार 1485 ई. में बत्तीस बावड़ी का निर्माण कराया था। इसमें पानी का स्तर हर घाट पर बराबर रहता है। यह बाबड़ी चंदेरी की 1200 बाड़ियों में विशेष स्थान रखती है।
- **जौहर स्मारक :-** चंदेरी के दक्षिण में चन्द्रगिरि पर्वत के ऊपर, किले के समीप जौहर स्मारक स्थित है। 1528 ई. में जब मुगल बादशाह बाबर ने महाराजा मेदनी राय को पराजित कर यह प्रसिद्ध दुर्ग छीना, तब 1500 राजपूत वीरांगनाओं में अपने सतीत्व की रक्षा के लिए जीवित ही अपने को अग्नि में समर्पित कर जौहर व्रत निभाया था। यह स्मारक इस घटना की याद दिलाता है।

ऐसे पहुंचें चंदेरी

वायु सेवा- ग्वालियर 259 किलोमीटर, भोपाल 258 किलोमीटर निकटवर्ती हवाई अड्डे हैं।

रेल सेवाएं- दिल्ली, मुंबई, चेन्नई मुख्य रेल मार्ग पर निकटवर्ती रेलवे स्टेशन ललितपुर (36 किमी), झांसी (124 किमी), मुंगावली (38 किमी) और अशोक नगर (46 किमी)।

सड़क मार्ग- शिवपुरी, ग्वालियर, अशोकनगर, गुना इंदौर, झांसी, ललितपुर, टीकमगढ़, विदिशा, सांची, भोपाल के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध है।

अनुकूल मौसम :- जुलाई से मार्च।

गलती से मिली सीख बनी सच्ची पहचान

आपबीती

वर्ष 1980 की बात है। पिता चंपावत जिले के सुदूर गांव तरकुली के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। मैं तब कक्षा एक में था। शाम के समय पिताजी खाना बनाने की तैयारी करते और मैं पास ही बैठकर बीबीसी रेडियो पर समाचार लगाया करता। उन्होंने मुझे एक एटलस देकर कहा कि समाचार में जिस देश का नाम आए, उसे नक्शे पर खोजकर दिखाना है। यह रोजाना का क्रम था। एक दिन वेस्टइंडीज के क्रिकेट मैच की चर्चा चल रही थी। मैं नक्शे में उसे ढूंढने लगा, पर कहीं नहीं मिला, जब मैंने पिताजी को बताया कि यह देश नहीं मिल रहा, तो उन्होंने गुस्से में एक थप्पड़ लगा दिया। बाद में जब खुद उन्हें भी वेस्टइंडीज नहीं मिला, तो वे शर्मिंदा हुए। अगले दिन वे पास के जूनियर हाईस्कूल गए, जानकारी जुटाई और विद्यालय में सभी के साथ साझा की। तभी उन्होंने सिखाया कि गलती मानना और उससे सीखना ही सच्चे शिक्षक की पहचान है। वेस्टइंडीज कोई देश नहीं, बल्कि कैरेबियाई द्वीपों का समूह है, जो खेलों में एक इकाई के रूप में भाग लेते हैं। यह ज्ञान तो बाद में मिला, पर उस घटना ने मुझे सीख दी कि सच्ची शिक्षा वही है, जो जिज्ञासा को जीवित रखे और सत्य की खोज में ईमानदारी बरते।

एक और घटना मेरे बचपन की यादों में दर्ज है। जब मैं कक्षा तीन में था, पिताजी ने मुझे ब्लैकबोर्ड पर गणित का सवाल हल करने को कहा-एक भैंस का मूल्य सात सौ पच्चीस रुपये है। मैंने लिखा 70025 रुपये, उस समय समझ नहीं पाया कि सात सौ पच्चीस का अर्थ 725 होता है, न कि सत्तर हजार पच्चीस। गलती पर डांट और कुछ थप्पड़ भी पड़े, पर बाद में वही गलती मेरे जीवन की सबसे बड़ी सीख बनी। आज, जब मैं स्वयं गणित का प्राध्यापक हूं, तो समझ पाता हूं कि बच्चों को सिखाने का अर्थ सिर्फ सही उत्तर दिलाना नहीं, बल्कि उन्हें समझाने और दृश्य रूप में दिखाने का हुनर सिखाना है। शिक्षा संस्थानों में आज भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन यदि हम ईमानदारी और लगन से अपना कार्य करते रहें, अपनी गलतियों से सीखते रहें और उस सीख को साझा करें तो यही सच्ची शिक्षा है।

डॉ. नरेंद्र सिंह सिजवाली
असिस्टेंट प्रोफेसर
एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी

लव बर्ड्स

लस्सी पर किया प्रपोज

मई 2018 की एक तपती दोपहर में वेटर ने तेजी से लस्सी के दो कुल्हड़ मेज पर रखें। उनमें से एक कुल्हड़ हल्का-सा डगमगाया, लेकिन एक नाजुक से हाथ ने उसे थामकर गिरने से बचा लिया। सामने बैठे लड़के को लगा कि जैसे डगमगाता हुआ कुल्हड़ और उसे थामने वाला हाथ उसका भविष्य हो।

इतने शॉर्ट नोटिस में, तपती धूप में भूखी-प्यासी कई ऑटो-टेपो बदलकर इस छोटे से रेस्तरां तक पहुंची लड़की वैसे तो भीतर ही भीतर झल्लाई हुई थी, पर फिर भी खुद को शांत रखते हुए धीमे से लस्सी का एक सिप लिया और पूछा- "हमें तो बच्चों के पास संडे को जाना था, आपने अचानक मुझे यहां क्यों बुला लिया?"

लड़के ने रेस्तरां के हल्के नीले कांच के बाहर कुछ यूं देखा जैसे शब्द तलाश रहा हो। फिर अपनी आंखों से काला चश्मा उतारकर मेज पर रखा और सीधे लड़की की आंखों में देखते हुए कहा- "मुझसे शादी कर लीजिए।" "क्या मतलब?" लड़की लस्सी और शब्दों को साथ में घोलती हुई बोली- "आप समझ रहे हैं कि क्या बोल रहे हैं?"

"हां! देखिए, आप मेरा अतीत और वर्तमान सब जानती हैं। मेरे घर वालों को भी आप पसंद हैं और कहीं न कहीं आपको तो शादी करनी ही है न, तो मुझसे ही कर लीजिए।" लड़का, लड़की के ऊपरी होंठ पर लगी लस्सी की सफेद मूंछ को देखते हुए एक सांस में बोल गया। "नहीं, करनी नहीं है। मेरी शादी करीब-करीब फाइनल हो गई है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, बैंगलोर में। यहीं स्वरूप नगर में मकान है उनका और अब तो सगाई की डेट फाइनल होने वाली है।" लड़की ने सारी संभावनाओं पर पूर्ण विराम लगाते हुए कहा।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर यानी लाखों में कमाई और मैं एक अदना-सा कलम घसीटने वाला लेखक, जिसके नाम के साथ बदनामी ज्यादा जुड़ी है। उसका बड़ा घर और मेरा खानाबदोश-सा जीवन। उसका बेहतर और चमकदार भविष्य और मैंने तो आज तक आने वाले कल के बारे में सोचा तक नहीं। लड़का खुद-ब-खुद उस सॉफ्टवेयर इंजीनियर से अपनी तुलना करने लगा। लड़की भी चुप थी। उनके बीच का मौन अतीत बोल रहा था। उन्हें याद आ रहा था- एक व्हाट्सएप ग्रुप में पहली बार बात होना, हर इतवार साथ में अनाथ बच्चों के पास जाना, लड़के की किसी लड़की से दस साल पुरानी मोहब्बत का अंत होना और उस दौरान लड़की का उसे एक अच्छी दोस्त की तरह संभालना। कितना कुछ था, जो सिर्फ "प्रेम" शब्द में परिभाषित नहीं हो सकता था।

"ठीक है पर अगर तुम मुझसे शादी करती हो, तो तुम्हें अपना शहर भी नहीं छोड़ना होगा और मैं तुम्हें खुश रखूंगा।" लड़के ने अंतिम बात कहकर आंखों पर चश्मा लगाते हुए वेटर को बिल लाने का इशारा किया।

लड़की जानती थी, एक तरफ बैंगलोर वाला अनजान लड़का है और दूसरी तरफ उसका थोड़ा-सा अजीब दोस्त। एक तरफ सब सेट और एक तरफ सिर्फ संघर्ष, लेकिन वह जानती थी कि उसका दोस्त अब उसकी उम्र भर के लिए जरूरत है। "सगाई की डेट अभी फाइनल नहीं हुई है, शायद अब हो भी न।" लड़की ने हल्की-सी मुस्कान के साथ कहा। "मतलब क्या?" अब हैरानी की बारी लड़के की थी। "मतलब लस्सी पिलाकर प्रपोज करने का तरीका एकदम घटिया था लेखक महोदय, पर फिर भी मैं इसे मना नहीं कर रही हूं। बाकी घर जाकर बताती हूं।"

आज वह लड़का और लड़की इस शहर में "मृदुल-प्रिया" के नाम से जाने जाते हैं। लोग उन्हें प्रेम नहीं, दो अस्तित्वों की पूर्णता कहते हैं।

-मृदुल और प्रिया

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,216.28	25,492.30
गिरावट	94.73	17.40
प्रतिशत में	0.11	0.07

सोना 1,24,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,300 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 8 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2235, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13 किग्रा 1965, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1900, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2130, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : डालमियां NA, पीलीभीत 4440, सितारगंज 4350, धामपुर NA

बिजनेस ब्रीफ

बीएचईएल को मिला 6,650 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। सार्वजनिक इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में दर्लीपाली सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट के दूसरे चरण में 800 मेगावाट की इकाई स्थापित करने के लिए एनटीपीसी से 6,650 करोड़ का ठेका मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि बीएचईएल को एनटीपीसी से 1x800 मेगावाट दर्लीपाली एसटीपीपी के दूसरे चरण का ठेका मिला है। यह ठेका इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) कार्यों से संबंधित है। इसमें डिजाइन, इंजीनियरिंग, उपकरणों की आपूर्ति के साथ निर्माण और उसे चालू करने का काम भी है। इसका आकार जीएसटी छोड़कर 6,650 करोड़ है। इसे 48 महीने में पूरा करना है।

स्टड्स की शुरुआत धीमी, 3% लुढ़का

नई दिल्ली। हेलमेट विनिर्माता स्टड्स एक्सेसरीज लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 585 के मुकाबले तीन प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शुरुआत निर्गम मूल्य से 2.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 570 रुपये पर हुई। एनएसई पर यह 3.41 प्रतिशत फिसलकर 565 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 2,255.54 करोड़ रहा। स्टड्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन शुक्रवार को 73.25 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 455 करोड़ रुके आईपीओ के लिए 557-585 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया था।

आरबीआई सावधानी से बढ़ रहा आगे : मल्होत्रा

केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा- साहस की आवश्यकता के कारण बैंक मानदंडों में दी गई ढील

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन साहस दिखाने की आवश्यकता के कारण हाल ही में बैंकों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले नियमों में ढील दी गई है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आयोजित बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 में मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि बैंकों पर अधिक जिम्मेदारियां उनके बेहतर प्रदर्शन एवं बेहतर कामकाज के कारण हैं। केंद्रीय बैंक के पास किसी भी गलत व्यवहार पर लगाम लगाने के लिए पर्याप्त साधन मौजूद हैं। आरबीआई सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना चाहता है। कोई भी नियामक 'बोर्डरूम' के निर्णय का स्थान नहीं ले सकता है और न ही उसे ऐसा करना चाहिए।

मुंबई में एसबीआई के सभा को संबोधित करते संजय मल्होत्रा।

- **कहा- केंद्रीय बैंक के पास गलत व्यवहार पर लगाम लगाने को पर्याप्त साधन मौजूद**

प्रत्येक मामले को विनियमित संस्था द्वारा योग्यता के आधार पर देखा जाना चाहिए। आरबीआई ने पिछले महीने कई उपायों की घोषणा की थी जिनमें बैंकों को घरेलू अधिग्रहणों के लिए धन मुहैया कराने और रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए विदेशी उधारी लेने की अनुमति देना शामिल है। पदभार ग्रहण करने के बाद से मल्होत्रा ने कारोबार को आसान बनाने और किसी भी कदम की घोषणा करने से पहले नियमों को ध्यान में रखने पर जोर दिया है।

मल्होत्रा ने इन कदमों के पीछे के तर्क को स्पष्ट करते हुए कहा कि जबकि हम सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं, हमें साहस भी दिखाना होगा। अल्पकालिक वृद्धि के पीछे भागते हुए वित्तीय स्थिरता से समझौता करने से वृद्धि पर दीर्घकालिक प्रभाव होगा जिससे लागत बढ़ सकती है। केंद्रीय बैंक को आर्थिक संदर्भ के प्रति सचेत रहने और संतुलन बनाने की आवश्यकता है। रियल एस्टेट कंपनियों को विदेश से उधार लेने की अनुमति देने के कदम पर मल्होत्रा ने कहा कि ईसीबी की अनुमति केवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मानदंडों के अनुरूप परियोजनाओं के लिए है। किसी भी सट्टा गतिविधि या भूमि खरीद के लिए यह प्रतिबंधित रहेगा।

30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय क्षेत्र में और सुधारों की जरूरत

नई दिल्ली। भारत को 2047 तक 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने तथा निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में यह बात कही गई। इसमें स्वीकार किया गया कि भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सरकारी कार्यक्रमों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार किया है। रिपोर्ट में खाता उपयोग को और बढ़ावा देने, और व्यक्तियों तथा एमएसएमई के लिए वित्तीय उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच को आसान बनाने के सुझाव भी दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) का संयुक्त कार्यक्रम एफएसएपी है, जो किसी देश के वित्तीय क्षेत्र का व्यापक और गहन विश्लेषण करता है। वित्तीय क्षेत्र आकलन कार्यक्रम (एफएसएपी) सितंबर 2010 से प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण वित्तीय क्षेत्रों वाले क्षेत्राधिकारों के लिए अनिवार्य हो गया है। इस समय भारत सहित 32 क्षेत्राधिकारों के लिए हर पांच साल में और अन्य 15 क्षेत्राधिकारों के लिए हर 10 साल में वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसएपी) आयोजित करना अनिवार्य है। एफएसएपी के अंतिम भाग के रूप में आईएमएफ वित्तीय प्रणाली स्थिरता आकलन (एफएसएसए) रिपोर्ट व विश्व बैंक वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसए) रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। भारत के लिए पिछला एफएसएपी 2017 में हुआ था। एफएसएसए रिपोर्ट आईएमएफ द्वारा दिसंबर 2017 में और एफएसए रिपोर्ट विश्व बैंक द्वारा दिसंबर 2017 में प्रकाशित की गई थी।

एचएएल तेजस विमानों के लिए जीई एयरोस्पेस से 113 जेट इंजन खरीदेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने अमेरिकी रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस के साथ अपने तेजस हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) कार्यक्रम के लिए 113 जेट इंजनों की खरीद का बड़ा करार किया है। यह समझौता भारतीय उत्पादों के आयात पर अमेरिका में 50% सीमा शुल्क लगाने से दोनों देशों के संबंधों में आए तनाव के बीच हुआ है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि एफ-404 जीई-आईएन20 इंजन की आपूर्ति 2027 से शुरू होकर 2032 तक पूरी की जाएगी। इस सौदे का मूल्य एक अरब डॉलर (8,870 करोड़ रुपये) रहने का अनुमान है। एचएएल ने कहा कि उसने एलसीए तेजस एमके-1ए के 97 विमानों के निर्माण के लिए इंजन और सहयोगी पैकेज की आपूर्ति के लिए जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी (जीई) से यह करार हुआ है। रक्षा मंत्रालय ने सितंबर में एचएएल के साथ 62,370 करोड़ रुपये का सौदा किया था। इसके तहत भारतीय वायुसेना के लिए 97 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद होगी। 'तेजस' एकल इंजन वाला बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है, जिसे अधिक खतरे वाले हवाई अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है।

- **भारतीय उत्पादों के आयात पर लगाए अमेरिकी शुल्क से पैदा हुए तनाव के बीच हुआ समझौता**

चालू वित्त वर्ष में 6.8% से अधिक की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था : सीईए

नई दिल्ली, एजेंसी

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.8% से अधिक रहने का भरोसा जताते हुए कहा कि जीएसटी दरों में कटौती और आयकर राहत से खपत में आई तेजी इसका मुख्य कारण है। जनवरी में संसद में पेश की आर्थिक समीक्षा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर 6.3 से 6.8% के बीच रहने का अनुमान लगाया गया था।

नागेश्वरन ने ग्लोबल लीडरशिप समिट 2025 में कहा, अब मुझे 6.8% से ऊपर की दर सहजता से नजर आ रही है। अगस्त में हमें चिंता थी कि हम 6-7% की सीमा के निचले स्तर तक ही रह जाएंगे, लेकिन अब यह स्पष्ट है कि वृद्धि दर 6.5% से अधिक होगी और संभवतः 6.8% से भी ऊपर जाएगी। हालांकि 7% का आंकड़ा कहने से पहले दूसरी तिमाही के आंकड़ों का इंतजार रहेगा। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8% रही थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन और व्यापार, होटल, वित्तीय सेवाओं एवं रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों की मजबूती से हासिल हुई। पिछली सर्वाधिक 8.4% जीडीपी वृद्धि दर जनवरी-मार्च 2024 में दर्ज की गई थी। चीन की वृद्धि दर अप्रैल-जून तिमाही में 5.2% रही थी। इस तरह भारत अब भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

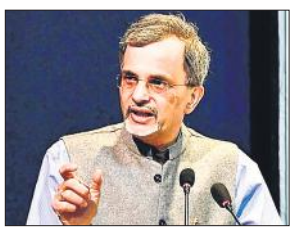

- **नागेश्वरन बोले- जीएसटी दरों में कटौती और आयकर राहत से खपत में आई तेजी मुख्य कारण**

नागेश्वरन ने कहा कि यदि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) संपन्न हो जाता है तो आर्थिक वृद्धि को अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर व्यापार मोर्चे पर कोई समाधान निकल आता है, तो वृद्धि का अनुमान और ऊंचा हो सकता है। उन्होंने यह समझौता जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई लेकिन इसकी कोई समयसीमा नहीं बताई।

शॉर्ट सेलिंग, एसएलबी ढांचे की समीक्षा को बनेगा कार्य समूह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को कहा कि बाजार नियामक जल्द ही 'शॉर्ट सेलिंग' और प्रतिभूति उधारी (एसएलबी) ढांचे की व्यापक समीक्षा के लिए कार्य समूह का गठन करेगा। 'शॉर्ट सेलिंग' शेयर बाजार में कारोबार की रणनीति है, जिसमें निवेशक किसी शेयर के दाम गिरने की आशंका में मुनाफा कमाने की कोशिश करता है।

2007 में शुरू हुई शॉर्ट सेलिंग की रूपरेखा लगभग अपरिवर्तित रही है। 2008 में शुरू हुई और कई बार संशोधित की गई एलएलबी प्रणाली भी वैश्विक बाजारों के लिए पूरी तरह तैयार नहीं है, जिससे इसके गहन पुनर्मूल्यांकन की जरूरत उजागर होती है। ग्लोबल लीडरशिप समिट' में पांडेय ने कहा कि हम शॉर्ट सेलिंग और एसएलबी ढांचे की समीक्षा के लिए जल्द कार्य समूह का गठन करेंगे। एसएलबी प्रणाली के तहत, अपने डीमैट खातों में शेयर रखने वाले निवेशक या संस्थान, शुल्क लेकर उन्हें अन्य बाजार सहभागियों को उधार दे सकते हैं। यह लेनदेन शेयर बाजारों के मंच के माध्यम से निष्पादित किया जाता है। इसमें 'क्लियरिंग कॉर्पोरेशन' सुचारू एवं सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करने को लेकर गारंटी प्रदान करता है।

- **सेबी पांडेय ने बताया- स्टॉकब्रोकर और म्यूचुअल फंड नियमों की व्यापक समीक्षा पहले से ही जारी**

आईपीओ मूल्यांकन पर खुदरा निवेशकों के लिए और सुरक्षा उपायों की जरूरत: सेबी

मुंबई। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश वार्ष्णेय ने शुक्रवार को कहा कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के मूल्यांकन को लेकर कोई नियामकीय कमी नहीं है, लेकिन हमें यह देखना होगा कि खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए हम और सुरक्षा उपाय कैसे कर सकते हैं। उन्होंने कंपनी संचालन से संबंधित शिखर सम्मेलन 'गेटकीपर्स ऑफ गवर्नेंस' के 10वें संस्करण में कहा कि बाजार नियामक का पूंजी निर्गम के नियंत्रण से हटना एक सही कदम है, लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन उचित, प्रभावी और कुशलतापूर्वक हो। वार्ष्णेय ने कहा कि मैं यह नहीं कह रहा कि इसमें नियामकीय कमी है, लेकिन इस बात पर विचार करना अच्छा होगा कि जो मूल्यांकन किया जा रहा है वह सही है या नहीं। हमने देखा है कि बहुत सारे आईपीओ आ रहे हैं, जहां खुदरा निवेशक मूल्यांकन को चुनौती दे रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि उधारकर्ता आमतौर पर इन प्रतिभूतियों का इस्तेमाल 'शॉर्ट-सेलिंग' के लिए या निपटान विफलताओं से बचने के लिए करते हैं। निवेशकों को निष्क्रिय शेयर पर अतिरिक्त आय अर्जित करने में सक्षम बनाकर, एसएलबी ढांचा न केवल उधारदाताओं को लाभान्वित करता है बल्कि नगदी एवं समग्र बाजार दक्षता में भी सुधार करता है। पांडेय ने बताया कि स्टॉकब्रोकर और म्यूचुअल फंड नियमों की व्यापक समीक्षा पहले से ही जारी है। सेबी प्रमुख ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के बहिर्वाह से जुड़ी चिंताओं पर भी बात की।

सोना-चांदी के गिरते भाव

घबराने की बजाये दिखाएं समझदारी

सोना और चांदी के भावों में तेज वृद्धि के बाद लगातार हो रही तेज गिरावट से निवेशक असमंजस की स्थिति में है कि वह धातु में किए निवेश को रखें या बेच दें। वहीं वैश्विक आर्थिक दबाव, डॉलर की मजबूती और ब्याज दरों में बढ़ोतरी ने कीमती धातुओं को प्रभावित कर रखा है। ऐसी स्थिति में कई निवेशक घबराहट में अपने निवेश को निकालने की सोच रहे हैं, जबकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह समय घबराने का नहीं, बल्कि समझदारी से निर्णय लेने का है। सही रणनीति अपनाकर न केवल नुकसान से बचा जा सकता है, बल्कि भविष्य में लाभ के अवसर भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

पैनिक होने से बचें

बाजार में गिरावट और बढ़त निरंतर होने वाली घटना है, जिसे देखकर भावनात्मक निर्णय लेना एक बड़ी गलती हो सकती है। निवेशकों को अपने निर्णय डेटा, रिपोर्ट और वास्तविक जरूरतों के आधार पर ही लेने चाहिए। बाजार के हर उतार-चढ़ाव को सामान्य प्रक्रिया की तरह ही मानें। पैनिक होकर की गई सेलिंग से नुकसान बढ़ता है, जबकि धैर्यपूर्ण किए गए निवेश से पूंजी को मजबूती मिलती है। यदि आवश्यक हो, तो अपने वित्तीय सलाहकार से राय लें और दीर्घकालिक योजना पर टिके रहें।

गिरावट के कारण

सोना और चांदी की कीमतों में आई गिरावट के पीछे मुख्य कारण वैश्विक अनिश्चितता, डॉलर की मजबूती, अमेरिका में बॉण्ड यील्ड का बढ़ना और केंद्रीय बैंकों की मौद्रिक नीतियों को माना जा रहा हैं। सुरक्षित निवेश से निकलकर निवेशक इस समय शेयर बाजार या अन्य सेक्टरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिससे कीमती धातुओं की मांग अस्थायी रूप से घटती जा रही है।

दिनांक	सोना	चांदी
28 अक्टूबर	1,25,900	1,51,250
29 अक्टूबर	1,21,800	1,45,000
30 अक्टूबर	1,21,000	1,48,500
31 अक्टूबर	1,23,400	1,55,000
4नवंबर	1,25,300	1,54,000
5 नवंबर	1,24,100	1,51,500
7 नवंबर	1,24,700	1,53,300
8- नवंबर	1,24,600	1,53,300

निवेशक क्या करें

जिन्होंने ऊंचे भाव पर सोना-चांदी में निवेश कर रहा है, उन्हें अभी इसको बेचने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। ऐतिहासिक रूप से देखा गया है कि कीमती धातुओं की कीमतें दीर्घकाल में फिर बढ़ती हैं। निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता को बनाएं रखना चाहिए और लंबी अवधि के दृष्टिकोण को अपना चाहिए, जिससे भविष्य में उसके दाम फिर से बढ़ सके।

नए निवेशकों के लिए सुझाव

यह नए निवेशकों के लिए अच्छा मौका हो सकता है, क्योंकि गिरावट के दौरान खरीदी गई संपत्ति भविष्य में अच्छे रिटर्न दे सकती है। लेकिन निवेश सीमित और सोच-समझकर किया गया हो। विशेषज्ञों के अनुसार ही खरीदारी करें और एकमुश्त निवेश के बजाय धीरे-धीरे करें ताकि लाभ अर्जित किया जा सके।

सरकार नियमों के बजाय एआई नवाचार को देती है प्राथमिकता : आईटी सचिव

- **कृष्णन ने कहा- नवाचार को परिवेश तैयार करना, जिसमें विकास के साथ विनियमन भी हो**

भारत में एआई का उपयोग रिकॉर्ड गति से बढ़ रहा

नई दिल्ली। अमेरिकी कंपनी ओपनएआई में अंतर्राष्ट्रीय रणनीति के प्रबंध निदेशक ओलिवर जे ने शुक्रवार को कहा कि भारत में एआई अपनाने में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है और इसकी गति हर साल तीन गुना बढ़ रही है। जे ने कहा कि देश में एआई को अपनाने की यह तीव्र गति युवा आबादी द्वारा इसके बढ़ते इस्तेमाल से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि भारत में हम जो गति देख रहे हैं वह अविश्वसनीय है। हम जबरदस्त वृद्धि देख रहे हैं। भारत में हमने जो वृद्धि देखी है वह साल दर साल तीन गुना हो गई है...। जे ने कहा कि जब हम भारत के बारे में सोचते हैं, तो हमारा मूल विश्वास है कि अगर आप भारत के लिए निर्माण करते हैं तो आप दुनिया के लिए भी निर्माण कर सकते हैं। भारत वास्तव में अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी को अपनाने में अग्रणी है।

नई दिल्ली, एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र में तत्काल नियमन लागू करने के बजाय नवाचार को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देगी। विनियमन संबंधी चिंताओं पर कृष्णन ने कहा कि प्राथमिक उद्देश्य एआई नवाचार के लिए अनुकूल परिवेश तैयार करना है जिसमें क्षेत्र के विकास के साथ विनियमन भी शामिल हो।

कृष्णन ने ग्लोबल लीडरशिप समिट 2025 में कहा, आज मूलतः नवाचार पर जोर दिया जा रहा है। जोर इस पर है कि एआई के क्षेत्र में नवाचार को पर्याप्त अवसर मिले ताकि हम इसका भरपूर लाभ उठा सकें। साथ ही, इससे होने वाले संभावित नुकसानों से भी बच सकें। उन्होंने कहा, हमारा एआई और भारत एवं विश्व पर इसके प्रभाव के बारे में बहुत सकारात्मक दृष्टिकोण है। इसलिए हमें इस क्षेत्र में नवाचार को यथासंभव अधिक स्थान देने की आवश्यकता है। साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था एवं भारत के लोगों द्वारा प्रौद्योगिकी के रूप में एआई के वास्तविक लाभों को हासिल करने की जरूरत है।

सभी प्रौद्योगिकियों की तरह इसमें भी कुछ ऐसे तत्व होंगे जो समस्या उत्पन्न करेंगे और जहां भी समस्याएं उत्पन्न होंगी, सरकार मौजूदा कानूनी ढांचे का उपयोग करेगी एवं नियमों में बदलाव करेगी। बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को जारी रखने और बढ़ाने के लिए आंतरिक चर्चा तथा परामर्श जारी है।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 689.73 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई, एजेंसी

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 5.62 अरब डॉलर घटकर 689.73 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विदेशी मुद्रा भंडार 24 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 6.92 अरब डॉलर घटकर 695.35 अरब डॉलर रहा था।

शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 31 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.96 अरब डॉलर घटकर 564.59 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड व येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है।

- **रिजर्व बैंक के अनुसार 5.62 अरब डॉलर की आई गिरावट**

आरबीआई ने बताया कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.81 अरब डॉलर घटकर 101.73 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 1.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.64 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित भंडार 16.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.77 अरब डॉलर रहा।

आयातक की जगह भारत बन रहा ईंधन निर्यातक देश : गडकरी

भुवनेश्वर। केंद्रीय सड़क परिवहन एंव राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत ईंधन आयातक देश से निर्यातक देश की ओर बढ़ रहा है। गडकरी ने कहा कि यह बदलाव एथनॉल, मेथनॉल और हरित हाइड्रोजन के बढ़ते उत्पादन और उपयोग से संभव हो रहा है।

भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के 84वें वार्षिक सत्र में गडकरी ने सड़क सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जिसमें उन्नत इंजीनियरिंग मानकों, बेहतर परिवहन प्रणालियों और जागरूकता पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि भारत ईंधन आयातक से ईंधन निर्यातक देश बन रहा है। यह एथनॉल, मेथनॉल, बायो-एलएनजी, सीएनजी और हरित हाइड्रोजन के बढ़ते उत्पादन और उपयोग से संभव हो रहा है।

मुक्त व्यापार समझौता | वस्तु बाजार पहुंच, सेवाओं, आर्थिक व तकनीकी सहयोग और निवेश पर बैठक वार्ता रही केंद्रित

भारत-न्यूजीलैंड के बीच चौथा दौर पूरा, अंतिम रूप देने पर बनी सहमति

रोटोरुआ, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए चौथे दौर की वार्ता शुक्रवार को पूरी कर ली। दोनों पक्षों ने इसको शीघ्र अंतिम रूप देने की दिशा में काम करने को लेकर सहमति व्यक्त की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के साथ इन वार्ताओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए यहां पहुंचे हैं। गोयल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता का चौथा दौर वस्तु बाजार पहुंच, सेवाओं, आर्थिक व तकनीकी सहयोग और निवेश के अवसरों पर केंद्रित रहा। उन्होंने कहा, हम भारत और न्यूजीलैंड के बीच बढ़ते रणनीतिक व आर्थिक संगम के अनुरूप एक संतुलित, व्यापक तथा पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते को शीघ्र पूरा करने की दिशा में काम करने के लिए तत्पर हैं। इस तीन दिवसीय यात्रा के दौरान गोयल ने व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के उपायों पर चर्चा करने के लिए उद्योग दिग्गजों के साथ बैठकें भी कीं।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा गोयल ने न्यूजीलैंड के कई व्यापारिक दिग्गजों के साथ बैठकें कीं। इनमें वैलोसिटी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कारमेन वाइसलिच, स्लंबरजोन के सीईओ रंजय सिक्का और मीट इंडस्ट्री एसोसिएशन के चेयरमैन नाथन गाय शामिल हैं। इन बैठकों में कृषि, पर्यटन, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, खेल, गेमिंग और ड्रोन प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग बढ़ाने में बढ़ती रुचि दिखी। मंत्रालय ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति को देखते हुए अंतरिक्ष सहयोग को भविष्य के लिए एक आशाजनक क्षेत्र माना गया। इससे पहले छह नवंबर को गोयल ने कहा था कि उम्मीद जताई थी कि मुक्त व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

भारत-अमेरिका समझौते पर अच्छी खबर आने की उम्मीद

नई दिल्ली। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि अमेरिका के साथ भारत के प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर नवंबर के अंत तक सकारात्मक खबरें सामने आ सकती हैं। नवंबर के अंत तक राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन शुरू हो जाएगा। अमेरिका के साथ चीजें थोड़ी मुश्किल रही हैं और इसे फिर से शुरू करने की कोशिश की जा रही है। व्यापार वार्ता चल रही है, उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक हमें कुछ सकारात्मक खबर मिल सकती है। सीईओ ने कहा कि भारत लगातार विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनियां भारत में वैश्विक क्षमता केंद्र खोल रही हैं। इसका मतलब है कि भारत का मूल आकर्षण बाकी सब चीजों पर भारी पड़ेगा। उनकी ये टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका इस बात का दबाव बना रहा है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करे।

भारत-यूरोपीय संघ वार्ता तेज करने पर सहमत

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ ने एक संतुलित व्यापार समझौते के लिए वार्ता को गति देने पर सहमति जताई है। इसके साथ भारत ने ईयू के प्रस्तावित कार्बन कर और नई इस्पात नियमन व्यवस्था पर स्पष्टता की जरूरत पर भी बल दिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि तीन से सात नवंबर तक यूरोपीय संघ के वरिष्ठ वार्ताकारों का प्रतिनिधिमंडल नयी दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ बैठकों में शामिल हुआ। ये बैठकें एक व्यापक, संतुलित और परस्पर लाभकारी व्यापार समझौते की दिशा में चल रही वार्ताओं का हिस्सा थीं। वार्ता के दौरान वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने यूरोपीय आयोग की व्यापार महानिदेशक सबीने वेयांड के साथ विस्तृत बैठक की और अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की।

वर्ल्ड ब्रीफ

ब्रिटेन की मंत्री लिसा ने नियमों के उल्लंघन को लेकर माफी मांगी

लंदन। ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मामलों की मंत्री लिसा नंदी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर से तब माफी मांगी जब यह पाया गया कि इंग्लैंड के नए फुटबॉल निगरानीकर्ता की नियुक्ति करते समय उन्होंने अनजाने'' में देश के सार्वजनिक नियुक्ति नियमों का उल्लंघन किया था। सार्वजनिक नियुक्तियों के स्वतंत्र आयुक्त सर विलियम शॉक्रॉस ने अपनी रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला कि पिछले महीने डेविड कोगन की नियुक्ति शासन संहिता का उल्लंघन है, क्योंकि उन्होंने पांच साल पहले भारतीय मूल की ब्रिटेन की मंत्री के लेबर पार्टी के नेतृत्व अभियान के लिए कुल 2,900 पाउंड के दो दान दिए थे। शॉक्रॉस ने अपनी जांच में लिखा, आयुक्त ने पाया है कि नंदी ने अनजाने में संहिता का उल्लंघन किया है। उन्हें यह जांच करनी चाहिए थी और कोगन को चुनने से पहले आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए थी।

कैरिबियाई सागर में जहाज पर अमेरिका का हमला, 3 लोग मारे गए

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना के गुरुवार को कैरिबियन सागर में एक जहाज पर किए गए हमले में तीन लोग मारे गए। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने 'एक्स' पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देशन में युद्ध विभाग ने घोषित आतंकवादी संगठन के एक जहाज पर घातक हमला किया। यह जहाज कैरिबियाई क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त था। इस अभियान में किसी भी अमेरिकी सैनिक को कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बीच संसद के कई सदस्यों और मानवाधिकार संगठनों ने इस कार्रवाई की आलोचना की है और कहा कि संदिग्ध ड्रग तस्करों पर अदालतों में मुकदमा चलाया जाना चाहिए था। ट्रंप प्रशासन ने अभी तक ऐसा कोई सबूत जारी नहीं किया है कि जहाज नशीले पदार्थ ले जा रहे थे या उनका मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह से संबंध था।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर दागी मिसाइल, नुकसान नहीं

सोल। उत्तर कोरिया के शुक्रवार को अपने पूर्वी जलक्षेत्र की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागने से इलाके में तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ़ ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र ताइक्वान के आसपास के एक अंतरदेशीय क्षेत्र से यह मिसाइल दागी गयी। उन्होंने उड़ान के बारे में और जानकारी नहीं दी, पर यह अवश्य कहा कि दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया द्वारा और अधिक प्रक्षेपणों की आशंका के खिलाफ निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है और अमेरिका तथा जापान के साथ जानकारी साझा की जा रही है। जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि मिसाइल देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर के जलक्षेत्र में गिरी।

प्रत्यर्पित किया जा रहा ब्रिटिश दिल्ली हवाई अड्डे से फरार

नई दिल्ली, एजेंसी

- **राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर तलाश अभियान, नहीं चला पता**

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़ी सुरक्षा चूक में बैंकॉक से आया एक ब्रिटिश नागरिक आव्रजन क्षेत्र से भाग गया। बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चलाने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि यह घटना 28 अक्टूबर को हुई जब फिट्ज पैट्रिक नामक ब्रिटिश नागरिक बैंकॉक से दिल्ली पहुंचा। पैट्रिक को थाईलैंड के रास्ते ब्रिटेन प्रत्यर्पित किया जाना था, लेकिन दिल्ली पहुंचने के बाद वह आव्रजन क्षेत्र में अधिकारियों को चकमा देकर भाग निकला और किसी कार्रवाई से पहले ही हवाई अड्डे से बाहर निकल गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ब्रिटिश नागरिक को थाईलैंड के रास्ते ब्रिटेन भेजा जाना था लेकिन वह भागकर शहर में घुस गया। दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाश अभियान शुरू कर दिया है और प्राथमिकी दर्ज की गई है। हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार सीआईएसएफ ने आव्रजन ब्यूरो और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर भगोड़े का पता लगाने के लिए समन्वित प्रयास शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि संभावित चूक की पहचान के लिए हवाई अड्डे के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

वंदे मातरम् की यात्रा

महात्मा गांधी ने चिंता जताई थी कि यदि लोग वंदे मातरम को त्याग देते हैं तो वे भविष्य में 'जय हिंद' को भी त्याग सकते हैं। उन्होंने 'जय हिंद' के अभिवादन का समर्थन किया था।

आनंद मठ से आजादी के आंदोलन तक

आजादी के आंदोलन के अमर गीत वंदे मातरम की रचना उन दिनों की बात है, जब अंग्रेजों ने भारतीयों पर 'गॉड सेव द क्वीन' गीत गाए जाने का आदेश थोप दिया था। अंग्रेजों के इस आदेश से व्यथित बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय उन्हीं दिनों की एक शाम बंगाल के गांव कांतलपाड़ा में

प्राकृतिक सौंदर्य को निहारते हुए मातृभूमि के प्रति इतने भावुक हो गए कि इस अमर गीत की रचना कर डाली। देशभक्ति के साथ मातृभूमि को देवी के रूप में पूजने की भावना के साथ रचा गया यह गीत 1882 में जब उनके उपन्यास 'आनंदमठ' में प्रकाशित होकर देशवासियों तक पहुंचा तो देशभक्ति, एकता और स्वतंत्रता आंदोलन में संघर्ष और बलिदान का प्रतीक बन गया। इसके बाद क्रांतिकारियों के जोश के प्रतीक के रूप में यह गीत कांग्रेस के अधिवेशनों, प्रदर्शन और रैलियों में गाया जाने लगा। अंग्रेजों ने 1907 में इसके सार्वजनिक गायन पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन यह गीत आजादी के आंदोलन का अभिन्न हिस्सा बना रहा।

आजादी के आंदोलन में वंदे मातरम की भूमिका

- यह गीत आजादी की लड़ाई में भारतीयों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। इसने अंग्रेजों के होश उड़ा दिए।
- 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में हुए स्वदेशी आंदोलन के दौरान भी यह सबसे प्रमुख नारा बन गया।
- स्वराज और आत्मनिर्भरता की भावना को जन्म दिया, देश भर के आंदोलनों को एकता के सूत्र में पिरोया।

वंदे मातरम् का इतिहास

- बंकिम चंद्र ने 7 नवंबर 1875 को इस गीत की रचना की थी और 1882 में अपने उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया था।
- यह गीत संस्कृत और बांग्ला मिश्रित भाषा में लिखा गया था। इस गीत में मातृभूमि की कल्पना देवी के रूप में की गई थी।
- संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रगान के समान दर्जा दिया और समान रूप से सम्मानित करने का निर्णय लिया।

वंदे मातरम का पहली बार गायन रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता में हुए अधिवेशन में किया था।

यादगार घटनाएं

- पश्चिम बंगाल में आजादी के लिए एक जुलूस का नेतृत्व कर रही मातंगिनी हाजरा को 1942 में जब ब्रिटिश पुलिस ने तीन गोलियां मारीं तो उनके अंतिम शब्द 'वंदे मातरम' थे।
- महाराष्ट्र की भीकाजी रुस्तम कामा ने 1907 में जर्मनी के स्टटगार्ट में बनाए गए भारत के पहले राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) की मध्य पट्टी पर 'वंदे मातरम' लिखा गया था।
- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल की पुस्तक 'क्रांति गीतांजलि' में गीत के पहले दो छंद 'मातृ वंदना' के रूप में दिए गए थे, जिसे प्रतिबंधित कर दिया गया था।

अंग्रेजों की कूटनीति

वंदे मातरम गीत के ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एकता का सूत्र बन जाने के बाद अंग्रेजों ने इस पर प्रतिबंध लगाया। यह बेअसर रहा तो उन्होंने बांटों और राज करो की नीति के तहत इसे हिंदू-मुसलमानों के बीच विभाजन पैदा करने का जरिया बनाया और इसमें कामयाब भी हुए। धार्मिक विवाद शुरू हो गए। 1909 के मुस्लिम लीग के अमृतसर अधिवेशन में वंदे मातरम को 'इस्लाम विरोधी' करार दिया गया।

विवाद और चर्चाएं

वंदे मातरम के 100 साल पूरे होने पर 2005 में इसे स्कूलों में गाने के लिए प्रोत्साहित किया गया लेकिन कुछ धार्मिक समूहों की ओर से आपत्ति जताने के बाद तत्कालीन सरकार ने इसे अनिवार्य नहीं बनाया और इसका गायन लोगों की स्वेच्छा पर छोड़ दिया गया।

एक डिग्री सेल्सियस के 10वें हिस्से के बराबर तापमान बढ़ना भी अब घातक

कॉप- 30 के विशेष दूतों ने विश्व नेताओं को दी चेतावनी, एकजुट होने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी

जलवायु संकट पर चिंता

2030 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने की आशंका, रोकने के लिए वैश्विक कार्रवाई अपर्याप्त

वैज्ञानिकों ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2030 के दशक की शुरुआत तक दुनिया में तापमान वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की बहुत संभावना है। दक्षिण एशिया, अफ्रीका, यूरोप और उत्तरी अमेरिका सहित प्रमुख क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले दूतों ने कहा कि 2015 के पेरिस समझौते के बाद से हुई प्रगति के बावजूद, तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए वैश्विक कार्रवाई अपर्याप्त है। उन्होंने लिखा, हम पेरिस समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहे हैं। दूतों ने कहा कि कॉप30 को पेरिस समझौते और दुबई में कॉप28 में अपनाई गई संयुक्त अरब अमीरात की आम सहमति, दोनों के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

कॉप- 30 के सात विशेष दूतों ने शुक्रवार को ब्राजील में इस वर्ष होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं से पेरिस समझौते के कार्यान्वयन में 'निर्णायक प्रगति' लाने का आग्रह किया, साथ ही चेतावनी दी कि एक डिग्री सेल्सियस के दसवें हिस्से के बराबर अतिरिक्त तापमान भी 'कठोर परिणाम' लाएगा।

कॉप30 के अध्यक्ष और विश्व नेताओं को लिखे एक संयुक्त पत्र में, दूतों ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन एक 'महत्वपूर्ण अवसर और एक गंभीर चुनौती' दोनों प्रस्तुत करता है और इससे एक मजबूत संकेत मिलना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय जलवायु संकट का सामना करने के अपने दृढ़ संकल्प में एकजुट है। आगामी 10 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित होने वाला कॉप- 30 सम्मेलन पेरिस समझौते के एक दशक पूरे होने के अवसर पर हो रहा है। यह वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों, चल रहे युद्धों और अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न आर्थिक अनिश्चितता के बीच हो रहा है।

आर्थिक और ऊर्जा सुरक्षा चिंताओं के बीच कई विकसित देशों द्वारा अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं का पुनर्मूल्यांकन करने के साथ-साथ अमेरिका के पेरिस समझौते से हटने के चलते इस वर्ष की जलवायु वार्ता के लिए एक चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि तैयार हो गई है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2025 रिकॉर्ड पर दूसरा या तीसरा सबसे गर्म वर्ष होगा। वर्ष 2024 सबसे गर्म वर्ष था और ऐसा पहला वर्ष था जब वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक था। हालांकि, पेरिस समझौते में निर्दिष्ट 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा का स्थाई उल्लंघन 20 या 30 वर्षों की अवधि में दीर्घकालिक तापमान वृद्धि को दर्शाता है। कॉप- 30 के लिए सात विशेष दूतों में अदनान जेड अमीन (पश्चिम एशिया), अरुणाभ घोष (दक्षिण एशिया), कार्लोस लोपेज (अफ्रीका), जैसिंडा अर्डर्न (ओशिनिया), जोनाथन पर्शिंग (उत्तरी अमेरिका), लॉरेंस टुबियाना (यूरोप) और पेट्रीसिया एस्पिनोसा (लैटिन अमेरिका और कैरिबियन) शामिल हैं।

यूएन महासचिव ने भी किया त्वरित और ठोस प्रयासों का आग्रह

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और विश्व नेताओं ने विश्व के देशों से जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाने और ठोस प्रयास करने का आग्रह किया है। ब्राज़ील के अमेज़न शहर बेलेम में 10-21 नवंबर को होने वाले 30वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप- 30) से पहले जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए आयोजित दो दिवसीय नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते उन्होंने आह्वान किया, हमें तेज़ी से आगे बढ़ने की ज़रूरत है। इस सीओपी को एक दशक की गति और परिणाम देने वाली योजना को प्रज्वलित करना चाहिए। उन्होंने तापमान में बढ़ोत्तरी मामले में कहा इससे पारिस्थितिक तंत्र अपरिवर्तनीय चरम सीमा से आगे बढ़ सकता है। जलवायु परिवर्तन अरबों लोगों के जीवन को संकट में डाल सकता है।" इस विशाल चुनौती के बावजूद, दुनिया "बेलेम को एक महत्वपूर्ण मोड़ बनाने का विकल्प चुन सकती है। गुटेरेस ने इस मामले में विश्व के अनेक देशों द्वारा तत्काल निर्णायक कार्रवाई करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच फिर हुई गोलाबारी

इस्लामाबाद। अफ़ग़ानिस्तान के कंधार प्रांत के एक सीमावर्ती ज़िले में पाकिस्तानी सेना ने भारी हथियारों का भी जमकर इस्तेमाल किया। अफगानिस्तान के स्थानीय मीडिया के अनुसार गोलीबारी स्थानीय समयानुसार गुरुवार शाम लगभग 5 बजे हुई।

कहा गया है कि स्पिन बोल्डक ज़िले के एक व्यावसायिक बाज़ार पर मोर्टार के गोले दागे गए, जिससे लोगों को इलाके से भागने पर मजबूर होना पड़ा। पाकिस्तान ने कहा है कि अफगान तालिबान के नियंत्रण वाले इलाक़े से कुछ तत्वों के पाकिस्तानी चौकियों पर बिना उकसावे गोलीबारी शुरू करने के बाद पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान सीमा पर गोलीबारी हुई। अफगानी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के चमन ज़िले में हुई गोलीबारी का तुरंत और प्रभावी ढंग से जवाब दिया।

शटडाउन : अमेरिका में होगी सैकड़ों उड़ानों की कटौती

न्यूयार्क, एजेंसी

- **आदेश जारी होने के बाद अब तक एक हजार से ज्यादा उड़ाने रद्द**

अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने संघीय 'शटडाउन' के बीच देशभर में उड़ानों को कम करने का आदेश शुक्रवार सुबह से लागू करने का एलान किया है। इससे सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने की आशंका है।

एफएए के आदेश के अनुसार, चयनित 40 हवाई अड्डे दो दर्जन से अधिक राज्यों में फैले हैं और इसमें अटलांटा, डलास, डेनवर, लॉस एंजिल्स और चार्लोट (नॉर्थ कैरोलिना) जैसे प्रमुख हब शामिल हैं। न्यूयॉर्क, ह्यूस्टन, शिकागो और वॉशिंगटन समेत कुछ महानगरीय क्षेत्रों में कई हवाई अड्डों पर इसका असर पड़ेगा और इसका प्रभाव छोटे हवाई अड्डों पर भी पड़ सकता है। एफएए के आधिकारिक आदेश की संभावना के मद्देनजर एयरलाइनों ने अपने कार्यक्रम समायोजित करना शुरू कर दिया है तथा बृहस्पतिवार से ही उड़ानों को रद्द किया जा रहा है।

फ्लाइटअवेयर के अनुसार, देशभर में 780 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। डेल्टा एयर लाइन्स ने कहा कि वह शुक्रवार को लगभग 170 उड़ानें रद्द करेगी, जबकि अमेरिकन एयरलाइन्स ने सोमवार तक रोजाना 220 उड़ानों के संचालन को रोकने की योजना बनाई है। एफएए ने कहा कि उड़ानों में कमी 4 प्रतिशत से शुरू होकर 14 नवंबर तक 10 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। यह आदेश सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगा और सभी वाणिज्यिक एयरलाइनों को प्रभावित करेगा।

अमेरिका में बना एक और भारतीय मूल का मेयर स्वर्णजीत सिंह संभालेंगे नॉर्विच शहर की कमान

न्यूयॉर्क। अमेरिका में एक और भारतीय मूल के व्यक्ति को मेयर चुना गया है। रियल एस्टेट कारोबारी सिंह स्वर्णजीत को कनेक्टिकट प्रांत के नॉर्विच शहर का मेयर बने हैं। वह राज्य के पहले सिख मेयर हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी के स्वर्णजीत को 3,978 वोट (57.25 प्रतिशत) मिले, जबकि उनकी रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी स्टेसी गोल्ड को 2,828 वोट (40.7 प्रतिशत) मिले। स्वर्णजीत की चुनावी वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उन्होंने नॉर्विच को एक ऐसे शहर के रूप में वर्णित किया है, जिसने उनके परिवार को दिल खोलकर अपनाया है। इसमें कहा गया है कि 1984 में भारत में हुए सिख विरोधी दंगों के बाद उनका परिवार पलायन कर गया था और वह हिंसक उत्पीड़न के खतरे से मुक्ति पाने के लिए 2007 में अमेरिका पहुंचे थे। स्वर्णजीत रियल एस्टेट कारोबारी हैं और नॉर्विच में एक गैस स्टेशन के मालिक हैं।

इंडोनेशिया : स्कूल की मस्जिद में कई विस्फोट, छात्रों समेत 55 लोग घायल

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक हाई स्कूल की मस्जिद में कई विस्फोट हुए जिसमें 55 लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर छात्र थे। पुलिस ने इन अटकलों को खारिज करने की कोशिश की कि ये विस्फोट आतंकवादी हमला थे और कहा कि वे जांच कर रहे हैं।

- **आतंकवादी हमला होने का शक कई घायलों की हालत गंभीर**

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने दोपहर के आसपास कम से कम दो जोरदार धमाके सुने, ठीक उसी समय जब जकार्ता के उत्तरी केलापा गाडिंग इलाके में नौसेना परिसर के अंदर स्थित सरकारी हाई स्कूल, एसएमए 27 स्थित मस्जिद में धर्मोपदेश शुरू हुआ था। मस्जिद में धुआं भर जाने से छात्र और अन्य लोग दहशत में बाहर भागे। जकार्ता पुलिस प्रमुख असेप एडी सुहेरी के अनुसार ज्यादातर लोगों को कांच के टुकड़ों से मामूली से लेकर गंभीर चोटें आईं। विस्फोटों का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस प्रमुख ने बताया कि लोगों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। कुछ को तुरंत घर भेज दिया गया, लेकिन 20 छात्र अभी भी अस्पताल में हैं, जिनमें से तीन गंभीर रूप से घायल हैं।

चीनी बेड़े में तीसरा विमान वाहक पोत

बीजिंग। चीन ने अपने तीसरे विमानवाहक पोत 'फुजियान' को नौसैनिक बेड़े में शामिल कर लिया है। इसे विद्युतचुंबकीय प्रक्षेपण प्रणाली (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट) से लैस सबसे आधुनिक युद्धपोत बताया जा रहा है जिससे विमानों को उड़ान भरने में मदद मिलती है।

'फुजियान' को चीनी नौसेना में शामिल किए जाने पर आयोजित गोपनीय समारोह में राष्ट्रपति शी जिनपिंग भी मौजूद थे। फुजियान एक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम से लैस है, जिसका इस्तेमाल केवल अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड करता है।

भूख-गरीबी अभाव से नहीं बल्कि राजनीतिक विफलता के कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र दोहा शिखर सम्मेलन में सामाजिक प्रतिज्ञाएं पूरी करने का संकल्प

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बैरबॉक ने दोहा शिखर सम्मेलन की समापन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह शिखर सम्मेलन कमियों की पहचान करने से लेकर सिद्ध समाधानों पर अमल करने की दिशा में एक सुविचारित बदलाव का प्रतीक है। शिखर सम्मेलन में 40 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों, 230 से ज्यादा मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों और लगभग 14,000 उपस्थित लोगों ने भाग लिया।

एनालेना ने कहा, कोपेनहेगन ने हमें 30 साल पहले सिखाया था कि

मज़बूत समाजों के लिए सामाजिक विकास और समावेशन ज़रूरी हैं। हमने किसी को पीछे न छोड़ने का वादा किया था। सामाजिक विकास कोई दान जैसा कार्य नहीं है और नहीं प्रत्येक द्वारा अपने हित में किये जाने वाला कार्य है। यह हर देश के हित में है। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया में आज भूख और गरीबी अभाव के कारण नहीं, बल्कि संघर्ष, असमानता और राजनीतिक विफलताओं के कारण हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, सबसे बड़ी समस्या पैसा नहीं बल्कि यह है कि इसे कैसे निवेश किया जाता है।

औपचारिक पूर्ण सत्र और गोलमेज चर्चाओं के साथ-साथ, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करने, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक पहुंच में सुधार लाने और सम्मानजनक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने के लिए 250 से अधिक समाधान सत्र आयोजित किए गए। उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने कहा कि यह परिणाम नागरिक समाज, ट्रेड यूनियनों, सामुदायिक नेताओं, व्यवसायों और युवा प्रतिनिधियों द्वारा पूरे सप्ताह व्यक्त की गई तात्कालिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, संदेश स्पष्ट है, लोग हमसे केवल घोषणाओं की नहीं, बल्कि उत्तरों की अपेक्षा करते हैं।

क्षेत्रीय आर्थिक आयोग करेंगे देशों की मदद

क्षेत्रीय आर्थिक आयोगों ने कहा कि वे प्रतिबद्धताओं को व्यावहारिक उपायों में बदलने में देशों की सहायता करेंगे। यूरोप के आर्थिक आयोग ने वृद्धावस्था नीतियों, किफायती आवास, न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन और बेहतर गरीबी आंकड़ों के लिए समर्थन पर ज़ोर दिया, जिससे सरकारों को सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों तक पहुंचने वाली प्रणालियां डिज़ाइन करने में मदद मिली। अफ्रीका के आर्थिक आयोग ने अफ्रीकी संघ और क्षेत्रीय संस्थानों के साथ साझेदारी में शिक्षा, कौशल, रोज़गार के अवसरों और उद्यमिता में निवेश का आह्वान करते हुए, महाद्वीप की युवा क्षमता पर जोर दिया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 8 नवंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 07 .32 तक तत्पश्चात चतुर्थी 9 नवंबर 04 .25 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

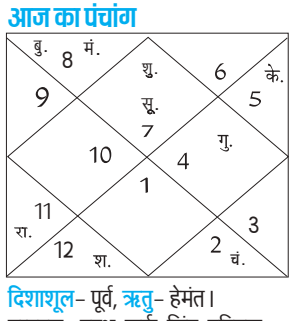

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 22 .02 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष — आज दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। किसी कार्य को औपचारिकता में न करें। भौतिक भोग-विलास का भरपूर आनंद लेंगे। घर में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृष — आज अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को दिन के पूर्वार्ध में कर लेना हितकर होगा। आपको बड़े व प्रभावशाली लोगों से मिलना पड़ सकता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

मिथुन — आज प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं। पुराने रुके हुए कार्य शुरू हो सकते हैं। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। दांपत्य संबंधों में आपसी समझ और सामंजस्य में वृद्धि होगी।

कर्क — आज आप पर कार्यभार की अधिकता रहेगी। महिलाओं को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा ध्यान रखना पड़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों को एक-दो दिन के लिए टालना हितकर होगा। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है।

सिंह — आज आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। विवादित मामलों में आपकी विजय हो सकती है। आपके खर्चों में कमी आएगी। कार्यक्षेत्र में मनोनुकूल काम मिलने से काफी अच्छा व सहज महसूस करेंगे। सोशल मीडिया में आप अत्यधिक सक्रिय रहेंगे।

कन्या — आज सभी कार्य आपके अनुसार होने से मन प्रसन्न रहेगा। राजनीति विषयों में आप विशेष रुचि ले सकते हैं। अचानक किसी आवश्यक कार्य से शहर से बाहर जाना पड़ सकता है। सहकर्मियों के साथ आपकी मित्रता बढ़ेगी।

तुला — आज बच्चे पढ़ाई के बजाय दूसरे कार्यों में समय अधिक खर्च कर सकते हैं। दोस्तों के साथ भविष्य की किसी योजना को लेकर चर्चा हो सकती है। धीमी गति से आपके काम बनते प्रतीत होंगे। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न बढ़ाएं।

वृश्चिक — आज किसी की गारंटी न लें वरना नुकसान हो सकता है। आपकी अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी इसीलिए बिना मांगे किसी को सलाह न दें। पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। आप कोई नया काम शुरू करने से बचें।

धनु — आज किसी इंटरव्यू आदि में सम्मिलित हो रहे हैं, तो सफलता अवश्य मिलेगी। प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञ लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। कई आवश्यक कार्य समय से पहले पूर्ण हो जाएंगे।

मकर — आज आपका दिन अत्यंत व्यस्त रहेगा। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध चुगली कर सकते हैं। एक साथ अनेक कार्य संभालने पड़ेंगे। विद्यार्थियों को नया कुछ सीखने को मिलेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझने की संभावना बन रही है।

कुंभ — आज प्रेमी जन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध मधुर होंगे। मित्रों के भरोसे अपने काम न छोड़ें। बच्चे बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य पसंद करेंगे। अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए खानपान और योग पर ध्यान दें।

मीन — आज दूसरों की सहायता करके आपको आत्मसंतुष्टि महसूस होगी। आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान कर सकता है। बोलचाल में अपशब्दों का प्रयोग न करें। विद्यार्थी करियर को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

सुडोकू-154

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1					2		
4		5						
			2	7				
	9		3					
	7						1	
				5	4			
				4	6			
		1				4		5
7		3					8	

सुडोकू - 153 का हल

1	8	5	9	2	6	7	4	3
9	3	4	5	1	7	2	8	6
2	6	7	8	4	3	5	9	1
8	1	3	7	6	5	4	2	9
7	9	6	2	8	4	3	1	5
4	5	2	1	3	9	6	7	8
5	4	1	6	9	2	8	3	7
3	7	8	4	5	1	9	6	2
6	2	9	3	7	8	1	5	4

मैच से पहले सचिन सर का फोन आया। उन्होंने अपना अनुभव साझा किया और हमे संतुलन बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जब मैच तेज चल रहा हो तो थमकर खेलने की कोशिश करो क्योंकि अगर तुम भी तेज खेलोगे तो लड़खड़ा जाने का खतरा होगा।

-हरमनप्रीत कौर

स्टेडियम

बरेली, शनिवार 8 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सचिन के फोन से मिली थी हरमनप्रीत को प्रेरणा

नई दिल्ली : विश्व कप फाइनल से पहले हरमनप्रीत कौर को बहुत सलाह मिली, लेकिन भारतीय कप्तान के लिए सबसे अहम थी, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर की सलाह। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक फाइनल से पहले महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत को तेंदुलकर ने फोन किया था। नवी मुंबई में फाइनल जीते को पांच दिन हो चुके हैं लेकिन हरमनप्रीत अभी भी अचरज में है कि सोलह साल तक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद अचानक सब कुछ कैसे बदल गया। उन्होंने कहा हम जब भी एक दूसरे से मिलते हैं तो कहते हैं विश्व चैम्पियन। यह अलग तरह का अनुभव है। हम इंतजार कर रहे थे कि इस तरह का अनुभव कब होगा। हरमनप्रीत ने कहा मेरे माता पिता वहां थे। उनके सामने विश्व कप जीतने का पल खास था।

डिजिटल पर रिकॉर्ड दर्शकों ने देखा फाइनल

मुंबई : आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक खिताबी जीत ने देश में क्रिकेट प्रसारण के लिए नए मानक स्थापित किए और आधिकारिक प्रसारक के अनुसार कुल 44 .6 करोड़ दर्शकों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर यह टूर्नामेंट देखा। जियोहॉटस्टार ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि महिला विश्व कप फाइनल को उसके प्लेटफॉर्म पर 18 .5 करोड़ उपयोगकर्ताओं ने देखा। इसमें भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार आईसीसी खिताब जीता। फाइनल में दर्शकों की संख्या इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दैनिक औसत से अधिक थी लेकिन यह पिछले साल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल के दौरान दर्ज किए गए दर्शकों की संख्या के बराबर थी।

अर्जुन जीते, गुकेश ने ड्रॉ खेला

पणजी (गोवा) : ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां उज्बेकिस्तान के शमसिद्दीन वोखिदोव को शिकस्त दी जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश ने शतरंज विश्व कप के तीसरे दौर की बाजी के पहले गेम जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन के साथ ड्रॉ खेला। एरिगेसी के अलावा ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने भी बेल्जियम के युवा ग्रैंडमास्टर डैनियल दर्धा को हराकर बढ़त बना ली। राउंड ऑफ 64 में आर प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से आसान शुरूआत करते हुए अर्मेनिया के रॉबर्ट होवहानिस्यान के साथ तीसरे दौर का पहला गेम ड्रॉ खेला जबकि विदित गुजराती ने सैम शंकलैंड से ड्रॉ खेला।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (दाएं) और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने महिला विश्व कप विजेता भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को सम्मानित किया।

मोहाली में अपने घर पहुंचीं अमनजोत कौर ने परिवार के साथ जश्न मनाया। एजेंसी

मुझे लग रहा था कि शेफाली फाइनल में कुछ खास करेगी: प्रतिका

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रतिका रावल।

शेफाली वर्मा।

मनोविज्ञान की छात्रा होने के नाते प्रतिका रावल को थोड़ी समझ है कि मानव मस्तिष्क किस तरह काम करता है। उनकी अंतरात्मा से उन्हें महसूस हुआ कि विश्व कप नॉकआउट में उनकी जगह लेने वाली शेफाली वर्मा फाइनल में कुछ खास करेगी। हालांकि प्रतिका टखने और घुटने की चोट के कारण अपने करियर के सबसे अहम दो मैच में खेलने से चूक गईं, लेकिन उनका शेफाली के बारे में अंदाजा बिलकुल सही रहा।

प्रतिका ने पीटीआई वीडियो से कहा शेफाली को प्रेरणा की जरूरत नहीं है। फाइनल से पहले वह मेरे पास आई और बोली मुझे सच में अफसोस है कि तुम नहीं खेल सकती और मैंने उससे कहा कि कोई बात नहीं, ऐसी चीजें होती रहती हैं। मुझे लग रहा था कि वह उस दिन कुछ खास करेगी। प्रतिका ने टूर्नामेंट में 308 रन बनाए, जिससे वह लॉरा वोल्वार्ट (571), स्मृति मंधाना (434) और एशले गार्डनर (328) के बाद चौथे स्थान पर रहीं। लेकिन भारत के बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में चोटिल हो गई। उन्होंने कहा मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि मैं अभी मनोवैज्ञानिक हूं क्योंकि मैंने अपनी मास्टर डिग्री पूरी नहीं की है। लेकिन मनोविज्ञान का अध्ययन करने वाली एक छात्रा के तौर पर मुझे मानवीय भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली जिसमें मेरी अपनी भावनाएं भी शामिल हैं।

प्रतिका ने कहा पहली बात कि जो हो गया उसे स्वीकार करें। आप उसे वापस नहीं ला सकते। एक बार जब मैंने चोट को स्वीकार कर लिया तो मैंने केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन पर मैं नियंत्रण कर सकती थी और वो था चोट से उबरना, नींद लेना, पोषण और टीम का समर्थन करते रहना। उन्होंने कहा मुझे चोट लगने से निराशा जरूर हुई, लेकिन मैं इससे हताश नहीं हुई। मेरे पिताजी हमेशा मेरे साथ थे, मेरे कोच मेरा हालचाल पूछते रहते थे, मेरी मां और भाई के रोज फोन करते थे। मेरे पास एक बहुत अच्छा 'सपोर्ट सिस्टम' है। उन्होंने मुझे निराश या अकेला महसूस नहीं होने दिया। उन्होंने स्वीकार किया पिछले रविवार को जब उनकी साथी खिलाड़ी मैदान पर उन्हें जश्न मनाने के लिए ले गईं तब उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा मुझे इस बात को स्वीकार करने में बहुत समय लगेगा कि हमने विश्व कप जीत लिया है।

दीप्ति के इस्तकबाल के लिए ताज नगरी तैयार

आगरा : ऑलराउंडर खिलाड़ी दीप्ति शर्मा के स्वागत के लिए घर में तैयारियां बहुत जोर शोर से चल रहीं हैं। दीप्ति के परिजन ने बताया कि शुक्रवार सुबह से ही घर को संवारने और सजाने का काम शुरू हो गया है। दीप्ति शर्मा आगरा के अवधपुरी की रहने वाली हैं। वह अब घर आने वालीं हैं लिहाजा परिजन बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दीपावली पर घर की रंगाई पुताई नहीं हुई थी लेकिन दीप्ति के आगमन पर घर का रंग रोगन और सजाया जा रहा है। घर के आसपास भी सफाई की जा रही है यानी दीप्ति घर आएगी तो आलीशान स्वागत किया जाएगा।

विदेशी सरजमीं पर एक और सीरीज जीतने का मौका

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां व अंतिम टी-20 मैच आज दोपहर 1:45 बजे से

ब्रिस्बेन, एजेंसी

विदेशी सरजमीं पर एक और सीरीज जीतने की दहलीज पर खड़ी भारतीय टीम शनिवार को यहां पांचवें और अंतिम टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में अपनी बल्लेबाजी की कमजोरियों को दूर कर ऑस्ट्रेलिया दौरे का अंत प्रभावशाली ढंग से करने की कोशिश करेगी। भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त के साथ ऑस्ट्रेलिया में 17 साल से कोई टी-20 शृंखला नहीं गंवाने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में टीम इस दौरे का अंत जीत के साथ करने के लिए पूरा जोर लगाएगी।

मैच में सबसे ज्यादा नजरें शुभमन गिल और सूर्यकुमार की बल्लेबाजी पर होंगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले भारत की स्पिन चुनौती का डटकर सामना करना चाहेगा। भारतीय टीम ने पिछले मैच में बेहतर रणनीतिक सूझबूझ दिखाई थी और कैरारा की मुश्किल पिच पर बल्लेबाजों ने अच्छा तालमेल बिठाया था। गिल ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई थी जिससे भारत 14 ओवर में दो विकेट पर 121 रन के स्कोर के साथ मजबूत स्थिति में था। टीम ने हालांकि इसके बाद 15 रन के अंदर चार विकेट गंवा दिये थे। उपकप्तान गिल ने सात पारियों से अर्धशतक नहीं लगाया है, लेकिन पिछले मैच में 46 रन के साथ उन्होंने ने लय में वापसी का संकेत दिया था। सूर्यकुमार ने शृंखला में कुछ शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन अपनी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में उन्हें संघर्ष करना पड़ा है। अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली शृंखला से पहले कप्तान से और अधिक आजादी के साथ बल्लेबाजी कर मिसाल कायम करने की उम्मीद होगी।

तिलक वर्मा भी इस शृंखला में अभी तक अपनी लय नहीं पकड़ पाए हैं, उन्होंने अपने पिछले तीन मैचों में 0, 29 और पांच रन बनाए हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा पर भी दबाव होगा क्योंकि पिछले दो मैचों में उन्होंने अनुभवी संजू सैमसन पर तरजीह मिलने के बाद कोई ख़ास प्रभाव नहीं छोड़ा है। अभिषेक शर्मा ने दुनिया के शीर्ष टी-20 बल्लेबाज के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को बरकरार रखते हुए एक तेज अर्धशतकीय पारी खेली और एक अन्य मैच में टीम को आक्रामक शुरुआत दिलाई। भारत का निचला क्रम भी प्रभावी रहा है। अक्षर पटेल ने पिछले मैच में 11 गेंदों में नाबाद 21 रनों की पारी खेली थी। सातवें और आठवें नंबर पर हरफनमौला खिलाड़ियों की मौजूदगी ने टीम को मजबूती प्रदान की है। अर्शदीप सिंह ने गेंदबाजी में एक बार फिर भारत के लिए अपनी उपयोगिता साबित की है, उन्होंने चार विकेट लिए हैं और जसप्रीत बुमराह के साथ नयी गेंद से प्रभावी जोड़ी बनाई है। कुलदीप यादव की अनुपस्थिति के बावजूद वरुण, अक्षर और वाशिंगटन की स्पिन तिकड़ी भारत की एक बड़ी ताकत रही है।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम जम्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

- बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव पर सबसे ज्यादा नजरें

शुभमन गिल।

पिछली गलतियों से सीखा, बाउंड्री के आकार को शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया : अक्षर

कैरारा (गोल्ड कोस्ट) : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने हरफनमौला खेल से प्रभावित करने वाले भारतीय खिलाड़ी अक्षर पटेल ने कहा कि उन्होंने अपनी पिछली गलतियों से सीख लेते हुए बाउंड्री के आकार को अपने शॉट चयन पर हावी नहीं होने दिया। अक्षर ने 11 गेंदों में एक चौका और एक छक्का की मदद से नाबाद 21 रन बनाये। उन्होंने इस दौरान आखिरी ओवर में मार्कस स्टोइनिस के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 167 रन तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। अक्षर ने गेंद से भी कमाल करते हुए दो विकेट चटकाये। भारत ने इस मैच को 48 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली। 'प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए अक्षर ने बीसीसीआई टीवी से कहा जाहिर है, मुझे पता था कि यह मुश्किल होगा क्योंकि लगातार विकेट गिर रहे थे। ड्रेसिंग रूम से मुझे यही संदेश मिला कि मुझे आखिरी ओवर क्रीज पर डटे रहना है क्योंकि मेरे बाद कोई बल्लेबाज नहीं था। इस 31 साल के हरफनमौला ने कहा मैंने सोचा कि आखिरी ओवर में जोखिम उठाउंगा। साइड की बाउंड्री की दूरी अधिक थी, लेकिन मैंने सोचा कि अगर मैं अपनी लय बनाए रखूं और गेंद पर नजर रखूं तो मैं गेंद को बाउंड्री के पार भेज सकता हूं। उन्होंने कहा मैंने पहले भी महसूस किया है कि अगर मैं बाउंड्री के आकार के बारे में सोचता था तो उस तरफ शॉट नहीं खेलता था। ऐसे में यह पहले से तय शॉट बन जाता था और मैं गलतियां कर बैठता था। मैंने पिछली गलतियों से सबक लेकर यहां अपने शॉट में सुधार किये। सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 मैच शनिवार को ब्रिसबेन में खेला जाएगा।

भारत ए मजबूत स्थिति में 112 रनों की बनाई बढ़त

बेंगलुरु, एजेंसी

हांगकांग सिक्सेज मैच

मार्क्स एकरमैन की शतकीय पारी के बावजूद भारत ए ने दूसरे चार दिवसीय मैच में शुक्रवार को यहां दूसरे दिन तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बूते दक्षिण अफ्रीका ए की पहली पारी को 221 रन पर समेट कर पहली पारी में 34 रन की बढ़त हासिल की। भारत 'ए' ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में तीन विकेट पर 78 रन बनाकर बढ़त को 112 रन तक पहुंचा दिया। सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल (26) के साथ कुलदीप यादव (शून्य) क्रीज पर मौजूद हैं। प्रसिद्ध कृष्णा (तीन विकेट), मोहम्मद सिराज (दो विकेट) और आकाशदीप (पर दो विकेट) ने पिच का शानदार तरीके से इस्तेमाल करते करने हुए आपस में सात विकेट साझा किए जिससे दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी 221 रन पर सिमट गयी।

भारत ए के देवदत पडिक्कल, के एल राहुल और ध्रुव जुरेल स्लिप में फील्डिंग करते हुए।

महिला वन-डे विश्व कप-2029 में 10 टीमें खेलेंगी

दुबई, एजेंसी

- आईसीसी ने की घोषणा, अभी तक आठ टीमें ले रही थीं हिस्सा

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि महिला वनडे विश्व कप के 2029 में होने वाले अगले चरण में मौजूदा आठ टीमों की संख्या को बढ़ाकर 10 टीम का कर दिया जाएगा। भारत ने दो नवंबर को नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर महिला क्रिकेट में अपनी पहली वैश्विक ट्रॉफी जीती। हजारों प्रशंसक मैच देखने के लिए स्टेडियम में उमड़ पड़े जिससे विश्व संस्था को यह कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

आईसीसी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया आईसीसी बोर्ड इस टूर्नामेंट की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है। आईसीसी बोर्ड ने टूर्नामेंट के अगले चरण को 10 टीमों (2025 में आठ टीमों से) तक बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। इसमें आगे कहा गया लगभग 3,00,000 प्रशंसकों ने स्टेडियम में इस टूर्नामेंट को देखा जिसने किसी भी महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए दर्शकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस टूर्नामेंट में दर्शकों की संख्या में भी वृद्धि हुई और दुनिया भर में ऑन-स्क्रीन दर्शकों के लिए नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ जिसमें भारत में लगभग 50 करोड़ दर्शक थे।

साथ ही बोर्ड ने समान विकास के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए वर्ष 2026 के लिए अपने सहयोगी सदस्यों को धन वितरण में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी। आईसीसी को 'प्रोजेक्ट यूएसए' पर अपना पहला अपडेट मिला है। यह परियोजना अमेरिकी क्रिकेट के निलंबन के बाद और आईसीसी के इस निर्देश के अनुरूप शुरू किया गया था कि अमेरिकी राष्ट्रीय टीमों के खिलाड़ियों के व्यावसायिक व विकास हितों पर बोर्ड के गैर-अनुपालन के कारण निलंबन का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। यह परियोजना लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने के लिए एक अनुकूल मार्ग तैयार करना है।

हॉकी ने भारत को ओलंपिक्स में खास जगह दिलाई : मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को हॉकी के शताब्दी समारोह में कहा कि ओलंपिक में हॉकी के जरिए ही हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या हासिल कर सकता है।

आज यहां भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया ने ऐतिहासिक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एक भव्य शताब्दी समारोह के साथ भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस अवसर पर डॉ. मांडविया ने इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा इस खेल ने कई दौर देखे हैं, और ओलंपिक में हॉकी के जरिए ही हमने दुनिया को दिखाया कि भारत खेलों में क्या हासिल कर सकता है। तब से हमने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

संसदीय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि इस खास मौके पर मैं खेल के दिग्गजों के बीच खड़ा हूं। मैं हॉकी इंडिया को हमारे महान खिलाड़ियों के साथ-साथ मौजूदा सितारों को सम्मानित करने, हमारे समृद्ध इतिहास को हमारे उज्ज्वल भविष्य के साथ जोड़ने के लिए बधाई देता हूं।

भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया (बाएं) और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू (दाएं) नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में पूर्व हॉकी खिलाड़ी असलम शेर खान को सम्मानित करते हुए। एजेंसी

भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे

उम्मीद भारतीय हॉकी के सबसे सीनियर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने महिला विश्व कप को ऐतिहासिक जीत बताया

हॉकी विश्व कप में भी खत्म होगा इंतजार : गुरबख्श सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप में खिताबी जीत को ऐतिहासिक बताते हुए भारतीय हॉकी के सबसे सीनियर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गुरबख्श सिंह ने उम्मीद जताई कि हरमनप्रीत सिंह की टीम हॉकी में भी विश्व कप के लिए 50 साल का इंतजार खत्म करेगी।

आठ बार की ओलंपिक चैंपियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब तक सिर्फ एक बार 1975 में कुआलालम्पुर में विश्व कप जीत सकी है। पिछली बार 2023 में भुवनेश्वर और राउरकेला में हुए विश्व कप में मेजबान भारत संयुक्त नौवे स्थान पर रहा था।

टोक्यो ओलंपिक 1964 में स्वर्ण और मैक्सिको में चार साल बाद कांस्य पदक जीतने वाले 90 वर्ष के गुरबख्श ने भारतीय हॉकी के सौ साल पूरे होने के अवसर पर भाषा से खास बातचीत में कहा भारत की लड़कियों ने क्रिकेट में हाल ही में विश्व कप जीता है और इससे देश में महिला क्रिकेट को बहुत फायदा मिलेगा। उम्मीद है कि हॉकी में भी अगले साल विश्व कप जीतकर हम इंतजार खत्म करेंगे। विश्व कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में जुलाई अगस्त में होगा और भारत ने एशिया कप जीतकर टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने कहा कि विश्व कप एस्ट्रो टर्फ के दौर में शुरू हुआ और यही वजह है कि भारत ओलंपिक के प्रदर्शन को उसमे दोहरा नहीं सका।

गुरबख्श ने कहा विश्व कप एस्ट्रो टर्फ के आने के बाद आया। ओलंपिक में भी टर्फ के आने के बाद हमारे प्रदर्शन में गिरावट आई थी तो शायद वही वजह रही होगी लेकिन मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए मुझे यकीन है कि विश्व कप में भी पदक अब दूर नहीं। उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम विश्व कप जीत सकती है लेकिन इसमें कुछ बदलाव करने होंगे।

खेल मंत्री की स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री इलेवन ने 3-1 से जीता हॉकी मुकाबला

नई दिल्ली : मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में हॉकी शताब्दी समारोह के समारोह की शुरुआत डॉ. मांडविया की अगुवाई वाली स्पोर्ट्स मिनिस्टर इलेवन और डॉ. दिलीप टिर्की के नेतृत्व वाली हॉकी इंडिया इलेवन का एक प्रदर्शनी मैच से हुई। यह मैच स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री इलेवन ने 3-1 से जीता, जिसमें ब्यूटी डुंगडुंग, सलीमा टेटे और कृष्णा पाठक ने गोल किए, जबकि मनप्रीत सिंह ने हॉकी इंडिया इलेवन के लिए गोल दागा। इस दौरान केंद्रीय खेल मंत्री डा. मनसुख मांडविया, खेल राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे, केन्द्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने हॉकी का आंनद लिया। हॉकी इंडिया ने खेल में उनके स्थायी योगदान और खिलाड़ियों की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए खेल के कुछ सबसे मशहूर हस्तियों को भी सम्मानित किया। इस समारोह में गुरबख्श सिंह, हरबिंदर सिंह, अजीत पाल सिंह, अशोक कुमार, बीपी गोविंदा, असलम शेर खान, जफर इकबाल, ब्रिगेडियर हरचरण सिंह वीएसएम, विनीत कुमार, रोमियो जेम्स, असुंता लाकड़ा और सुभद्रा प्रधान शामिल थे। इस अवसर पर हॉकी मैचों सदी की जीत, चुनौतियों और फिर से वापसी के जरिए इस खेल के सफर के बारे में जानकारी देने वाली पुस्तक 100 इयर्स ऑफ इंडियन हॉकी का विमोचन किया गया। साथ ही एक खास फोटो प्रदर्शनी लगाई गई।